रांची का तापमान
कांके | रांची
अधिक. 35.0° | अधिक. 34.4°
न्यून. 25.3° | न्यून. 25.3°
रांची, सोमवार
02 जून 2025
वर्ष-26, अंक-120, पृष्ठ-12

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 07, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

सभी जवानों को अशेष बधाई

भारतीय सैन्य बलों के असीम बलिदान को कोटि-कोटि नमन

मनीष सिंह 'वंदन'

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता ने भारतीय सेना के भव्य आभा मंडल पर विजय का एक और प्रगाढ़ तिलक लगा दिया। इनकी इस विजयगाथा ने हम भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया। समूचे विश्व में इन्होंने अपनी एकजुटता, बुलंद हौसले, प्रतिबद्धता, ताकत और राष्ट्रवाद का परचम एक बार पुनः बड़ी आन-बान और शान से लहराया। भारतीय सैन्य बलों के अदम्य साहस, अप्रतिम शौर्य, अद्वितीय पराक्रम, अनुपम देशभक्ति, अदम्य जीवटता और असीम बलिदान को कोटि-कोटि नमन है। राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता, संप्रभुता और मातृभूमि की अस्मिता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को सदैव तत्पर रहने वाले ऐसे रणबांकुरों के सम्मान में सिर हमेशा झुका रहेगा। मां भारती के सभी जवानों को अशेष बधाई एवं आकाश भर शुभकामनाएं सहर्ष निवेदित करता हूं। आप पर सौ-सौ सैल्यूट कुर्बान हैं। आप हैं तो हम सुरक्षित है, निश्चिंत हैं। जय हिंद, जय हिंद की सेना!

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 24 रुपए सस्ता हुआ

नई दिल्ली। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से रविवार को एलपीजी गैस सिलेंडर के नए रेट जारी कर दिए गए हैं। कंपनियों द्वारा 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 24 रुपए की कटौती की गई है, जबकि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है।
आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

श्री राममंदिर का स्वर्ण शिखर तैयार, 5 जून को राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या (हि.स.)

श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण कार्य अपनी पूर्णता की तरफ अग्रसर है। मंदिर के गर्भगृह के शिखर कलश पर सोना मढ़ने का कार्य पूरा हो गया है। स्वर्ण जड़ित खूबसूरत शिखर की भव्यता दूर से ही दिखाई देने लगी है। आगामी 3, 4 एवं 5 जून को मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार एवं परकोटे पर स्थित छह अन्य मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। यज्ञशाला को भी दिव्य भव्य बनाया गया है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि यह ऐतिहासिक आयोजन गंगा दशहरा के पावन अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में पूर्वाह्न 11:25 से 11:40 बजे के बीच संपन्न होगा। इस भव्य कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। अयोध्या एक बार फिर धार्मिक उत्साह और भक्ति के रंग में रंगने को तैयार है। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान काशी के विद्वान पंडित जयप्रकाश के नेतृत्व में 101 वैदिक आचार्यों द्वारा संपन्न किया जाएगा। यह आयोजन 3 जून से शुरू होगा। इसमें यज्ञ मंडप पूजन और अग्नि स्थापना जैसे अनुष्ठान शामिल होंगे। 4 जून को विभिन्न अधिवास और पालकी यात्रा का आयोजन होगा। 5 जून को मुख्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा।

चंपत राय ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न संप्रदायों के संत, धमार्चार्य ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य भी शामिल होंगे। इस दौरान मंदिर में श्रद्धालु दर्शन-पूजन भी करते रहेंगे।

जल कलश यात्रा की तैयारी पूरी

आयोजन की शुरुआत सोमवार (2 जून) को मातृ शक्तियों की जल कलश यात्रा के साथ होगी। यह यात्रा अपराह्न 4 बजे सरयू नदी के पुराने आरती स्थल से शुरू होगी और श्रृंगरहाट, हनुमानगढ़ी और दशरथ महल होते हुए राम मंदिर के यज्ञ मंडप पर समाप्त होगी। यह जल कलश यात्रा भक्ति और एकता का प्रतीक होगी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। कलश यात्रा के लिए राम नगरी की माताओं एवं बहनों को ट्रस्ट ने आमंत्रित किया है। सभी को पीले रंग या उससे मिलते-जुलते वस्त्र पहन कर आने के लिए कहा गया है। सभी महिलाएं सरयूजी का पुराना आरती स्थल कच्चा घाट से कलश में जल भरेंगी और पूरे भव्यता के साथ रंग महल बैरियर से श्रीराम मंदिर में प्रवेश करेंगी।

- **जल कलश यात्रा से आज होगा कार्यक्रमों का आगाज**
- **5 जून को रामदरबार की प्राण प्रतिष्ठा में योगी होंगे सम्मिलित**

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में हो रही बढ़ोतरी, एहतियात जरूरी

स्वास्थ्य विभाग तैयार, उठाए जा रहे सभी आवश्यक कदम

- **कोविड से मिलते-जुलते लक्षण वाले मरीजों की मॉनीटरिंग करने का दिया गया है निर्देश**
- **लोगों से कहा गया, सांस लेने में तकलीफ हो तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में रिपोर्ट करें**

नवीन मेल डेस्क

रांची। कोविड-19 के नए वैरिएंट्स के कारण देश भर में संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। कोरोना संक्रमण की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए झारखंड में भी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य के अस्पतालों में मॉक ड्रिल कराने की भी तैयारी है। राज्य में फिलहाल पैनिक जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन सतर्क और सावधानी रहने की आवश्यकता है। राज्य में अब तक कोरोना वायरस के संक्रमण के छह मामले सामने आए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों के उपायुक्तों और सिविल सर्जनों को स्थिति पर निगरानी रखने आदेश दिया है। कोरोना संक्रमण से मिलते-जुलते लक्षणों वाले मरीजों की जांच एवं मॉनीटरिंग करने का भी निर्देश दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की ओर से जिलों को भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में कोविड के मामलों में वृद्धि हुई है, जिसे देखते हुए सभी को सतर्क रहने की आवश्यकता है। श्वसन रोग जनक एच-1एन-1 (स्वाइन फ्लू), एच-3एन-2 (इंफ्लूएंजा) आदि वायरस की निरंतर बदलती प्रकृति और कोविड के नए वैरिएंट के विकास पर भी निगरानी रखने को कहा गया है। निर्देश में कहा गया है कि अस्पतालों के ओपीडी और आईपीडी में कोरोना संक्रमण से संबंधित आने वाले मरीजों की सतत निगरानी और रिपोर्टिंग हो। इसके साथ ही, इसे सर्विलांस विभाग के पोर्टल पर अपलोड करें।

शेष पेज 11 पर

डीसी और सिविल सर्जनों को नजर रखने का आदेश

भारत में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामले 3758 हुए

- **तेजी से बढ़ रहा कोविड केरल और महाराष्ट्र सबसे अधिक प्रभावित**
- **झारखंड में कोविड संक्रमण के मिले हैं छह मामले**

एजेंसी/नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में रविवार की सुबह तक सक्रिय कोविड 19 मामलों की संख्या 3758 हो गई थी। पिछले 24 घंटे में 363 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 1818 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। कोरोना संक्रमण से पिछले 24 घंटे के दौरान दो मरीजों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 वर्षीय बुजुर्ग मरीज ने दम तोड़ दिया। उन्हें पहले से अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। केरल में 24 साल की एक युवती की कोरोना संक्रमण से मौत हुई है। भारत में इस वर्ष अब तक कोविड से संबंधित 28 मौतें दर्ज की गई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को सुबह जारी आंकड़ों में बताया कि देश में कोविड संक्रमण की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। इनमें से केरल में सबसे अधिक 1400 मामले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 485, दिल्ली में 436, गुजरात में 320, कर्नाटक में 238 और पश्चिम बंगाल में 287 सक्रिय मामले हैं। झारखंड में इस समय छह सक्रिय मामले हैं।

स्थिति पर रखी जा रही नजर : डॉ इरफान

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि

राज्य में फिलहाल पैनिक जैसी स्थिति नहीं है। लेकिन, एहतियाती तौर पर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। हर स्थान की निगरानी की जा रही है। कोविड-19 के पहले-दूसरे दौर के दौरान राज्य भर में लगाए गए पीएसए ऑक्सीजन प्लांटों का परीक्षण किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की सप्लाई में बाधा नहीं हो।

कोरोना के 4 नए वैरिएंट मिले

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, दक्षिण और पश्चिम भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट की पहचान हुई है। इनमें एलएफ.7, एक्सेफजी, जेएन 1 और एंबी.1.8.1 शामिल हैं। जेएन.1 भारत में सबसे आम वैरिएंट है, जो टेस्टिंग में 50 प्रतिशत से शेष पेज 11 पर

आप सतर्क और तैयार रहें

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के प्रमुख डॉ राजीव बहल ने कहा कि कोविड-19 के मामलों में वृद्धि दक्षिण से शुरू होकर पश्चिम और अब उत्तर भारत तक पहुंच गई है। इन सभी मामलों की निगरानी एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के माध्यम से की जा रही है। डॉ बहल ने कहा कि वर्तमान में संक्रमण की गंभीरता आम तौर पर हल्की है और चिंता की कोई बात नहीं है। डॉ बहल के अनुसार शेष पेज 11 पर

सीएम सोरेन ने हॉकी कोच प्रतिमा बरवा के निधन पर जताया शोक

रांची। प्रसिद्ध हॉकी कोच प्रतिमा बरवा के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक जताया है। सीएम ने रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा है कि झारखंड सहित देश को कई प्रतिभाशाली अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी देने वाली हॉकी कोच प्रतिमा बरवा का असामयिक निधन अत्यंत दुखदायक है। जीवन के संघर्ष में आज वह सभी को छोड़कर चली गईं। झारखंड की मेहनतकश बेटियों की आदर्श थीं प्रतिमा जी। उनका निधन झारखंड ही नहीं, देश के हॉकी जगत के लिए भी अपूरणीय क्षति है। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की इस घड़ी में सहन करने की शक्ति दें।

गुमला के भरनो में युवक की हुई धारदार हथियार से हत्या

नवीन मेल संवाददाता

- **मृत युवक की मां बोली, किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी**

गुमला। भरनो थाना क्षेत्र के कुसुम्बाहा गांव में रविवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्रामीणों ने सड़क किनारे एक युवक का रक्तरंजित शव देखा। मृतक की पहचान 25 वर्षीय सोनू उरांव के रूप में हुई है, जिसकी बेरहमी से धारदार हथियार से हत्या कर शव को गांव के सेमरदोन मोड़ के पास फेंक दिया गया था। घटना की सूचना पर भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति, सब इंस्पेक्टर मंटू चौधरी और अर्जुन यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस फिलहाल हत्याकांड के कारणों की जांच हर एंगल से कर रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। जानकारी के अनुसार, मृत युवक की मां हीरा उरांइन ने पुलिस को बताया कि सोनू उरांव शनिवार रात लगभग 10:00 बजे एक शादी समारोह से घर आया और थोड़ी देर बाद फिर बाहर चला गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा और सुबह उसकी हत्या की खबर मिली। मां का कहना है कि सोनू का किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी। सोनू मूल रूप से खूंटी जिले के डोड़मा गांव का निवासी था, लेकिन बचपन से ही अपनी मां और बहन के साथ मामा के घर कुसुम्बाहा गांव में रह रहा था।

ग्रामवासियों के अनुसार सोनू मिलनसार और शांत स्वभाव का युवक था, जो मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। वह कुछ समय पहले ही दूसरे प्रदेश से लौटकर गांव आया था।

शेष पेज 11 पर

जोनल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य बने प्रफुल सिंह

रेल मंत्री ने मनोनयन की, जानकारी वीडी राम को पत्र से दी

नवीन मेल संवाददाता । मेदिनीनगर

हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत पिपरा निवासी प्रफुल कुमार सिंह को रेल मंत्रालय (भारत सरकार) के अंतर्गत पूर्व मध्य रेलवे की ज़ोनल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा किया गया है, जिसे रेलवे बोर्ड द्वारा जारी पत्र के माध्यम से औपचारिक रूप से अधिसूचित किया गया।

इस नियुक्ति को प्रफुल कुमार सिंह के लंबे सामाजिक, शैक्षणिक और पत्रकारिता जीवन में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। प्रफुल सिंह एक अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, पत्रकार और राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में वर्षों से सक्रिय हैं। वे दिल्ली में संपादक के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं और

घरेलू राजनीति व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर स्तंभ लेखन करते रहे हैं।

रेल मंत्री ने उनकी नियुक्ति की जानकारी पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम को भी पत्र भेजकर दी। सांसद ने प्रफुल सिंह को बधाई देते हुए आशा जताई कि वे पलामू संसदीय क्षेत्र के हित में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस नियुक्ति पर पिपरा, हरिहरगंज, हुसैनाबाद, हैदरनगर, मोहम्मदगंज सहित पलामू और गढ़वा जिले के लोगों ने हर्ष जताया है। प्रफुल सिंह ने बताया कि उनका लक्ष्य रेलवे और आम यात्रियों के बीच सेतु बनकर काम करना है। वे रेलवे मंडल की बैठकों में यात्रियों की समस्याएं प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान खासतौर पर स्टेशनों पर शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, यात्री शेड और महिला यात्रियों के लिए सैनिटरी पैड जैसी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर रहेगा।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

शौकिया या मजबूरी में डंकी रूट से पलायन रुके तो कैसे

हम अक्सर अवैध बांग्लादेशियों, पाकिस्तानियों को भारत से निकालते रहते हैं और येन केन प्रकारेण उनके भारत में प्रवेश का लंबा इतिहास है जो उनके देश की बदहाली और आतंक से जुड़ा है। हमारे पड़ोसी देशों की गलत नीतियों बहुत हद तक अलोकतांत्रिक सरकारों की कुव्यवस्था से वहां भुखमरी और कुपोषण के शिकार लोग कभी कसाब जैसे आतंकी तो कभी रोहिंग्या जैसे वोट बैंक के रूप में भारत में कैसे घुसते रहे हैं हमें उन कारणों और रास्तों को बंद करने के साथ उन्हें भारतीय पहचान पत्र मुहैया कराने से लेकर राजनीतिक संरक्षण देने वालों को कानून और बहिष्कार के माध्यम से जवाब देना पड़ेगा ताकि पूरी कौम को कटघरे में खड़े करने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके। वैसे पलायन मानव स्वभाव है जो मजबूरी के अलावा अन्य कारणों से होता है। झारखंड से सैकड़ों वर्षों से स्थायी और मौसमी पलायन का इतिहास है जिसके मूल में गरीबी के अलावा अच्छी जीवन शैली में जीने की ललक है।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

इसी प्रकार झारखंड, बिहार, बंगाल और यूपी जैसे राज्यों की जातीय, बाहुबली संस्कृति और भ्रष्टाचार के कारण उच्च शिक्षित युवा लगातार पलायन कर रहे हैं जिनकी संख्या लाखों में है और राज्य सरकारों की क्षेत्रीय राजनीति की प्राथमिकता आइटी, प्रबंधन, बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने की नहीं है जबकि पुणे, बैंगलुरु, गुरुग्राम, नोएडा, चेन्नई की वैश्विक पहचान और समृद्धि सामने है। इन शहरों में तेजी से अन्य लोगों को रोजगार मिल रहा है जो कैब चलाने से सत्कार उद्योग तक फैलता जा रहा है। इन शहरों में विदेशों जैसा अलग माहौल बन रहा है जाति धर्म वर्ग से ऊपर कार्यक्षमता सर्वोपरि वाले सिद्धांत से। हम अमेरिका द्वारा अपमानजनक निर्वासन से उद्वेलित तो हुए पर हमें जानना चाहिए क्यों हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं विदेशों में बस रही हैं? जॉन होपकिंस यूनिवर्सिटी की स्कॉलर एबी बुडिमैन और देवेश कपूर द्वारा फरवरी 2025 में पेश किए गए शोध पत्र में उल्लेख किया गया कि 'ट्रंप प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि उनके दूसरे कार्यकाल में नए लोगों के लिए अमेरिका के दरवाजे बंद रहेंगे। फिर भी, केवल दबाव-केंद्रित रणनीति समस्या का समाधान नहीं कर सकती, इसलिए अमेरिका और भारत को प्रतिबंधों और निर्वासन की घटनाओं से परे जाकर व्यापक समाधान

के लिए सहयोग करना चाहिए। अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में भारत आधारित ट्रैवल एजेंसियों के मालिकों, कार्यकारी और वरिष्ठ अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की, जिन पर जान-बूझकर अमेरिका में अनधिकृत प्रवासन कराने के आरोप हैं। फिलहाल इस बात की अब तक कोई विस्तृत जानकारी नहीं है कि इस कदम का कितने लोगों और कितनी ट्रैवल एजेंसियों पर असर पड़ेगा। साफ है, यह कदम ट्रंप प्रशासन की अवैध आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई का हिस्सा है, जिसमें निर्वासन में वृद्धि व कठोर सीमा नियंत्रण शामिल है। ये एजेंसियां, विशेषकर पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में ज्यादा सक्रिय हैं, जहां इच्छुक प्रवासियों को कानूनी तरीके से जाने का प्रलोभन देकर खतरनाक और अनधिकृत रास्तों के जरिये ले जाती हैं, जिसका परिणाम दुखद निर्वासन के रूप में आता है। इस साल की शुरुआत में, संभवतः उसके इतिहास में पहली बार, अमेरिका ने सैन्य विमानों से 300 से ज्यादा भारतीयों को निर्वासित कर भेजा और अन्य पचास से ज्यादा को पनामा पहुंचाया गया। इससे यही स्पष्ट संकेत मिलता है कि अवैध आप्रवासन को रोकने के लिए वाशिंगटन कोई ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से अवैध आप्रवासन का विरोध किया है। अमेरिका में कितने भारतीय पर्याप्त दस्तावेजों के बिना रह रहे हैं, इसका ठोस डाटा न होना सबसे बड़ी चुनौती है। प्यू रिसर्च सेंटर का अनुमान है कि वर्ष 2022 तक अमेरिका में सात लाख से ज्यादा भारतीय बिना पुख्ता दस्तावेजों के रह रहे थे, जो उन्हें मेक्सिको और अल सल्वाडोर वासियों के बाद तीसरा सबसे बड़ा समूह बनाता है। भारत और अमेरिका पहले ही ऐसे करीब 18 हजार भारतीय नागरिकों की पहचान कर चुके हैं, जो अमेरिका में बिना कानूनी मान्यता के रह रहे हैं। इस वर्ष फरवरी में पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में 1,200 से ज्यादा 'आप्रवासी फर्मों' पर छापा मारा था। इसके बावजूद लोगों की किसी भी तरह से 'अमरीका' जाने की चाहत बनी हुई है। पंजाब और गुजरात जैसे समृद्ध राज्यों से अवैध आप्रवासन के मामले इतनी प्रमुखता से क्यों आते हैं? इसका जवाब प्रवास को प्रेरित करने वाली सामाजिक-आर्थिक गतिशीलता में निहित है। इन राज्यों से अवैध आप्रवासन के मूल में गरीबी नहीं, बल्कि 'सापेक्ष वंचन' है यानी विदेश, विशेषकर अमेरिका में पहले से ही बस चुके रिश्तेदारों या समुदाय के सदस्यों की सफलता का अनुकरण करने की भावना का होना है। पंजाबी सिख और गुजराती पटेल प्रवासियों ने वहां मोटल और रेस्तरां जैसे समृद्ध जातीय व्यवसाय स्थापित किए हैं, जिससे महत्वाकांक्षी प्रवासियों के लिए एक शक्तिशाली आकर्षण पैदा हुआ है। विदेश में परिवार का होना एक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है, जो परिवारों को इन जोखिम भरे उपक्रमों में अक्सर प्रति व्यक्ति 25 से 70 लाख रुपये तक के भारी निवेश के लिए प्रोत्साहित करता है। इतनी भारी लागत में गरीब शामिल नहीं हैं, इसी वजह से भारत के गरीब राज्यों से सामान्यतः कम अवैध प्रवास होता है। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब की भगवंत मान सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि डंकी रूट से अमेरिका पलायन रोकने के लिए हर जिले में इमिग्रेशन चेक पोस्ट लगाए और नकली ट्रैवल एजेंसी पर कार्रवाई करे।

पाकिस्तान के साथ बात पीओके की वापसी पर हो : अभिषेक बनर्जी

एजेंसी

- **टीएमसी नेता ने कुआलालंपुर में भारतीय प्रवासियों से कहा**
- **मलेशिया गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य हैं अभिषेक**

कुआलालंपुर। मलेशिया की यात्रा पर गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने पर होनी चाहिए। कुआलालंपुर में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत में बनर्जी ने कहा, विभिन्न सरकारों के बदलने के बावजूद हम दशकों से उनके (पाकिस्तान के) साथ बातचीत कर रहे हैं। लेकिन, एक चीज बरकरार है- पाकिस्तान के साथ गतिरोध। जदयू के राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल बनर्जी ने कहा, 22 अप्रैल को जो कुछ हुआ, जिसमें 26 लोगों की सिर्फ उनके धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी गई, मैं चाहता हूं कि सरकार पाकिस्तान के साथ सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने के मुद्दे पर बातचीत करे। अन्यथा, ये आतंकवादी हमले जारी रहेंगे।

भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके पर ही होगी। प्रवासी समुदाय के साथ बातचीत के दौरान, झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख से अवगत कराया। सदस्यों ने प्रतिभागियों को दशकों से भारत को प्रभावित करने वाले सीमा पार आतंकवाद, विशेष रूप से पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण

शेष पेज 11 पर

शिल्पी नेहा ने रेखा तिर्की को उच्च शिक्षा के लिए दिया एक लाख का चेक, कहा

कड़ी मेहनत और अनुशासन से ही सफलता को हासिल किया जा सकता है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रदेश की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रविवार को झारखंड अधिविध परिषद (जैक) 12वीं की परीक्षा के कॉमर्स संकाय में राज्य भर में छठा स्थान पाने वाली रेखा तिर्की से मुलाकात की। मांडर के मेसाल स्थित रेखा तिर्की के पिता महादेव उरांव के आवास पर पहुंच कर मंत्री ने रेखा को सम्मानित किया। मंत्री ने रेखा तिर्की की मां सीता उरांव के नाम एक लाख रुपये का चेक भी दिया। ये राशि रेखा की उच्च शिक्षा में आर्थिक बाधा को दूर करने में मददगार साबित होगी। मंत्री को अपने आवास और परिवार के बीच पाकर महादेव उरांव का परिवार काफी खुश दिखा।

मंत्री ने इस मौके पर कहा कि कड़ी मेहनत , अनुशासन और अपनेलक्ष्य को पाने के प्रति समर्पण से सफलता को हासिल किया जा सकता है। आज रेखा तिर्की ने अभाव को मात देकर अपने लक्ष्य को भेदने में सफलता पाई है। माता-पिता ने दिहाड़ी मजदूरी कर रेखा के सपनों को साकार करने में एक जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभायी है।

उन्होंने कहा कि रेखा ने पूरे आदिवासी समाज को गौरवान्वित किया है। रेखा ने उस राजनीतिक उद्देश्य की भी पूर्ति कर दी जिसमें हम हर मंच से ये कहते है कि आदिवासी समाज तभी आगे बढ़ेगा, जब वो पढ़ेगा और लिखेगा। मांडर की बेटी ने ये कर दिखाया है। रेखा ने आने वाली पीढ़ी के लिए ये साबित कर दिया है कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो अगर मन में लगन और इच्छा शक्ति हो , तो सफलता जरूर कदम चूमेगी।

मंत्री ने कहा है कि रेखा के उज्ज्वल भविष्य के लिए करियर काउंसलिंग की जरूरत होगी। रेखा की उच्च शिक्षा के लिए हर संभव मदद की जाएगी। वो अपने जीवन में बड़ा अफसर बने उसके इस सपने को साकार करने में सहयोग करेंगे।

इस मौके पर रेखा तिर्की ने कहा कि पहले तो कई बार माता-पिता से शिक्षा के लिए पैसा मांगने में बहुत खराब लगता था। अब जबकि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के जरिये एक लाख का सहयोग किया गया है तो ये मेरे लिए बहुत मददगार साबित होगा। रेखा ने बताया कि वो भविष्य में अकाउंट्स ऑनर्स की शिक्षा ग्रहण करना चाहती है।

विधायक जयराम को जेड श्रेणी की सुरक्षा की मांग

रांची। डुमरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के अध्यक्ष जयराम कुमार महतो को जेड श्रेणी की सुरक्षा दिए जाने की मांग तेजी से जोर पकड़ रही है। इस मांग को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिला और उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विधायक को जेड श्रेणी की सुरक्षा की मांग की गई है। पार्टी के केंद्रीय सचिव राजदेश रतन ने जानकारी दी कि विधायक जयराम महतो के साथ हाल के दिनों में कई आपत्तिजनक और संदिग्ध घटनाएं घट चुकी हैं। जिनसे उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन पर इन घटनाओं को देखते हुए पार्टी ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों से हस्तक्षेप की अपील की है। राजदेश रतन ने कहा कि 'विधायक जयराम महतो जनता के मुद्दों को निर्भीकता से उठाते रहे हैं, चाहे वह भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज हो या आदिवासी, किसान और मजदूरों के अधिकार की बात।

झारखंड में महिला सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक : राफिया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक और भयावह होती जा रही है। हाल ही में गुमला की एक आदिवासी किशोरी के साथ राजधानी रांची में जो घटना हुई, वह मानवता को शर्मसार करने वाली है। एक मासूम को दिनदहाड़े बहला-फुसलाकर अगवा किया गया, फिर जंगल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। यह कोई अकेली घटना नहीं है यह उस व्यवस्था का नमूना है जो राज्य की बहन-बेटियों को सुरक्षा देने में पूरी तरह असफल हो चुकी है। उक्त बातें भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने कही। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाएं आज भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। झारखंड सरकार की नीतियां और घोषणाएं केवल दिखावे की रह गई हैं। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना जैसी योजनाएं सिर्फ पोस्टर और बैनर तक सीमित हैं। जमीनी हकीकत यह है कि महिलाएं न तो सुरक्षित हैं, न ही उन्हें न्याय की कोई गारंटी है। राफिया ने कहा महिला आयोग का न होना सबसे बड़ा सवाल है। झारखंड राज्य महिला आयोग सितंबर 2020 से निष्क्रिय है। पिछले चार वर्षों से राज्य में महिला आयोग का कोई अध्यक्ष नहीं है, न ही कोई सदस्य। जब एक संवैधानिक संस्था जो महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए बनाई गई हो, वह खुद निष्क्रिय हो तो सरकार की प्राथमिकताएँ स्पष्ट हो जाती हैं। वर्तमान में महिला आयोग में 3,137 से अधिक मामले लंबित हैं। हजारों पीड़िताएं दर-दर भटक रही हैं लेकिन सुनवाई का कोई मंच ही मौजूद नहीं है।

रातू रोड फ्लाइओवर के नीचे लगे साइन बोर्ड की विसंगतियों को दूर करने की मांग

● सुखदेव नगर का साइन बोर्ड कहीं नहीं है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रातू रोड फ्लाइओवर के नीचे बने साइन बोर्ड में गली व मोहल्ले के नामों में विसंगतियां हैं। इसको लेकर रविवार को रांची शहर नागरिक मंच ने पिस्का मोड़ स्थित विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में बैठक की। अध्यक्षता समाजसेवी शैलेश्वर दयाल सिंह ने की। उन्होंने कहा कि पिस्का मोड़ के सामने वाली गली को दयाल नगर लेन के बजाय मनेर गली लिखा गया है, जो गलत है। लोगों ने इसमें सुधार की मांग की। संदीप कुंवर एवं नवीन कुमार वर्मा ने बताया कि सुखदेव नगर मोहल्ला का साइन बोर्ड कहीं नहीं लगा हुआ है। सत्यप्रकाश मिश्र ने कहा कि गया प्रसाद चौधरी के नाम से जो गली है, उसे फिर से मेट्रो गली नाम दे दिया गया है। मंच के अध्यक्ष अमृतेश पाठक ने कहा कि यह कोई बहुत गंभीर या विवाद का विषय नहीं है। सिर्फ त्रुटियों को सुधार करने की जरूरत है। इसको लेकर सोमवार को रांची के सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह और रांची के उपायुक्त तथा नगर निगम को एक सुझाव पत्र दिया जायेगा। बैठक में मनमोहन पांडेय, नंदकिशोर चंदेल, सत्यप्रकाश मिश्र, किशोर महापात्रा, संदीप कुंवर, रणजीत यादव, राजीव राज, नवीन कुमार वर्मा, सुमन उरांव, नीतू सिंह, रवि मेहता, सीमा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

अत्यंत पिछड़ों के अधिकार के लिए संकल्प यात्रा निकालेंगे

रांची। अत्यंत पिछड़ा वर्ग चेतना मंच की बैठक में सर्वसम्मति से राजकुमार राज को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। राज ने कहा कि झारखंड में बिहार की तरह अत्यंत पिछड़ों की संपूर्ण भागीदारी की व्यवस्था होनी चाहिए। बिहार के सभी दलों में अत्यंत पिछड़ों को महत्व दिया जा रहा है। लेकिन, झारखंड में अत्यंत पिछड़ों के राजनीतिक कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है। मंच इस मांग को लेकर आंदोलन के साथ भविष्य में एक विराट रैली निकालेगा। झारखंड में सामाजिक परिवर्तन के व्यापक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्यव्यापी कर्पूरी संकल्प यात्रा निकाली जाएगी।

चाय पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए रक्षा राज्य मंत्री

वन नेशन-वन इलेक्शन पर लोगों से किया विमर्श

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को मोरहाबादी स्थित संकल्प शुक्ला पार्क और ऑक्सीजन पार्क में मॉर्निंग वॉक के साथ चाय पर चर्चा की। उन्होंने खुद भी चाय पी और वहां मौजूद स्थानीय लोगों को भी चाय पिलवायी। इस दौरान प्रमुख रूप से वन नेशन-वन इलेक्शन पर प्रबुद्धजनों के साथ संवाद हुआ। इस संवाद में रक्षा राज्य मंत्री ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लागू होने से देश में होने वाले लाभ से प्रबुद्धजनों को अवगत कराया। प्रबुद्धजनों ने रक्षा राज्य मंत्री के समक्ष इस व्यवस्था के लागू होने को लेकर अपनी सहमति जताई।

संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश कई बड़े सुधारों का गवाह बन रहा है। उसमें एक सुधार चुनावी व्यवस्था को लेकर भी है। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन एक ऐसा प्रस्ताव है, जिसमें भारत में सभी चुनाव, चाहे वह लोकसभा के लिए हों या राज्य विधानसभाओं के लिए, एक ही समय पर करवाये जाएंगे। एक ही समय पर चुनाव होने से खर्च में कमी आ आएगी। उस धन का उपयोग विकास कार्यों में हो सकेगा। सरकारी कामकाज में बार-बार चुनावों के कारण होने वाले व्यवधान कम हो सकेंगे। सरकारें बिना चुनावी दबाव के लंबी अवधि के लिए नीतियां बना सकेंगी। यह समाज और राष्ट्र के हित में लिया जाने वाला कदम है।

शहीद विश्वनाथ शाहदेव को दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। देशव्यापी कार्यक्रम की कड़ी में अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव चौक सेक्टर तीन गोलचक्कर एचईसी, धुर्वा रांची स्थित प्रतिमा स्थल पर देश के आजादी के अमर शहीदों और सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह आयोजन अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को किया गया। इस अवसर पर अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के उतराधिकारी वंशज और झारखंड सेनानी कोष, गृह मंत्रालय के सदस्य लाल प्रवीर नाथ शाहदेव ने कहा कि भारत सरकार के आपरेशन सिन्दूर की सफलता मनोबल को ऊंचा करने वाला है। उन्होंने कहा कि अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव चौक सेक्टर तीन गोलचक्कर, एचईसी पार्क के गेट को आपसी सहयोग से एक जुलाई तक निर्माण करा दिया जाएगा।

मौके पर उन्होंने बताया कि पप्पू चक्रवर्ती की ओर से गेट के निर्माण के लिए संबंधित व्यक्ति को आदेश दे दिया गया है। अगला कार्यक्रम एक जुलाई को इसी स्थल पर किया जाएगा और श्रमदान के तहत पार्क को सुंदर बनाया जाएगा। इसी कड़ी में गुमला के तेलंगा खड़िया के गांव नागफेणी घाघरा में भी तेलंगा खड़िया के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर रवी दत्त, पप्पु चक्रवर्ती,सजल बनर्जी, राजेश कुमार, शहीद अहमद,जिकरनल्ला अंसारी सुरेश कुमार राहुल कुमार,अजय नायक,गणेश प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।

संजय सेठ ने किया योजनाओं का शिलान्यास, कहा

विकास मेरी पहली प्राथमिकता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को हेहल तालाब के सुंदरीकरण का शिलान्यास किया । इस तालाब का सुंदरीकरण सीएसआर के मध्य से किया जाना है। कुल 30 लाख की लागत से इस तालाब का सुंदरीकरण होना है। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा हेहल तालाब के सुंदरीकरण हो जाने से यहां के लोगों को छठ में काफी सुविधा मिलेगी। सुबह में यहां के लोगों को मॉर्निंग वॉक की भी सुविधा प्राप्त होगी जो बूढ़े-बुजुर्ग लोग हैं यहां पर आसानी से सुबह में मॉर्निंग वॉक कर सकेंगे। विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। प्राथमिकता के आधार पर सारे क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से हम सभी विकास के कार्यों को गति देने में लगे हैं। वहीं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने सांसद मद से पाबा टोली में 14 लाख की लागत से पीसीसी पथ का शिलान्यास किया। इस पथ का निर्माण सांसद कोष से किया गया है। इसके निर्माण से यहां पर निवास करने वाले लोगों को जो कठिनाई होती थी उससे अब मुक्ति मिलेगी। इस रोड के निर्माण पर यहां के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया और संसद को धन्यवाद किया। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह, मंडल के अध्यक्ष सूबेश पांडे, सुधीर सिंह, अशोक यादव पूर्व पार्षद, बंदी उरांव, सुभाष सिंह, सतीश सिंह,अशोक मुंडा,रंजन सिंह, विजय यादव,अरुण साहू, सोना लाल महतो, एतवा उरांव, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित थे।

झारखंड सचिवालय सेवा संघ के नए अध्यक्ष बने रितेश कुमार

रांची। झारखंड सचिवालय सेवा संघ के नए अध्यक्ष रितेश कुमार बने हैं। उन्हें कुल 261 वोट मिले। रितेश कुमार ने मुख्य प्रतिद्वंद्वी विवेक आनंद बास्के (कुल मत 246) को 15 वोटों के अंतर से हराया है। रितेश कुमार वर्तमान में गृह विभाग में प्रशाखा पदाधिकारी हैं। महासचिव पद पर राजेश कुमार सिंह निर्वाचित हुए हैं। उन्हें कुल 343 वोट मिले। वे वर्तमान में विधि विभाग में प्रशाखा पदाधिकारी हैं। उन्होंने अपने निकटतम मुख्य प्रतिद्वंद्वी अमित कुमार (कुल वोट 332 वोट मिले) को 11 वोटों से हराया। इससे पहले हटिया के सिंह मोड़ स्थित पशुपालन भवन में रविवार को सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक मतदान हुआ। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, संगठन सचिव, कोषाध्यक्ष पदों पर कुल 33 उम्मीवार मैदान में थे। संघ के कुल 882 मतदाताओं ने नए उम्मीदवारों का चयन किया। इसमें अध्यक्ष - रितेश कुमार, महासचिव - राजेश कुमार, उपाध्यक्ष - प्रदीप कुमार पासवान, धर्मेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, शशिकांत गोप, अनिल सरदार, सचिव - चंद्रदीप एक्का, धर्मवीर कुमार, संयुक्त सचिव - सोनी कुमारी, अमिता लकड़ा, पप्पू कुमार, आनंद कुमार, हेम नारायण सिंह, संगठन सचिव - अष्टमी बानरा, विनोद कुमार नायक, बैद्यनाथ मुर्मू, रजनीश कुमार शुक्ला, रविन्द्र प्रसाद बरनवाल,कोषाध्यक्ष अवध किशोर भगत शामिल हैं।

आदिवासियों पर गोलियां चलवानेवाले बाबूलाल मांगें माफी : सुप्रियो भट्टाचार्य

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी का आदिवासियों से प्रेम महज छलावा है।

उन्होंने कहा कि प्रथम मुख्यमंत्री रहते बाबूलाल मरांडी ने अपने कार्यकाल में कोयलकारो परियोजना और नेतरहाट के फील्ड फायर रेंज के विरोध में उतरे आदिवासियो पर गोलियां चलवाई। वहीं विपक्ष में रहने पर वे आदिवासियों की जमीन नहीं लुटने देने की खोखली बातें करते हैं।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने यह बातें रविवार को पार्टी के हरमू स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि एकीकृत बिहार में झारखंड आंदोलन में पलीता लगाने काम बाबूलाल मरांडी ने किया था। उनके प्रयास से ही झारखंड में बिहार राज्य सरकार कार्यान्वयन नियमावली को आत्मसात किया गया था। उस समय झामुमो के नेता स्टीफ़न मरांडी विपक्ष के नेता हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में 104 एमओयू साइन हुए थे। उस समय वे शोषण का प्रतिनिधित्व करते थे।

बाबूलाल मरांडी रिम्स टू का निर्माण नहीं होने देना चाहते हैं, जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को स्वास्थ्य को सुधारने को कहा था। इन्हें इनके नेता ही नहीं पूछ रहे हैं। इसलिए खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचेवाली बात चरितार्थ होती है।

सुप्रियो ने कहा कि बाबूलाल तपकरा और नेतरहाट फील्ड फायर रेंज के लिए कब राज्यवासियों से माफी मांगेंगे।

आंदोलनकारी के रूप में आलोक दुबे और डॉ राजेश हुए सम्मानित

रांची। झारखंड की अस्मिता, संघर्ष और स्वाभिमान की पहचान रहे झारखंड आंदोलनकारियों को एक बार फिर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में आयोजित समारोह में रविवार को विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने झारखंड आंदोलनकारी कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे औरई डॉ राजेश गुप्ता को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थिति लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से दोनों आंदोलनकारियों का अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि झारखंड के अलग राज्य की लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले आलोक कुमार दूबे और डॉ राजेश गुप्ता ने आंदोलन के दौरान कई बार लाठियां खाईं, गिरफ्तारी दी और जेल यात्रा भी की। वे सर्वदलीय अलग राज्य निर्माण समिति के गठन में एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में सक्रिय रहे। आंदोलन के उस कठिन दौर की यादें साझा करते हुए आलोक दूबे ने कहा की यह सम्मान न केवल मेरे लिए है, बल्कि उन हजारों साथियों के संघर्ष का प्रतीक है जिन्होंने झारखंड के सपने को साकार करने के लिए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण समर्पित कर दिया।

व्यंग्य आलेख की पुस्तक 'हंसगुल्ले तीखे हैं' का हुआ विमोचन

पुस्तक का रोचक नाम ही पढ़ने को मजबूर कर दिया : सरयू राय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य की राजधानी राँची में आयोजित व्यंग्य आलेख की पुस्तक 'हंसगुल्ले तीखे हैं!' का विमोचन हुआ। साहित्य के क्षेत्र के दिग्गज हस्ताक्षरों के साथ जदयू के विधायक सरयू राय ने पुस्तक का लोकार्पण किया। सरयू राय ने कहा कि इस पुस्तक को हाथ में लेने के बाद ही इसके रोचक नाम और कलेवर ने फिर 10 सालों बाद मुझे पढ़ने को मजबूर कर दिया। इसी से समझा जा सकता है कि यह पुस्तक कितनी रोचक है। झारखंड के जानेमाने व्यंग्यकार पूर्व हिंदी प्राध्यापक डॉ अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि पुस्तक की लेखिका डॉ आकांक्षा चौधरी से आस बँधी है कि व्यंग्य में और अच्छी रचनाएँ आने वाले समय में हिंदी साहित्य को मिलेंगी। मैथिली साहित्य में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त सियाराम झा सरस जी ने पुस्तक और लेखन के दमदार और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुतीकरण की चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि हास्य के नाम पर जो कुछ भौंडी कृतियाँ होती हैं, उसमें और तीखे सटीक कटाक्ष में जो फर्क होता है, वह इस पुस्तक में है। अनिता रश्मि जी ने कहा कि डॉ आकांक्षा चौधरी आने वाले दिनों में हिंदी साहित्य जगत की व्यंग्य विधा की नई हस्ताक्षर होने वाली हैं। जितना उनके लिखने का तरीक़ा स्पष्ट है, उतना ही बेबाक़ उनका व्यंग्य है। लेखिका डॉ आकांक्षा चौधरी ने बताया कि पद्मश्री डॉ उषाकिरण खाँ जी ने उन्हें प्रेरणा दी थी कि कटाक्ष और व्यंग्य की तीव्रता से समाज का भेदन किया जाए और समाज को नई दिशा देने की चेष्टा की जाए, तभी आपके शिक्षित होने का फ़ायदा है। शिक्षित व्यक्ति का यह कर्तव्य बनता है कि वह अपने समाज को सशक्त बनाने में अपना योगदान दे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह पुस्तक तैयार की गई है। समारोह का संचालन श्री राजीव थेपड़ा जी ने किया। उन्होंने पुस्तक की आद्योपांत समीक्षा भी लेखिका को भेंट की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ करुणा झा (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ अनिल कुमार (पूर्व डायरेक्टर मेकॉन व मनोचिकित्सक) डॉ संदीप अग्रवाल (सर्जन रिम्स) डॉ ओमप्रकाश (मैक्जिलोफेशियल सर्जन) डॉ साक्षी, डॉ अनंत ज्योति उपस्थित थे। डॉ धर्मवीर सिंह ने श्री सरयू राय को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

मिल्क वैन ने चार को मारी टक्कर, एक की मौत

रांची। राजधानी के नामकुम थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। जहां एक मिल्क वैन ने कार को टक्कर मारी, जिससे हादसे में कार चालक की मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर इसका विरोध किया। घटना की सूचना मिलते ही नामकुम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने मिल्क वैन को जब्त कर लिया और चालक की गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म पुलिस कर रही जांच

रांची। राजधानी रांची में रविवार को एक आदिवासी किशोरी को अगवा कर बेड़ो इटकी जंगल में ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। इस वारदात को दो अज्ञात अपराधियों ने अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी रातु थाना क्षेत्र में पीड़िता को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रांची में कार्यक्रम, सेलिब्रिटी से अपील

पैसे के लिए न करें तंबाकू उत्पादों का प्रचार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रविवार को दुनिया भर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। किसी भी रूप में तंबाकू सेवन से होनेवाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करने और तंबाकू छोड़ने के प्रति लोगों को कदम बढ़ाने का आह्वान किया गया।

इसी कड़ी में झारखंड में स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्यस्तरीय कार्यक्रम रांची सदर अस्पताल के ऑडोटोरियम में हुआ। जिसमें चिकित्सकों, समाजसेवियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में वक्तताओं ने तंबाकू सेवन से होनेवाली हानियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि न सिर्फ राज्य और भारत बल्कि पूरी दुनिया में होनेवाली मौतों में बड़ा कारण तंबाकू सेवन से होनेवाली बीमारियां हैं।

इस कार्यशाला में वक्तताओं ने कहा कि देश के सेलिब्रेटी से उनका आग्रह है कि वह तंबाकू-सिगरेट या गुटखा का प्रचार न करें क्योंकि हमारी युवा पीढ़ी आपको रोल मॉडल समझती है। हमें अपनी नई पीढ़ी को इस योग्य बनाना है कि वह अपना अच्छा बुरा समझ सकें। जब एक बार उनकी समझ में आ जाएगा कि तंबाकू की लत खराब है तो वह कभी नशा या तंबाकू सेवन नहीं करेगा।

इस कार्यक्रम में रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, एनसीडी और टोबैको कंट्रोल की जिला नोडल अधिकारी डॉ सीमा गुप्ता, एनसीडी के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ बीके सिंह ने अपनी बात रखी।

बीमार जगन्नाथ प्रभु का इलाज कैसे होता है?

27 जून से 5 जुलाई तक चलेगा बडकागढ़ का जगन्नाथपुर मेला

नवीन मेल संवाददाता। रांची। पूरे भारत में जगन्नाथ पूजा कि तैयारियां शुरू हो चुकी है। झारखंड की राजधानी में भी जगन्नाथ मंदिर का इतिहास लगभग 300 साल पुराना है, जिसका निर्माण बड़कागढ़ के राजा ठाकुर एनीनाथ शाहदेव ने 1691 में करवाया था। यह मंदिर भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा को समर्पित है, जिन्हें विष्णु का अवतार माना जाता है। मंदिर एक छोटी पहाड़ी के ऊपर स्थित है और भगवान जगन्नाथ को समर्पित है। जहां प्रतिवर्ष रथ मेला पर हजारों कि संख्या में श्रद्धालु आते हैं। पूजा व यहां की मान्यताओं और विधि के बारे में पुजारी कौस्तुभ मिश्रा ने कई बाते बताई।

जगन्नाथ मंदिर का इतिहास

रांची के जगन्नाथ मंदिर का निर्माण 17वीं शताब्दी में नागवंशी राजा ने कराया था। भगवान जगन्नाथ को विष्णु का अवतार माना गया है। इस मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भैया बलराम के साथ विराजमान हैं। जगन्नाथपुर मंदिर के पुजारी कौस्तुभ मिश्रा के बताया कि 1691 में बड़कागढ़ में नागवंशी राजा ठाकुर एनीनाथ शाहदेव ने रांची में धुर्वा के पास भगवान जगन्नाथ मंदिर का निर्माण कराया था। जगन्नाथ मंदिर में कई प्रकार के नवीनीकरण व विस्तार हुए हैं, जिसकी वजह से यह अब और भव्य हो गया है।

नेत्र दान से पहले भगवान जगन्नाथ का होता है 108 स्नान

जगन्नाथ पूजा के लिए राजधानी वासी काफी उत्साहित है। पूजा से 15 दिन पहले की प्रक्रिया से लेकर भगवान के मुख्य मंदिर तक लौटने कि प्रक्रिया का इंतजार बेसब्री से सबको रहता है। इस वर्ष रथ मेला 27 जून से शुरू होगा जिसका समापन 5 जुलाई को होगा। पुजारी कौस्तुभ मिश्रा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ का सबसे पहले 108 स्नान पुजारियों के द्वारा किया जाता है। जिसमे 108 छिद्र वाले मिट्टी के घड़े में 108 मिट्टी के बर्तनों से पानी डाल कर स्नान करवाया जाता है। पुजारियों के स्नान के बाद भक्त भी भगवान जगन्नाथ का स्नान करवाते हैं जिस कारण भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं। जिसके बाद भगवान 15 दिनों के लिए एकांतवास में चले जाते हैं जहां उनका उपचार चलता है। इसी दौरान भगवान का रंग रोगन किया जाता है और नेत्र का हिस्सा छोड़ दिया जाता है। 15 दिनों के बाद आषाढ़ प्रतिपदा को भगवान का पुजारियों के द्वारा नेत्र दान कर उनकी पूजा कि जाती है। नेत्र दान वाले दिन श्रद्धालुओं भी 15 दिनों के बाद भगवान के दर्शन कर पाते हैं। पुजारी ने बताया कि देशयामी एकादशी को भगवान, बहन सुभद्रा और भाई बलराम मुख्य मंदिर जाते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य मंदिर जाने के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि के शाम को भगवान को खिचड़ी, खीर और सब्जी का भोग लगाया जाता है। पुजारी के अनुसार मौसीबाड़ी जाने से पहले यह भोग शाम में लगाया जाता हैञ बाकी भगवान को हमेशा भोग दिन के वक्त ही लगाया जाता है।

घूरती रथ का क्या है अर्थ

पुजारी कौस्तुभ मिश्रा ने बताया कि गुन्दिचा महारानी ने भगवान से वरदान मांगा था कि उन्हें भी सेवा का भगवान मौका दें। गुन्दिचा महारानी ने भगवान को अपने घर पर आमंत्रित किया था। इसके बाद भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भाई बलराम के साथ वह मौसीबाड़ी जाते हैं। वहीं घूरती रथ के बारे में बताते हुए पुजारी कौस्तुभ मिश्रा ने कहा कि जब वे 9 दिनों के बाद मौसीबाड़ी से मुख्य मंदिर जाते हैं तो वहां माता लक्ष्मी नाराज रहती हैं और देवी सुभद्रा और भाई बलराम को मंदिर में प्रवेश करने देती हैं मगर भगवान जगन्नाथ को नहीं। दरअसल भगवान जगन्नाथ मां लक्ष्मी को मौसीबाड़ी लेकर नहीं जाते हैं। इसी बात कि नाराजगी मां लक्ष्मी को होती है। वहीं, मान मन्व्वल के बाद भगवान जगन्नाथ को मंदिर के भीतर मां लक्ष्मी आने देती हैं।

रोटरी क्लब रांची वेस्ट का गठन

सबसे पुराना एनजीओ रोटरी लेता नहीं देता है : मोदी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन राजीव मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे पुराना एनजीओ रोटरी क्लब कभी पांच लोगों द्वारा समाज सेवा और आपसी सहयोग के लिए शुरू हुआ था जो आज लगभग 15 लाख सदस्यों की उदारता और सहयोग से पोलियो उन्मूलन से लेकर कोविड और जीवन रक्षक टीकाकरण तक के लिए काम कर रहा है और यह पब्लिक से कुछ लेता नहीं बल्कि देता है । श्री मोदी राजधानी रांची के पंडरा स्थित अशोक वाटिका में 23 सदस्यीय रोटरी क्लब के रांची वेस्ट शाखा के गठन के अवसर पर बोल रहे थे । व्यवसाय जगत से जुड़े विभूति शरण को अध्यक्ष,पंकज कुमार को सचिव और प्रणय कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया । रोटेरियन सुनील बादल ने पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया । स्पांसर रोटरी क्लब गुमला के पीपी रोटेरियन अशोक कुमार साह सहित क्लब के सभी 23 सदस्यों ने समाज के लिए हर संभव योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया । श्री साह जो प्रतिवर्ष हजार डॉलर का योगदान देते रहे हैं ने कहा कि वे 50 बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर का निशुल्क टीका दिलवाएंगे। मौके पर अभिषेक कुमार, सौरभ, चन्दन कुमार,अजय कुमार, तारकेश्वर, शैलेश ,सुनील कुमार, संतोष जायसवाल,नारायण अग्रवाल, रामचंद्र, जीवंत कुमार, ओम प्रकाश गुप्ता और यश शरण रोटरी क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे ।

शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए सूची जारी करना सिर्फ दिखावा : संघ

रांची। रांची जिला में प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय में कार्यरत स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों को ग्रेड-4 में स्नातक प्रशिक्षित पद पर प्रोन्नति देने के लिए एक बार और औपबंधिक वरीयता सूची जारी करने पर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने निराशा जाहिर की है। संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि ग्रेड-4 में प्रोन्नति देने के लिए दिसंबर 2024 से प्रक्रिया चल रही है। कई बार संशोधन के लिए सूची जारी की गई है। शनिवार को एक सूची जारी की गई है। यह सिर्फ दिखावा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कब तक प्रोन्नति दी जाएगी या सूची ही जारी होती रहेगी। प्रोन्नति देने को लेकर शिक्षक आशा भरी निगाह से देख रहे हैं। इस मामले में सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रोन्नति को उलझाकर रखा गया है, क्योंकि प्रोन्नति देने के लिए सात माह से जोड़ घटाव चल रहा है।

चिन्मय मिशन में 2 दिवसीय बाल विहार शिविर का हुआ सफल आयोजन

स्वामी परिपूर्णांद जी ने बच्चों को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का पढ़ाया पाठ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

चिन्मय मिशन द्वारा आयोजित 2 दिवसीय बाल विहार शिविर का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इसमें 82 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात आध्यात्मिक वातावरण में 'ॐ' ध्वनि, शांति पाठ, सरस्वती वंदना, गायत्री मंत्र, गणेश मंत्र, गुरु श्लोकम्, गीता पाठ तथा भजन "अधरं मधुरं" का गायन किया गया।

आचार्य पूज्य स्वामी परिपूर्णांदजी के प्रेरणादायक संबोधन ने बच्चों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों का संचार किया। इसके पश्चात बच्चों को बाल विहार का थीम गीत – 'तरुण वीर देश के' सिखाया गया।

बच्चों को योग, नाड़ी शुद्धि, सेल्फ डिफेंस, डांस, मजेदार खेल, फन एक्टिविटी, मिट्टी कला, गिफ्ट रैपिंग, फोटो फ्रेम बनाना, तथा पेपर बुक्के निर्माण जैसी रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला।

बच्चों को टेबल मैनर्स और सोशल एटिकेट्स की शिक्षा भी दी गई ताकि वे व्यवहारिक जीवन में शिष्टाचार अपना सकें। प्रतिदिन स्नैक्स और स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी।

एक विशेष ग्रुप एक्टिविटी में टीमों को गुब्बारों से सबसे ऊंचा खड़ा टावर बनाना था, जिसमें दो विजेता टीमों के बच्चों को "लाइफ-साइज़ सांप-सीढ़ी" खेल खेलने का मौका मिला, जहाँ बच्चे ही प्यादे बने।

शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि आशीष (मीनू) मोदी एवं स्वामी जी द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया एवं सभी स्वयंसेविकाओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। बच्चों और अभिभावकों ने इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उद्घाटन सत्र का संचालन शिविर संयोजिका अनुप्रिया सरायका एवं समापन समारोह का संचालन शिविर सह संयोजिका स्वाति अग्रवाल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 15 से अधिक स्वयंसेविकाओं एवं प्रशिक्षकों का सहयोग रहा। मौके पर ट्रस्टीज एवं मिशन के सदस्य उपस्थित थे ।

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

नवीन मेल सांवददाता। रांची

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 209 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा महाप्रसाद श्री कृष्ण प्रणामी संस्था के सदस्यों के सौजन्य से किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित 2500 से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आज के महाप्रसाद में छोला, भटूरा, जीरा राइस, केसरिया जलेबी,आलू चाप, मैगी, चिप्स,और जलजीरा जूस आदि का वितरण किया गया। सभी श्रद्धालुओं के बीच बोतल बंद जलजीरा जूस प्रसाद का वितरण सावित्री मोढा के सौजन्य से किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों एवं उपस्थित महिलाओं ने मनमोहक सुमधुर भजनों की अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय बन गया वहीं सामूहिक रूप से महाआरती की गई। उक्त जानकारी ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने दी। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल छावनिका,अरविंद अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, अंजनी अग्रवाल,विष्णु सोनी,सुरेश अग्रवाल, विशाल जालान, पवन पोद्दार, संजय सर्राफ,सुनील पोद्दार, शिव भगवान अग्रवाल, मधु जाजोदिया, संतोष देवी अग्रवाल,चंद्रदीप साहू, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आज / कल

एक्वा वर्ल्ड में राजस्थानी संडे का आयोजन

घूमर पर नृत्य की रही धूम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

एक्वा वर्ल्ड, मछली घर में आयोजित आज का कार्यक्रम राजस्थान की समृद्ध कला और संस्कृति को समर्पित रहा। सारे कार्यक्रम राजस्थानी थीम पर आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत में विपुल नायक के दीपांजलि डांस ग्रुप के द्वारा 'नगाड़ा संग ढोल बाजे' गीत पर नृत्य पेश किया गया। इसके बाद बारी घूमर डांस हुआ जिसके कोरियोग्राफर देवज्योति नाहा थे। इसके अतिरिक्त विभिन्न ग्रुपों ने पधारो मारे देश, केसरिया बालम, गोरबंद, सावन की आदि गीतों पर जमकर नृत्य किया। बच्चों और बड़ों ने पारंपरिक राजस्थानी परिधान पर रैंप वॉक भी किया। रैंप वॉक करने वालों में अक्षानी, प्रिशा श्री, नीवा, शानविका, पीयूषा, समृद्धि, लावण्या, ज्योत्सना, पलक आदि प्रमुख थे। अतिथियों और निर्णायकों में विपुल नायक, नीतू कुमारी, उपासना और गौतम उपस्थित थे। सभी अतिथियों को एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरमैन प्रतुल शाह देव ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। राजस्थानी संडे में बड़ी संख्या में राजस्थान के पृष्ठभूमि से आए लोगों की भागीदारी रही। राजस्थानी व्यंजन का भी स्टॉल लगाया गया था जिसमें दाल बाटी चूरमा,गट्टे की सब्जी, बाजरे की रोटी खाने वालों की भीड़ लगी रही। इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड के कार्यकारी निदेशक लोकेश कुमार, आनंद, साहिल,आदि उपस्थित थे।

सीयूजे के सात विद्यार्थियों का सैमसंग एसडीएस में चयन

चयनित विद्यार्थी कोरियन भाषा विभाग के हैं

नवीन मेल संवाददाता। रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के कोरियन भाषा विभाग के सात विद्यार्थियों का चयन सैमसंग एसडीएस के पेड-इंटर्नशिप सह पूर्णकालिक नौकरी के लिए हुआ है। कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने अपने हाल ही में सफल दक्षिण कोरिया दौरे के बाद विभाग के विद्यार्थियों के सैमसंग में चयन पर हर्ष जताते हुए चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी है। कंपनी द्वारा द्वितीय चरण में सात और विद्यार्थियों के साक्षात्कार और चयन की प्रक्रिया चल रही है। प्लेसमेंट अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि सैमसंग के इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को दो महीने के लिए पेड इंटर्नशिप कराया जायेगा। जिसके बाद उन्हें पूर्णकालिक तौर पर नौकरी भी दी जायेगी। जिन विद्यार्थियों का चयन हुआ है, उनमें कोमल कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, सृष्टि विश्वकर्मा, स्वाति कुमारी, अमृता कैथरीना तिर्की, शिवांगी कुमारी और श्रुति कुमारी शामिल हैं। विभागाध्यक्ष प्रो रविंद्रनाथ सरमा ने भी विभाग के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को बधाई दी है। शशि मिश्र ने बताया कि सैमसंग एसडीएस कंपनी लिमिटेड (पूर्व में सैमसंग डेटा सिस्टम) सैमसंग समूह की सहायक कंपनी के रूप में 1985 में स्थापित हुई।

पांच दिवसीय शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रूद्र महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ हुआ समापन

नवीन मेल संवाददाता। मांडर प्रखंड क्षेत्र के बसकी गांव मे पांच दिवसीय शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ।शनिवार को बसकी गांव के बुढ़ा महादेव मंदिर मे शिव परिवार का प्राण प्रतिष्ठा किया गया जिसमे आज पांचवें दिन मुख्य पुजारियों के साथ ग्रामीणों ने भी हवन किया और पूर्णाहुति की गयी। यज्ञाचार्य सूर्यनारायण पाठक ने कहा की यज्ञ करने से लोगों मे सदभावना बढ़ती है,यज्ञ के फल स्वरूप कृषि के लिए अच्छी वर्षा होती है,क्षेत्र मे सुख शांति समृद्धि प्राप्त होती है।सनातनियो मे एकता और प्रेम बढ़ती है।इसलिए यज्ञ प्रत्येक गांव मे होना चाहिए। महायज्ञ मे समिति के द्वारा प्रत्येक दिन भंडारे का आयोजन किया गया था जिसमे हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।यज्ञ के अंतिम दिन जिले के योग गुरु द्वारा योग शिविर आयोजन किया जिसमें सभी ग्रामीणों की सहभागिता रही। भक्ति जागरण का आयोजन करते हुए। मंच संचालन रामबालक ठाकुर के द्वारा किया गया। मौके पर अध्यक्ष रवि ठाकुर सचिव दिनेश साही,कोषाध्यक्ष पंकज कुमार मिश्रा,जगत किशोर शाही ,पुजारी मिनेश शाही रामप्रताप शाही, मुनमुन शाही रामप्रताप एवं अन्य श्रद्धालु गण शामिल रहे।

रांची सिटीजन फोरम ने नगर निगम के कार्य पर जताई चिंता

रांची। रांची सिटीजन फोरम ने कहा कि राजधानी रांची में हर बिल्डर अपार्टमेंट के लिए नाली बनाने के लिए रांची नगर निगम को एडवांस में रुपए का भुगतान करता है। सड़क किनारे बनने वाले अपार्टमेंट और कॉम्प्लेक्स के लिए सामने की रोड़ की जमीन गिफ्ट डीड के रूप में रांची नगर निगम को सड़क चौड़ीकरण के लिए देता है अपने खर्चे पर रजिस्ट्री करवा कर, तभी उसका नक्शा पास होता है। साथ में हर अपार्टमेंट में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम बनाना होता है और अपार्टमेंट के चारों तरफ खुला स्थान, एवं ओपन स्पेस रखना पड़ता है। आज राजधानी रांची में ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम नहीं होने के कारण मोहल्ले में जल जमाव हो जा रहा है। अंडरग्राउंड केबलिंग नहीं होने के कारण हर मौसम में बिजली का आंख मिचौली जारी है। ऐसे में हम तो टैक्स दे रहे हैं सरकार और प्रशासन काम क्यों नहीं कर रही है पूरा। वर्तमान समय में इस गंदगी के कारण कोरोना, डेंगू, मलेरिया, इत्यादि सबके संक्रमण का खतरा अधिक बना हुआ है। टैक्स देने के बाद भी जनता को राहत क्यों नहीं मिल रही है।

न्यूज बॉक्स

सेवानिवृति पर डॉ अनिता सालकर सहित चार कामगारों को दी गई विदाई

खलारी। सीसीएल एनके एरिया के डकरा स्थित आफिसर्स क्लब में शनिवार को सम्मान समारोह आयोजित कर एरिया से सेवानिवृत हुए पांच कर्मियों को सम्मानित कर विदाई दी गई। सेवानिवृत होने वाले सेंट्रल अस्पताल डकरा से डा अनिता सालकर, केडीएच परियोजना से धोबा बेहरा, चुरी परियोजना से परवेश मोची, एरिया से जीतु सिंह एवं रोहिणी परियोजना से दिनेश मंडल को एनके महाप्रबंधक दिनेशकुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और श्रमिक प्रतिनिधियों द्वारा शाल ओढ़ाकर व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक दिनेशकुमार गुप्ता ने सेवानिवृत हुए कामगारों की कार्य कुशलता की प्रशंसा करते हुए उनके आगे के सुखमय जीवन की कामना की। धन्यवाद ज्ञापन रानी चौबे व मंच संचालन ओमप्रकाश शर्मा ने किया। इस अवसर पर एसओपी शैलेन्द्र कुमार, डा एम मार्की, वरिष्ठ प्रबंधक एचआर शशिप्रभा हासदा, डा सत्यदीप, उपप्रबंधक एचआर गरिमा सिंह, सहायक प्रबंधक एचआर अंकिता राउत, डा श्वेता सहित के अलावा यूनियन प्रतिनिधि प्रेम कुमार, मिथिलेश सिंह, डीपी सिंह, शैलेश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

रेगिंग बुल्स ने 23 रन से जीत दर्ज की

रांची। रॉकमेंस क्रिकेट एकेडमी के द्वारा आयोजित रॉकमेंस प्रीमियर लीग का फ़ाइनल मैच और पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन हुआ। मुख्य अतिथि अतिथि के रूप में लोहरदगा जिले के एसडीएम ठाकुर गौरी शंकर शर्मा, विशिष्ट अतिथि सुभाष चटर्जी, नन्द जी पांडे, प्रेम प्रकाश, प्रभात शाहदेव, दीपक कुमार सिंह, रोहित सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, विकास रॉय, दीपू पांडे, सचिन कुमार सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित थे। फाइनल मैच रेगिंग बुल्स और पावर पेसर टीमो के बीच हुआ जिसमे रेगिंग बुल्स ने पावर पेसर पर 23 रन से जीत दर्ज कर ख़िताब अपने नाम किया। वर्णित शाहदेव को प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। अंकिता कुमारी और आकाश चौहान को टूर्नामेंट का इमर्जिन प्लेयर चुना गया। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन रॉकमेंस क्रिकेट एकेडमी के मुख्य कोच नन्द जी पांडे ने किया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली गई तिरंगा यात्रा

रांची। तिरंगा हमारी आन बान शान का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर हमारे भारतीय वीर, विरांग्नाओं की सफलता के लिए आज भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा लालगंज चौक से शुरू होकर टाटीसिलवे में जाकर समाप्त हुई। इस यात्रा में शामिल समस्त नागरिकों के साथ एनसीसी, छात्र छात्राओं ने भाग लिया। भारत माता की जय, हिन्दूस्तान जिन्दाबाद के नारों से गुंज उठा, रोमांचित करने वाले वक्तव्य बीच बीच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैं देश नहीं झुकने दूंगा, मै देश नहीं मिटने दूंगा जैसे नागरिकों में जोश भर रहा था।

दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है सोनाडुबी नदी पर बना जर्जर पुल

सड़क भी बदहाल,लोग परेशान

नवीन मेल संवाददाता। खलारी

केडी से जेहलीटांड़ होकर करकट्टा की ओर जाने वाले पुराने मार्ग पर स्थित सोनाडुबी नदी पर बना पुल जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। इस मार्ग का ऐतिहासिक महत्व भी रहा है, क्योंकि एक समय इसी रास्ते से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग होती थी। वर्तमान में, खलारी के अंबेडकर चौक से जेहलीटांड़ और करकट्टा की ओर जाने के लिए एक नई सड़क डीएसपी आवास व बैंक चौक होकर बन चुकी है, फिर भी बड़ी संख्या में सीसीएलकर्मी और आम नागरिक अब भी दोपहिया व चारपहिया वाहनों से इस पुराने मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। पुल और सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि किसी भी समय कोई गंभीर दुर्घटना घट सकती है। सड़क पर गड्ढे हैं और पुल की दीवारों में दरारें साफ देखी जा सकती हैं। स्थानीय मुखिया दीपमाला ने बताया कि कई बार सीसीएल एनके एरिया प्रबंधन व राज्य सरकार के संबंधित विभाग को पुल और सड़क की मरम्मत को लेकर अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। यदि शीघ्र मरम्मत नहीं की गई, तो जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों ने भी सीसीएल प्रबंधन व प्रशासन से मांग की है कि इस पुराने मार्ग और पुल की मरम्मत शीघ्र शुरू की जाए ताकि आवागमन सुरक्षित बनाया जा सके।

अखंड हरिनाम संकीर्तन की पूर्व संध्या पर गंधादिवस का आयोजन

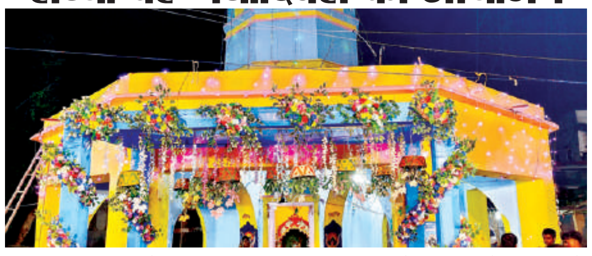

सिल्ली। सिल्ली के हाट बगान स्थित हरि मंदिर में रविवार देर शाम को हरिनाम संकीर्तन के पूर्व संध्या पर अधिवास दिवस (गंधादिवस) का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिपूर्वक अधिवास पूजन के दौरान देवताओं का कीर्तन में आह्वान किया गया। पश्चिम बंगाल तोड़ांग के कीर्तन मंडली द्वारा अधिवास दिवस पर कीर्तन प्रस्तुति किया गया। आयोजन समिति के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव ने बताया कि नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन की शुरुआत सोमवार से होगी। इस अनुष्ठान में बंगाल एवं झारखंड की दर्जनों महिला एवं पुरुष कीर्तन मंडलियों के कलाकार भाग लेंगे।

बीसीआइ प्लेटिनम की बैठक में एक-दूसरे के कारोबार को बढ़ाने पर जोर

रांची। बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआइ) प्लेटिनम की बैठक रविवार को स्थानीय होटल में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए बीसीआइ प्लेटिनम के अध्यक्ष डॉ सजीत कुमार ने सदस्यों को स्वागत किया और सदस्यों से एक दूसरे के कारोबार को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बीसीआई प्लेटिनम ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां हर ट्रेड से केवल एक व्यक्ति को ही सदस्य बनाया जाता है। इसका उद्देश्य है सदस्यों के बीच आपसी सहयोग से व्यवसाय को बढ़ावा देना। अपने सदस्यों या इनके द्वारा किए गए अनुशंसा पर लोगों को कम कीमत और गुणवता वाले उत्पाद या सेवा प्रदान की जाती है। इसके अलावा उत्पादों पर वारंटी भी दी जाती है। बीसीआइ प्लेटिनम के माध्यम से सदस्य एक परिवार की तरह सहयोग करते हैं।

वुडबॉल चैंपियनशिप का हुआ समापन

सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य वुडबॉल संघ के द्वारा पूर्वी क्षेत्र वुडबॉल चैंपियनशिप पुरुष और महिला वर्ग प्रतियोगिता का समापन स्थानीय जयपाल सिंह स्टेडियम में हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद महुआ मांझी तथा विशिष्ट अतिथि झारखंड राज्य वुडबॉल संघ के अध्यक्ष राज कुमार पोद्दार, झारखंड हाई कोर्ट के एडवोकेट पीके लाला, झारखंड मानवा धिकार मिशन की उपाध्यक्ष सोहिनी राय, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी,शशि वर्मा, अरुण कुमार, अदिति प्रिया के द्वारा सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के परिणामः पुरुष वर्ग टीम चैंपियनशिप में झारखंड विजेता रहा,उप विजेता पश्चिम बंगाल और तीसरा स्थान बिहार रहा। सिंगल इवेंट में अजित गोप झारखंड प्रथम स्थान, नागेश्वर कुमार बिहार दूसरा स्थान और राजेश गोप झारखंड तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग सिंगल इवेंट में प्याली चटर्जी पश्चिम बंगाल प्रथम, रानी कुमारी झारखंड द्वितीय और तृतीय गायत्री कुमारी बिहार तीसरे स्थान पर रही। पुरुष डबलस इवेंट विप्लव और लालटू वेस्ट बंगाल प्रथम , बंटी टोप्पो और शुभम शर्मा झारखंड द्वितीय और प्रियांशु और आशुतोष ओडिशा तीसरा स्थान रहे। महिला डबल्स अनुष्का और रानी कुमारी झारखंड प्रथम, प्रीति और कुमारी प्रिया बिहार दूसरा और सुष्मिता और सुधा झारखंड तीसरा स्थान पर रहे

झारखंड राज्य टेबल टेनिस प्रतियोगिता का हुआ समापन

रांची। गोड्डा के बेथल मिशन में आयोजित चार दिवसीय प्रथम झारखंड राज्य टेबल टेनिस प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। समापन समारोह सह पुरस्कार वितरण में झारखंड ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष साकेत कुमार सिन्हा, संजेश मोहन ठाकुर, भारतीय टेबल टेनिस महा संघ के संयुक्त सचिव सरदार समरजीत सिंह, टेबल टेनिस संघ के संरक्षक जय कुमार सिन्हा, बेंथल मिशन के उप प्राचार्य सुमन कुमार चौधरी, गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के सचिव कमलेश कुमार दूबे एवं गोड्डा ज़िला टेबल टेनिस संघ के सचिव नवल बिहारी झा ने प्रथम तीन स्थानों पर रहे विभिन्न आयु वर्ग के विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उत्साह बढ़ाया।

आजसू पार्टी के नेताओं ने अशोक बड़ाइक के परिजनों से की मुलाकात

सिल्ली। आजसू पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव व आजसू कार्यकर्ताओं ने रविवार को दिवंगत अशोक बड़ाइक के बंसिया स्थित आवास पहुंचे और उनके पिता चौधरी बड़ाइक एवं अन्य परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया। ज्ञात हो कि पिछले दिनों गांव के समीप एक टर्वो वाहन के चपेट में आने से 35 वर्षीय अशोक बड़ाइक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। जयपाल सिंह ने परिजनों से कहा कि इस दुख की घड़ी में वे एवं उनकी पार्टी हमेशा उनके साथ है। मौके पर उपस्थित पंचायत के मुखिया नव कृष्ण लोहरा एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय संगठन सचिव को घटना की जानकारी देते हुए सरकारी मुआवजा के लिए किए जा रहे कागजी प्रक्रिया की जानकारी दी। इस दौरान केंद्रीय संगठन सचिव ने राहें सीओ एवं सिल्ली थाना प्रभारी से भी फोन पर बात कर मृतक के परिजनों को मुआवजा राशि के अलावे अन्य सरकारी लाभ के लिए आवश्यक पहल करने की बात कही। इस मौके पर पुर्व उप प्रमुख कीरीटी महतो, रंजीत साहु, मनोज महतो, बबलु , सुजित साहु, अनंत सिंह मुंडा, भुपेश कुमार महतो आदि उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनाई सड़क

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती बगदा गांव के ग्रामीणों ने रविवार को श्रमदान कर एक किलोमीटर तक सड़क बनाया। जानकारी के अनुसार राजकीय प्राथमिक स्कूल बगदा से श्मशान घाट तक सड़क काफी जर्जर थी। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क खराब रहने से ग्रामीणों को काफी दिक्कत होती थी। साथ ही ग्रामीणों को शव यात्रा में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों द्वारा सांसद,विधायक समेत विभागीय अधिकारियों को कई बार लिखित आवेदन दिया गया लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला।मौके पर रूपलाल महतो,डॉ मदन,मनोज कुमार दीपक,कामदेव पाहन,मुन्नी देवी,सुनील कुमार,मुकेश कुमार समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

खुश्बू कुमारी बनी जनता हाई स्कूल के वाणिज्य संकाय की टॉपर

खलारी। जनता हाई स्कूल प्लस टू, खलारी की खुश्बू कुमारी 432 (86.4 प्रतिशत) अंक लाकर स्कूल के 12वीं वाणिज्य संकाय की टापर बनी है। खुश्बू को अंग्रेजी में 80, एकाउंटेंसी में 90, बिजनेस स्टडीज में 87, इकोनोमिक्स में 81, एंटरप्रेन्योरशिप में 94 तथा हिन्दी में 84 अंक मिले हैं। वहीं सूरज चौहान 402 (80.4 प्रतिशत) अंक लाकर विद्यालय में दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा अर्चना कुमारी को 75.8 प्रतिशत, श्वेता कुमारी को 74.6 प्रतिशत, अंजलि कमारी को 71, सुलेखा खतुन को 66.2 व अमन लोहरा को 56.4 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। विज्ञान संकाय में 11 विद्यार्थी परीक्षा दिए थे। जिनमें 4 प्रथम श्रेणी व 3 द्वितीय श्रेणी में पास हुए हैं। विद्यालय की प्राचार्या पुष्पा ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों सहित उनके अभिभावकों व स्कूल के शिक्षकों को बधाई दिया है तथा बच्चों के बेहतर भविष्य की कामना की है।

सरना स्थल को बचाने की मांग को लेकर थाने में तोड़फोड़

ग्रामीणों ने की महादानी मैदान को बचाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

- खिलाड़ियों व स्कूल छात्रों को खेलने के लिए यही एकमात्र मैदान बचा हुआ है
- फिलहाल पुलिस प्रशासन फूंक फूंक कर कदम उठा रही है

एक ओर तीन जून के पड़हा जतरा को शांति पूर्ण तरीके से आयोजित करने की चुनौती और दूसरी ओर शनिवार की रात बेड़ो थाना में पड़हा के कथित प्रतिनिधियों के द्वारा तोड़फोड़ की घटना ने बेडो. के शांतिप्रिय लोगों के लिए चिंता का कारण बन गया है। यहां के आदिवासी और मूलवासी मिल जुलकर सदियों से रहते आए हैं। लेकिन अचानक 31 मई को ऐतिहासिक महादानी मैदान के समीप सरना स्थल को बचाने की मांग को लेकर की गई सभा और सरकारी पदाधिकारियों को खुली चुनौती देकर कुछ लोगों ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सरकारी नियमों के तहत चलने वाले नौकरशाह के समक्ष नई बहस छेड़ दी है। कुछ लोगों का मानना है कि क्षेत्र में जाति धर्म और संप्रदाय के नाम पर आपस में लड़ाने की साजिश की जा रही है। वहीं पड़हा से जुड़े लोगों का कहना है कि सरना स्थल की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराना पड़हा व्यवस्था के तहत हमारा कर्तव्य है। पड़हा समाज के लोगों ने लोकतंत्र से चुनी सरकार की अवधारणा को भी मानने से इंकार कर दिया। हालांकि इस विकट परिस्थिति में जब भीड़ हिंसक हो सकती थी अंचलाधिकारी प्रताप मिंज ने प्रदर्शन करने वाले पड़हा के प्रतिनिधियों को 24 घंटे के अंदर अतिक्रमण मुक्त करने का आश्वासन दे दिया। इसके कुछ घंटे के बाद ही रात 9:30 बजे जेसीबी के चालक के साथ पुलिस के द्वारा मारपीट का आरोप लगाकर पड़हा के लोगों ने बेड़ो थाना में जमकर बवाल काटा। थाना प्रभारी के साथ भी हाथापाई की गई। थाना में मौजूद सरकारी संपत्ति को प्रदर्शन कार्यो ने निशाना बनाया और जमकर तोड़फोड़ की। इस संबंध में बेडो. थाना में कुछ ज्ञात और अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस प्रशासन फूंक फूंक कर कदम उठा रही है। वहीं दूसरी ओर बेड़ों के ग्रामीणों ने सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता मुन्ना बडाईक, भाजपा के बेडो. मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह, जगन्नाथ भगत, समाजसेवी विश्वनाथ गोप, विश्व हिंदू परिषद के शशी गोप, दीपक गोप, पूर्व सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार रॉय, सुजीत कुमार रॉय सहित अन्य गणमान्य लोगों के नेतृत्व में अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर बेड़ो के ऐतिहासिक मैदान को बचाने की मांग की है। उन्होंने ज्ञापन में स्पष्ट करते हुए लिखा है कि सरना स्थल के जमीन को अतिक्रमण मुक्त करते हुए सरना स्थल के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध कराते हुए ऐतिहासिक महादानी मैदान को बचाने की कृपा करें। लोगों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में लिखा गया है कि इस ऐतिहासिक महादानी मैदान में सरहुल शोभायात्रा, रामनवमी मेला, रावण दहन, 15 अगस्त और 26 जनवरी को राष्ट्रीय समारोह का आयोजन, सभी स्कूलों के स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए सालों भर खेलने के लिए यही एकमात्र मैदान है।

पड़हा जतरा की व्यापक तैयारियां जोरों पर

पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की होंगी शामिल

बेड़ो। तीन जून को बेडो.में डॉ रविंद्र नाथ भगत के नेतृत्व में एक दिवसीय और बारीडीह में नीलमणी भगत के नेतृत्व में एक से तीन जून तक तीन दिवसीय अलग-अलग लगने वाले राजकीय पड़हा जतरा समारोह की व्यापक तैयारियां की गई है। पहली बार बारीडीह में पड़हा जतरा में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री बंधु तिर्की दो जून को हिस्सा लेंगे। इस दौरान कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) के तत्वावधान में आयोजित किसान मेला सह कृषि उत्पादन प्रदर्शनी का पूर्व मंत्री उद्घाटन करेंगे। वहीं तीन जून को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगी। वहीं बारीडीह में जतरा के पहले दिन रविवार को पड़हा व्यवस्था पर आयोजित सेमिनार में पूर्व मंत्री देव कुमार धान, शिक्षा विद डॉ दिवाकर मिंज सहित कई पड़हा के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और पड़हा व्यवस्था की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वहीं दो दिवसीय कृषि मेला एवं प्रदर्शनी के आयोजन की तैयारी का जिला कृषि पदाधिकारी राम शंकर सिंह ने जायजा लिया। उन्होंने बताया कि 12 एवं 21 पड़हा के तत्वावधान में आयोजित राजकीय पाड़हा जतरा के दौरान कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के तत्वाधान में दो दिवसीय कृषि मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान किसानों को विभाग की ओर से लगाए जा रहे हैं 12 अलग-अलग स्टॉल में कृषि की नई तकनीक, कृषि उत्पादन तथा सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी ।

हथियार के साथ पांच युवक गिरफ्तार

रांची। डीआईजी सह एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा को सूचना मिली कि रविवार कि रात में हेहल अंचल के पीछे कुछ अपराधी हथियार की खरीद बिक्री करने वाले हैं। सूचना के सत्यापन के लिए रांची एसपी के दिशा निर्देश में और कोतवाली के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा छापेमारी कर हर्ष कुमार विश्वकर्मा, अनुज महतो,अंकुर कुमार, अभिषेक कुमार उर्फ सन्नी और मंतोष कुमार उर्फ पैन्डी को एक देसी कट्टा और दो जिन्दा गोली के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

पुराने सदर अस्पताल के भवन निर्माण को लेकर लोगों के बीच बंटी मिठाईयां

नए भवन का निर्माण सामाजिक आंदोलन की जीत : धनंजय

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

सांसद ने जिला प्रशासन का जताया आभार

मौके पर धनंजय कुमार पुटूस ने कहा यह सिर्फ मेरी नहीं रामगढ़ की जनता की जीत है। यह आंदोलन जनता की पीड़ा, धैर्य और विश्वास का परिणाम है। मैं विशेष रूप से हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल और जिला प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए पुराने सदर अस्पताल में नए भवन के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए। धनंजय कुमार पुटूस ने भवन निर्माण का ठेका प्राप्त ठेकेदार से गुणवत्ता पूर्ण निर्माण की अपील करते हुए कहा है कि यह भवन आम जनता और मानवता की सेवा के लिए है। यह भवन बार-बार नहीं बनेगा, अत: इसकी गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। प्रशासन से भी अनुरोध है कि इस पर निरंतर निगरानी बनाए रखें। आज का दिन रामगढ़ के लिए सिर्फ एक निर्माण की शुरुआत के निरीक्षण का ही नहीं, बल्कि जनशक्ति, जनआंदोलन और जननेता के संघर्ष से उपजे विश्वास का उत्सव है।

रामगढ़ शहर व आसपास के लगभग एक लाख नागरिकों को चिकित्सा सुविधा से वंचित करने वाले निर्णय के विरुद्ध 2016 में उठी जनता की आवाज ने आज एक नई दिशा पा ली है। यह बातें रविवार को भाजपा नेता सह रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस ने कही । उन्होंने बताया की छत्तर मांडू में नए सदर अस्पताल के निर्माण के बाद रामगढ़ शहर स्थित पुराने सदर अस्पताल को बंद कर दिया गया था, जिससे रामगढ़ शहर व आस पास के लगभग एक लाख आम नागरिकों को अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने बताया की इस मामले को लेकर उन्होंने एवं सामाजिक संगठन रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले वर्ष 2016 में अस्पताल दो या मौत दो के नारे के साथ अस्पताल खुलवाने के लिए आमरण अनशन का किया था। उनके इस दृढ़ संकल्प,हजारों लोगों के अपार जनसमर्थन और अहिंसात्मक संघर्ष के फलस्वरूप प्रशासन को जनता की मांगों को स्वीकार करना पड़ा था और पुराने सदर अस्पताल में पुनः चिकित्सा व्यवस्था बहाल की गई थी। इसी आंदोलन के परिणामस्वरूप अब उस ऐतिहासिक स्थल पर लगभग 2.5 करोड़ रुपये की लागत से एक नवीन व अत्याधुनिक अस्पताल भवन का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है, जिसका शिलान्यास भी संपन्न हो गया है। इस गौरवपूर्ण क्षण को लेकर धनंजय कुमार पुटूस ने रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के सदस्यों के साथ अस्पताल परिसर में जाकर प्रसन्नता व्यक्त की और लोगों के बीच में मिठाइयां बांटी।

विश्व तंबाकू दिवस पर अनुमंडलीय अस्पताल से जागरूकता रैली निकाली

नवीन मेल संवाददाता। बरही विश्व

तंबाकू दिवस पर अनुमंडलीय अस्पताल की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई. रैली में उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी सहित चिकित्सक, एएनएम व कई स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे. रैली अनुमंडलीय अस्पताल से निकलकर धनबाद रोड का भ्रमण करते हुए वापस अस्पताल परिसर पहुंचा. लोगों को जागरूक करते हुए डॉ ज्ञानी ने बताया कि तंबाकू कैंसर जैसे जानलेवा बीमारी का प्रमुख कारक है. मनुष्य के लिए यह हानिकारक है. इसका प्रयोग किसी भी स्थिति में नहीं करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गुटखा आदि जैसे तंबाकुयुक्त पदार्थ के प्रयोग और खरीद व बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है .जिसका हम सभी को समर्थन करते हुए इसके प्रयोग का विरोध बचना चाहिए. उन्होंने कहा कि तंबाकू ने कई लोगो की जान ली है. अंत में उन्होंने तंबाकू के सेवन से बचने, उसका विरोध करने और उसके खिलाफ सामूहिक जंग लड़ने की शपथ दिलवाई. इस अवसर पर डॉ प्रवीण कुमार, बीपीएम नारायण राम, प्रमोद श्रीवास्तव, बिजेंद्र कुमार आदि सहित कई लोग मौजूद थे.

न्यूज बॉक्स

अरुण कुमार मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन के स्वयंसेवक पद पर किए गए मनोनीत

बरकट्ठा। मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण आर्गनाइजेशन के द्वारा बरकट्ठा निवासी अरुण कुमार मेहता पिता स्व रामकृष्ण मेहता को हजारीबाग स्वयं सेवक के पद पर मनोनीत किया गया है। जिनका मनोनयन संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री जयदीप गोबिंद ने श्री मेहता को मनोनयन पत्र भेजकर उन्हें दिया है। कहा कि संस्था आपसे अपेक्षा करता है कि आप उद्देश्य पूर्ति हेतु संस्थान के नियमों का सम्मान करेंगे।आप अनुशासित रहकर एकता एवं शिष्टाचार की भावना के प्रति जागरूक रहते हुए समाज को मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे। मानवाधिकारों के हनन तथा शोषण के विरुद्ध संघर्षरत रहेंगे। अरुण मेहता के जिला स्वयं सेवक बनाये जाने पर युगेशवर साव, रामकुमारी, जितनरायन सिंह, काली सिंह, रामू राम, बंशी यादव, भुनेश्वर महतो, जमीर अंसारी, उगंती सिंह, भोला समेत अन्य लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

बड़का गांव और एवं ईचागढ़ के विधायक ने माता छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

रामगढ़ । बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी रविवार को रजरप्पा पहुंचे। उन्होने रजरप्पा पहुंचकर विधिवत रूप से माता छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना कर मां भगवती के आगे मत्था टेककर उनका आशीर्वाद लिया। उसके बाद नारियल बलि देकर पंडित असीम पंडा द्वारा रक्षा सूत्र भी बंधवाया। उन्होंने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की जनता की समृद्धि, विकास और खुशहाली के लिए माता से प्रार्थना की और उनका आशीर्वाद लिया। उनके पूजा करने के दौरान ईचागढ़ की विधायक सविता महतो से भेंट हुई और उनके हालचाल जाना । मालूम हो कि सविता महतो सपरिवार पूजा अर्चना करने के लिए रजरप्पा पहुंची थीं। इस मौके पर दोनों विधायक के कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों के लिए एक साइक्लोथोन का आयोजन किया गया

रामगढ़ । अग्रसेन डीएवी पब्लिक स्कूल भरेचनगर रामगढ़ के तत्वावधान में रविवार को फिट इंडिया सन्डेज ऑन साइकिल फाइट अगेंस्ट ओबेसिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फिट इंडिया के कार्यक्रम "सन्डेज ऑन साइकिल फाइट अगेंस्ट ओबेसिटी" के तहत विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्कूली बच्चों के लिए एक साइक्लोथोन का आयोजन किया गया। उक्त साइक्लोथोन भरेचनगर स्थित अग्रसेन डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण से शुरू होकर रामाग्लास स्थित सीएन कॉलेज गेट से होते हुए वापस विद्यालय परिसर तक आकर समाप्त हुआ। साइक्लोथोन का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य निशिकांत कर के निर्देशानुसार किया गया। जिसका शुभारंभ विद्यालय की एकेडमिक हेड मौसमी बनर्जी ने बच्चों को हरी झंडी दिखा कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकेडमी हेड मौसमी बनर्जी ने कहा कि फिट इंडिया, सीबीएसई, डीएवी सीएमसी, साई, विभिन्न खेल संघों तथा भारत सरकार के द्वारा उठाए जा रहे इस प्रकार के पहल काफी सराहनीय हैं। इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से हर समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होने के साथ - साथ शारीरिक व मानसिक विकास भी संभव हो पाएगा। मौके पर विद्यालय के खेल शिक्षक सुमित कुमार,कला शिक्षक नीरज कुमार पाठक, छात्रगण व शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित थे।

समाज की बेटियों को स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे लाने की जरूरत : शेफाली

हजारीबाग। रांची रातू रोड स्थित अशोक वाटिका बैंकेंट हॉल में झारखंड प्रदेश शौण्डिक (सुडी) समाज का एक महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा नेत्री सह ओम आरोहणम संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता शामिल हुई। इस बैठक में समाज के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर वैवाहिक परिचय एवं नई कार्यकारिणी गठन की तैयारी को लेकर बैठक आहूत की गई। समाज का उत्थान एवं विकास संबंधित कई विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ, जिनमें प्रमुख रूप से राज्य स्तर पर एकता को मजबूत करने, आगामी सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने, युवा सम्मेलन एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों के आयोजन जैसे विषय शामिल थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के संगठन को मजबूत बनाना, शिक्षा एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देना, युवाओं को संगठित करना तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने पर मंथन करना रहा। 29 जुन 2025 को वैवाहिक परिचय सम्मेलन एवं नई कार्यकारिणी गठन का रांची हवेली बैंक्वेट हॉल में शौण्डिक (सुडी) समाज के सदस्यों से सपरिवार शामिल होने की भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने अपील की। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने बैठक में संबोधित कर कहा कि शौंडिक समाज एक परिश्रमी, ईमानदार और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज है। इसे संगठित करने, शिक्षित बनाने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। शेफाली गुप्ता ने विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण और युवाओं की भागीदारी पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज की बेटियों को शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे लाने की आवश्यकता है। भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का उल्लेख करते हुए उन्होंने समाज से इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

+2 उच्च विद्यालय इंटरमीडिएट साइंस के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

मुकेश 419 अंक लाकर बने विद्यालय के टॉपर

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित कन्या प्लस टू उच्च विद्यालय बेलकपी में इंटरमीडिएट साइंस के विद्यार्थियों का इस वर्ष भी शानदार प्रदर्शन रहा। शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत ने एक बार पुनः अपनी छाप छोड़ी । विदित हो कि विज्ञान संकाय से कुल 50 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। जिनमें 44 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। 6 विद्यार्थी ने द्वितीय श्रेणी में सफलता हासिल की। इस संकाय में मुकेश कुमार ने सर्वाधिक 419 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया । वही द्वितीय नीलम कुमारी 414 अंक, तृतीय गणेश कुमार 412 अंक पर रहे। आकाश कुमार 411, विक्की कुमार 409, किरण कुमारी 405, खुशबू कुमारी 399, नेहा कुमारी 396, आनंद कुमार 395, प्रीति यादव 394 अंक प्राप्त कर प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय कुमार दास, समेत शिक्षक राकेश प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, संजय कुमार, ब्रह्मदेव साव, हरिकांत पांडे, गुलाम कौसर, आकांक्षा चौबे, छत्रु प्रसाद, अवधेश यादव, मुकेश कुमार पांडेय, मुकेश कुमार ईश्वर कुमार, रेखा कुमारी, बरनवाल ममता कुमारी, इंद्रजीत प्रसाद ने हर्ष जताया है और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस उत्कृष्ट परिणाम से न केवल विद्यालय परिसर में खुशी की लहर है, बल्कि अभिभावकों और स्थानीय समुदाय में भी गर्व का माहौल देखने को

रामगढ़ जिला वॉलीबॉल के ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

केदला। झारखंड वॉलीबॉल संघ एवं आर्ट ऑफ गिविंग के संयुक्त तत्वाधान में 24 मई से आयोजित वॉलीबॉल ग्रीष्म कालीन शिविर रविवार को संपन्न हो गया। यह आयोजन रामगढ़ जिला के इलेवन स्टार वॉलीबॉल ग्राउंड केदला नगर नौ नंबर में किया गया था। इस शिविर में क्षेत्र के अलग अलग जगह से आए 45 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि रामगढ़ जिला वालीबाल संघ के अध्यक्ष गोपाल राम ने बच्चों को हौसला बढ़ाते हुए बेहतर खेल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रेगुलर प्रैक्टिस से आप अपने खेल को और निखार सकते हैं।इस शिविर में मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका अख्तर हुसैन एवं सह प्रशिक्षक नूतन कुमार और प्रकाश कुमार ने निभाई। मौके पर शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के बीच प्रमाण पत्र और मेडल का वितरण किया गया। समापन समारोह में रामगढ़ जिला वालीबाल संघ के सुदेश्वर नाथ प्रसाद, मनीष राज पाल, चंदन प्रसाद, राहुल कुमार सहित केदला नगर के शंकर करमाली, नंदलाल प्रसाद गुप्ता, राजकुमार राम, राजेंद्र राम, रितेश सिंह, राजू राम, संतोष राम, जगन्नाथ मुंडा, गौतम कुमार, सूरज कुमार, रवि कुमार सिंह,अकबर हुसैन, सामंत कुमार, संतोष कुमार, मनीष कुमार, लकी कुमारी आदि लोग उपस्थित थे।

धनवार पंचायत को बनाया गया रैंडम ब्लड साइट, मुखिया ने किया उद्घाटन

बरही । फाइलेरिया उन्मूलन योजना के तहत बीते रात्रि धनवार व कोरियाडीह मे रात्रि रक्त संग्रह शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें 210 लोगों का रक्त संग्रह किया गया. इस अवसर पर रक्त नमूना संग्रह के लिए धनवार में रैंडम साइट भी बनाया गया. जिसका उद्घाटन स्थानीय मुखिया राजेंद्र प्रसाद ने किया. मौके पर मुखिया श्री प्रसाद ने ब्लड सैंपल देकर लोगों को प्रेरित किया. ग्रामीणों को बताया कि यह स्वास्थ्य विभाग का मलेरिया विभाग के तहत किया जा रहा है. जिसका उद्देश्य ग्रामीण को मलेरिया से सुरक्षित रखना है. कार्यक्रम मलेरिया सुपरवाइजर मो इरशाद आलम के देख रेख और डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के निर्देशन में आयोजित किया गया था.जिनमें लैब टेक्नीशियन विष्णु कुमार महतो, शाहिद अली, एमपीडब्ल्यू संतोष कुमार, एनम प्रेमलता कुमारी, सहिया चांदनी कुमारी, उमेरा प्रवीण, आंगनबाड़ी सेविका किरण देवी बेबी देवी टीम में शामिल थे.

रेलीगढ़ा में सरहुल पूजा सह मिलन समारोह का आयोजन

गिद्दी। रेलीगढ़ा दोतल्ला में रविवार को सरहुल पूजा सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम में सरना स्थल में धर्मेश बाबा ने विधिवत पूजा कराया। जिसमें पहान सुरेश उरांव, एतवा उरांव ने पूजा कर क्षेत्र और समाज के सुख समृद्धि और अच्छी बारिस की कामना किया। इसके बाद मां सरना के नाम पर झंडा गड़ी किया गया।

शहर में साइकलिंग दिवस का हुआ शुभारंभ

रामगढ़, शहर प्रतिनिधि। खेल विभाग युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशानुसार 3 जून को विश्व साइकिल दिवस का आयोजन होगा। इस अवसर पर रविवार को जिला खेल पदाधिकारी मारकस हेम्ब्रम के नेतृत्व में साइकलिंग दिवस का शुभारंभ हुआ। आयोजन का शुभारंभ जिला खेल पदाधिकारी मारकस हेंब्रम ने किया। इस दौरान रामगढ़ ज़िले के खेलो इंडिया, डे- बोर्डिंग क्रीडा प्रशिक्षण, अंकित एकेडमिक के खिलाड़ी एवं आम जन लगभग 200 प्रतिभागी बालक एवं बालिकाओं ने भाग लिया। जिला खेल पदाधिकारी रामगढ़ ने सभी खिलाड़ियों को एक सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए हर दिन अपने फिटनेस और स्वास्थ्य के लिए 30 मिनट निकालने का शपथ दिलाया गया।

कोरोना Jn-1 वेरिएंट से डरे नहीं कोविड गाइडलाइन का पालन कर रहें सुरक्षित : डा आरसी प्रसाद मेहता

हजारीबाग। कोविड 19 महामारी से दुनिया मे लाखों लोगों ने जान गवाई अभी भूले भी नहीं थे ,की इसी बीच एशिया के दर्जनों देशों में कोविड जे एन 1 वेरियंट का केश मिल रहा है। झारखंड सहित भारत के दर्जनों राज्य में कोविड मरीज़ मिल रहे हैं।यह वेरिएंट का संक्रमण बहुत तेजी से फैलता है, इस वेरिएंट में गंभीर खतरा कम है।अधिकतर लोगों में इसके लक्षण हल्के देखे गए हैं। इसमें गले में खरास सर्दी हल्का बुखार थकान और खांसी जैसे लक्षण लक्षण है। पूर्व के ओमीक्रोन वायरस से मिलता जुलता है हालाकी जेएन 1 की सबसे बड़ी चिंता इसकी तेजी से फैलने का क्षमता है। यह वेरियेंट बहुत आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे में फैल सकता है इसीलिए बीमारी तेजी से बढ़ सकता है। हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोते रहें या सेनिटाइज करते रहे यदि आपको बुखार खांसी या गले में खरास जैसे लक्षण महसूस हो रहे हैं घर पर ही रहे। जरूरत पडने पर डाक्टर से संपर्क करें। यह बातें मेहता हॉस्पिटल के निदेशक एवं कॉग्रेस प्रमंडलीय स्वास्थ्य अध्यक्ष डा आरसी प्रसाद मेहता ने मेहता हॉस्पिटल के कार्यालय में कही। उन्होंने कहा कि पुराने हृदय डायबिटिक किडनी अस्थमा टी बी के रोगी अनावश्यक घर से न निकले। शाकाहारी व्यक्ति फल और दूध का प्रयोग अवश्य करें।

कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों का संवाद कार्यक्रम आयोजित

नैनो यूरिया व डीएपी के उपयोग पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता। बरही

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तीसरे दिन आत्मा व आईसीएआर की टीम रसोईया धमना, कुंडवा आदि क्षेत्रों में किसानो से संवाद किया. उन्हें आधुनिक खेती की तकनीकों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी. नैनो उर्वरकों पर सत्र आयोजित किए व किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग की जानकारी देते हुए पोषक तत्वों की दक्षता और खेती की लागत में कमी लाने की जानकारी दी. इसके अलावा जलवायु अनुकूलन व कीट प्रतिरोधी उन्नत बीज किस्मों का प्रदर्शन किया गया. इस दौरान खरीफ फसल की तैयारी, बीज उपचार व सिंचाई योजनाओं पर भी विशेष चर्चा की गई. किसानो को पशु स्वास्थ्य जागरूकता के तहत पशुओं में होनेवाले रोगों की रोकथाम व टीकाकरण के बारे में बताया गया. इस कार्यक्रम में आईसीएआर के कृषि वैज्ञानिक व आत्मा के कृषि विशेषज्ञ संयुक्त रूप से शामिल थे.

कृषि विज्ञान केंद्र ने किसान जागरुकता कार्यक्रम का किया आयोजन

रामगढ़ । कृषि विज्ञान केंद्र रामगढ़ के द्वारा रविवार को 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के अंतर्गत पतरातू प्रखंड के पाली, सुदी एवं सांकी गांव में एक दिवसीय किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली उन्नत किस्मों की धान व अन्य फसलों के बारे में वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना था। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक धर्मजीत खैरवार ने किसानों को खेती के महत्व, समेकित कृषि प्रणाली एवं फसल में रोग प्रबंधन के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) के माध्यम से अपने उत्पादों के बेहतर विपणन की सलाह दी। केंद्रीय वर्षाश्रित उपराऊ चावल अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. प्रसाद एवं सोमनाथ राय ने धान की उन्नत किस्मों, उनके चयन और वैज्ञानिक प्रबंधन की विधियों पर प्रकाश डाला और किसानों की फसल प्रबंधन संबंधी समस्याओं का समाधान भी सुझाया। सहायक तकनीकी प्रबंधक अमित कुमार ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से इनका लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम ने ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक कृषि और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। मौके पर किसान, जनसेवक, तकनीकी प्रतिनिधि आदि मौजूद थे ।

जून माह में 3 महीने का राशन लोगों को मिलेगा : नंदलाल तिवारी

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत में जन वितरण प्रणाली दुकान में 1 से 15 जून तक जून और जुलाई माह का केंद्र सरकार का राशन मिलेगा। वही 16 से 30 जून तक अगस्त माह का राशन मिलेगा।इस की जानकारी देते हुए जन वितरण प्रणाली दुकान के विक्रेता नंदलाल तिवारी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा पीला राशन कार्ड,एवं गुलाबी राशन कार्ड धारियों को अग्रिम 3 माह का राशन एक साथ देने का फैसला किया है जिसके तहत सभी जनवितरण प्रणाली दुकानों में राशन उपलब्ध कराई जा रही है।कहा सभी कार्डधारी दिनांक 01/06/25 से दिनांक 15/06/25 तक जून एवं जुलाई तथा 16/06/25 से 31/06/25 तक अगस्त माह का राशन प्राप्त कर सकते हैं।आप सभी उक्त निर्धारित समय पर अपना राशन उठाव करना सुनिश्चित करें। इस संबंध में खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी बरकट्ठा, मिंटू कुमार रजक से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि अभी तक तो उपरोक्त सूचना सही है। किंतु यदि टेक्निकल प्रॉब्लम होती है तो राशन मिलने में विलंब भी हो सकता है।

डाडी प्रखंड के गांवों में वैज्ञानिक दल ने किसानों के साथ की बैठक

गिद्दी। ड़ाड़ी प्रखंड के डाड़ी, मिश्राइनमोढ़ा, रिकवा में रविवार को प्री-खरीफ विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि वैज्ञानिक का दल, आत्मा कर्मी और जिला कृषि विभाग ने प्रखंड के तीन गांव में किसानों की बैठक हुई। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोरिया करमा बरही के वैज्ञानिकों ने खरीफ मौसम में फसलवार उन्नत तकनीक से खेत की तैयारी की जानकारी किसान दिया। साथ ही कृषि प्रौद्योगिकी आत्मा और कृषि विभाग ने केंद्र और राज्य सरकार के संचालित योजना की भी जानकारी दी। इस दौरान किसानों को खरीफ फसलों की नई तकनीक और किस्मों की जानकारी दी गई। साथ ही वैज्ञानिक तरीके से समय पर बुवाई, प्रमाणित बीज का उपयोग, बीजोपचार और मिट्टी की जांच के बारे में भी जानकारी दी गई। फव्वारा और ड्रिप सिंचाई के साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। इस दौरान किसान डाड़ी के राजेश्वर कुरकुटा मे बलदेव बेदिया के फार्म का निरिक्षण किया। बलदेव बेदिया के खेती के साथ साथ मुर्गी पालन, बतख पालन, मछली पालन भी की जा रही है जो उन्नत खेती को दर्शाता है।

खटिया पर गर्भवती महिला को ढोकर पहुंचाया अस्पताल

- सड़क न होने के कारण संकट, गर्भवती महिला को खटिया पर 3 किमी पैदल ढोया गया उबड़-खाबड़ रास्ते से जोखिम भरी यात्रा, जंगल और पहाड़ी रास्तों से ले जाया गया

नवीन मेल संवाददाता

बानो। दुनिया भले ही चांद पर चली गई हो लेकिन आज भी सिमडेगा की जमीनी हकीकत कुछ और बयां करती है यह सरकार की खोखले दावे की पोल खोलती है ।मामला बानो प्रखंड के डुमरिया पंचायत अंतर्गत मारिकेल गांव में रविवार को स्वास्थ्य व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की बदहाली की एक और मार्मिक तस्वीर सामने आई। सड़क के अभाव में एक गर्भवती महिला को ग्रामीणों ने खटिया पर लादकर करीब तीन किलोमीटर तक पैदल ढोया, तब जाकर मुख्य सड़क पर एंबुलेंस की मदद से उसे स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जा सका।मारिकेल निवासी 22 वर्षीय सुशांति बागे को रविवार सुबह अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई। गांव में सड़क नहीं होने के कारण वाहन पहुंचना संभव नहीं था। मजबूरी में ग्रामीणों ने खटिया की व्यवस्था की और महिला को जंगल-पहाड़ी रास्तों से होते हुए तीन किलोमीटर दूर मुख्य सड़क तक पैदल ले गए। इस दौरान रास्ता उबड़-खाबड़ और जोखिम भरा था ।गांव में मोबाइल नेटवर्क भी नहीं होने से सूचना देना भी मुश्किल साबित हुआ। जैसे-तैसे सहिया को खबर दी गई, जिसके बाद डुमरिया पंचायत के मुखिया लुथर भुइंया और रौतिया समाज के प्रखंड अध्यक्ष महेश सिंह को जानकारी दी गई। दोनों तत्काल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से महिला को खटिया पर सड़क तक लाने में मदद की ।इसके बाद महेश सिंह ने महिला को अपने निजी वाहन से कुछ दूरी तक पहुंचाया। स्वास्थ्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मनोरंजन कुमार को जैसे ही जानकारी दी गई, उन्होंने तुरंत एंबुलेंस भेजा। महिला को बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है ।यह घटना एक बार फिर सरकारी तंत्र की जमीनी सच्चाई को उजागर करती है। वर्षों से ग्रामीणों द्वारा सड़क की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। संचार, परिवहन और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के बिना मारिकेल जैसे गांवों की जिंदगी अब भी जोखिम से भरी है ।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क और मोबाइल नेटवर्क की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में किसी को इस तरह की पीड़ा न झेलनी पड़े।

कुरडेग में महिला की हत्या का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। थाना क्षेत्र के चाडरी मुण्डा पंचायत के अवराजोर जंगल में विगत 26 मई को अज्ञात महिला का शव कुरडेग पुलिस ने बरामद किया था । पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में सिमडेगा जेल भेज दिया । रविवार को कुरडेग थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अंचल पुलिस निरिक्षक दिनेश प्रजापति ने बताया कि हत्या में अभियुक्त राकेश एक्का टैंसर बरटोली , अमन एक्का टैंसर नावाटोली और विकास एक्का टैसर नावा टोली शामिल थे ।मृतिका आशा कुमारी पिता 24 वर्ष पिता गोस्नर कछुआ घुटबहार थाना केरसई की निवासी थी । मृतिका राकेश एक्का के घर में साथ रह रही थी कुछ दिन पहले मुंबई काम करने गये थे इसी बीच वापस घर आने पर मृतका आशा कुमारी राकेश एक्का के साथ नही रहना चाहती थी । 24 मई के रात में गाँव में जेठ जतरा था उसी रात में राजेश एक्का अपने रिश्तेदार अमन एक्का और विकास एक्का के साथ मिलकर महिला को जंगल ले जाकर साथ रहने का दबाव बनाने लगे महिला द्वारा इंकार करने पर तीनो गला घोंट कर हत्या कर वहीं पास में फेक दिये इस संबंध में कुरडेग थाना काण्ड संख्या 18/25 धारा 103/238 बी एन एस के तहत मामला दर्ज है । वहीं उन्होंने बताया कि काण्ड में प्रयुक्त स्पेलण्डर बाइक , टी वी एस कम्पनी का स्कुटी एवं मृतिका का फोन एवं की पैड फोन बरामद किया गया है । प्रेस कांफ्रेस में मुख्य रूप से थाना प्रभारी संजीत कुमार , एस आइ धनंजय कुमार , एस आई सुधीर कुमार उपस्थित रहे ।

बरसलोया गांव में चोरी और बाइक जलाने की कोशिश, गांव में दहशत

नवीन मेल संवाददाता

- बक्सा से 2–3 हजार रुपये चोरी कर 50 मीटर दूर फेंका

कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र के बरसलोया गांव में बीती रात अज्ञात चोरों के द्वारा एक मोटरसाइकिल एवं एक दुकान से पैसे की चोरी कर ली गई । इसके अलावा चोरों ने घर के बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल में आग लगाने की कोशिश भी की। चोरों के द्वारा स्थानीय होटल के संचालक अजय गुप्ता का मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई है,शिव गुप्ता के मोटरसाइकिल को आग लगाने का प्रयास किया गया है। वहीं मनोज चौरसिया के घर स्थित दुकान से पैसा की चोरी करके पैसा रखने वाले बक्से को घर से 50 मीटर की दूरी पर फेंक दिया गया। चोरी के संबंध में मनोज चौरसिया ने बताया कि बक्सा में 2-3 हजार रुपए नगद राशि थी जिसे चोरों ने चोरी कर ली ।इस घटना के बाद गांव के लोगों में भय का माहौल है. चोरी की घटना की जानकारी मिलने पर कोलेबिरा पुलिस दलबल के साथ गांव पहुंची तथा घटना के संबंध में भुक्त भोगी ग्रामीण से चोरी के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त किया और इस घटना में सम्मिलित चोरों के संभावित ठिकाने में छापामारी कर रही है वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने यह भी बतलाया कि कुछ दिन पूर्व लचरागढ़ में भी बाइक चोरी की घटना हो चुकी है।

डाल्टनगंज के पाटन क्षेत्र में चोरी हुए पिकअप वाहन कोलेबिरा थाना क्षेत्र में बरामद

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। डाल्टनगंज जिले के पाटन थाना क्षेत्र से चोरी की गई पिकअप कोलेबिरा प्रखंड के रायबरेड़ा जंगल से बरामद ।ज्ञात हो कि डाल्टनगंज जिले के पाटन थाने से विगत 26 मई को पाटन थाना क्षेत्र अंतर्गत केलहर गांव निवासी राजेंद्र कुमार सिंह की घर के बाहर खड़ी बोलेरो पिकअप जेएच 03क्यू 9974 चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई थी इस संबंध में वाहन मालिक के द्वारा 29 मई को पाटन थाना में चोरी का मामला दर्ज कराया गया था। जिसका उद्वेदन करते हुए पाटन थाना पुलिस में तीन आरोपियों का गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपियों के निशानदेही पर पाटन पुलिस एवं कोलेबिरा पुलिस के द्वारा संयुक्त रूप से छापामारी करके चोरी की गई पिकअप वाहन को कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत टूटीकेल पंचायत के रयाबेड़ा जंगल से 30 मई को बरामद किया. पाटन पुलिस ने बरामद पिकअप को अपने साथ लेकर पाटन चली गई. इस संबंध में पाटन थाना में पांच संख्या93/2025 के अंतर्गत मामला दर्ज की गई थी।

शिव शक्ति मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा में लिया भाग

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला मुख्यालय हनुमान वाटिका स्थित शिव शक्ति मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर रविवार की सुबह एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा धार्मिक उल्लास और भक्तिभाव से ओत-प्रोत रही, जिसमें हजारों श्रद्धालु महिलाओं ने भाग लिया। यात्रा देवराहा बाबा आश्रम से प्रारंभ हुई और शहर के प्रमुख मार्गों जिसमे प्रिंस चौक, झूलन सिंह चौक, बस स्टैंड, महावीर चौक, नीचे बाजार, पेट्रोल पंप, से होती हुई पुनः सिमडेगा थाना स्थित नवनिर्मित शिव शक्ति मंदिर पहुंची। वहां विधिवत रूप से कलशों की स्थापना की गई ।इस पावन अवसर पर यजमान के रूप में मुकेश श्रीवास्तव सपत्नीक साथ तथा रामनिवास प्रसाद सपत्निक एवं मनोज साहू उपस्थित थे। वैदिक मंत्रोच्चार और विधिपूर्वक पूजा का संचालन मुख्य आचार्य विद्याबंधु शास्त्री तथा उनके सहयोगी सजंय पाठक,मनोज षाड़ंगी, विजय बीसी,अग्निवेश चौबे,अरविंद शर्मा पुरोहितों द्वारा किया गया। समारोह की शुरुआत परम पूज्य संत रामरेखा बाबा अखंड दास जी महाराज के सान्निध्य में की गई, जिनकी मौजूदगी से आयोजन का आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ गया उन्होंने कहा क्षेत्र में इस तरह के आयोजन सनातन सभ्यता और संस्कृति में आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने जन कल्याण के लिए सभी लोगों को आशीर्वाद दिया ।कलश यात्रा में शामिल महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर जय श्रीराम और हर हर महादेव के गगनभेदी नारों से पूरे सिमडेगा नगर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया। यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रही, जिसमें स्थानीय लोगों ने जगह-जगह जलपान और पुष्प वर्षा से श्रद्धालुओं का स्वागत किया ।कलश स्थापना के पश्चात मंदिर के गुंबद पर कुंभ भराई पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें यजमानों द्वारा विधिवत पूजन संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में सिमडेगा की उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अर्शी भी सम्मिलित हुए, जिन्होंने कार्यक्रम में भाग लेकर धार्मिक एकता और सौहार्द का संदेश दिया ।पूरे आयोजन की व्यवस्था शिव शक्ति मंदिर पूजा समिति और विश्व हिंदू परिषद सिमडेगा की देखरेख में की गई। इस दौरान सनातन धर्मावलंबियों की भारी उपस्थिति रही, जिससे यह कार्यक्रम ऐतिहासिक बन गया ।विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष कौशल राज सिंह देव ने जानकारी दी कि यह धार्मिक अनुष्ठान लगातार पाँच दिनों तक चलेगा।

युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने की जरूरत: जोसिमा खाखा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नोर्थ वेस्टर्न गोस्सनर एवंजेलीकल लुथेरन चर्च छोटानागपुर एवं असम खुंटीटोली पेरिश युवा संघ का 60वां वार्षिक बाइबल क्लास समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में ज़िला परिषद सदस्य एवं कांग्रेस नेत्री जोसिमा खाखा उपस्थित थी। अपने संबोधन में जोसिमा खाखा ने युवाओं को आध्यात्मिक जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बाइबल क्लास जैसे आयोजन न केवल धार्मिक शिक्षा का माध्यम हैं। बल्कि ये युवाओं में नैतिक मूल्यों और नेतृत्व की भावना को भी जाग्रत करते हैं। जोसिमा खाखा ने झारखंड सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं से अपील की कि वे मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना तथा श्रमिक सुरक्षा योजना जैसे योजनाओं का भरपूर लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। उन्होंने सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा की भी सराहना की और कहा कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और जलापूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि भूषण बाड़ा जी की सक्रियता और जनहितकारी दृष्टिकोण के कारण आज सुदूर गांवों तक योजनाओं का लाभ पहुँच रहा है। कार्यक्रम में अध्यक्ष निखिल बाड़ा, सचिव संजीत मिंज, सह सचिव एजुक, उपाध्यक्ष पुना अरिज्ञा मिंज, कोषाध्यक्ष इम्मानुएल तिर्की, संडे स्कूल प्रभारी कुशल मगन कुजूर, सह प्रभारी शोलटी तिर्की, पंसस प्रतिमा कुजूर, अंजली, मंजू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

लचरागढ के आरसी चर्च में 159 बच्चों ने प्रथम परम प्रसाद ग्रहण किया

- बालकों-बालिकाओं की भागीदारी, 75 बालक और 84 बालिकाएं शामिल रहीं
- सफेद वस्त्र और मोमबत्तियों के साथ बच्चों ने चर्च में प्रवेश किया

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ आरसी गिरजाघर में 159 बच्चे बच्चियो ने प्रथम परम प्रसाद ग्रहण किया। जिसमे 75बालक व 84 बालिका ने प्रथम परम प्रसाद ग्रहण किया. इस अवसर पर विशेष मिस्सा पुजा का आयोजन किया गया। जिसमे फादर राजेश केरकेट्टा, फादर जोन डांग, फादर अलबिनुस, फादर नीरज कडुंलना ने बच्चो को प्रथम परम प्रसाद संस्कार ग्रहण कराया गया। इस अवसर पर आज 159 बच्चों का पहला परम प्रसाद संस्कार कराया गया। इन बच्चों को पहली बार परम प्रसाद दिया गया। इसके लिए विशेष अनुष्ठान किया गया। परम प्रसाद संस्कार में भाग लेने वाले बच्चे सफेद कपड़े पहनकर तथा हाथों में मोमबत्ती लेकर जुलूस की शक्ल में चर्च में प्रवेश किए। संस्कार करने वाले बच्चे ईश्वर का निवेदन किया व पाठ पढ़ा तथा ईश्वर का धन्यवाद देते हुए परम प्रसाद ग्रहण किया। पल्ली पुरोहित फादर राजेश केरकेट्टा ने संस्कार में भाग लेने वाले बच्चों को एक-एक कर परम प्रसाद ग्रहण कराया गया। फादर राजेश की अगुवाइ ने मिस्सा पूजा संपन्न कराया गया। पल्ली पुरोहित फादर राजेश ने अपने संदेश में कहा कि परम प्रसाद संस्कार लेने से पवित्र आत्मा का वरदान मिलता है। कहा कि इस संस्कार को ग्रहण करने से अच्छे जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बच्चों को संस्कारी तथा अच्छा व्यक्ति बनने का संदेश दिया। फादर ने कहा कि बच्चों का पहला गुरु उसके माता-पिता होते हैं। जैसा माता-पिता संस्कार देंगे बच्चे वैसा ही आगे बढ़ेंगे। कहा कि जिस बच्चे ने आज परम प्रसाद ग्रहण किया उसके दिल में ईश्वर बास कर गए। मनुष्य के दिल में ही ईश्वर का मंदिर होता है। संस्कार ग्रहण करने वाले बच्चों को उनके अभिभावकों व परिजनों ने स्वागत किया। इस अवसर पर ब्रदर विनोद, ब्रदर आरोग्यमं, ब्रदर बेंजामीन, सिस्टर सुषमा, सिस्टर रेश्मा, अलबिनुस लुगुन, त्योफित डांग, विजय केरकेट्टा, क्लेमेंट टेटे, निकोलस होबो, प्रचारक विजय डांग के आलवा अन्य लोग उपस्थित थे।

कोलेबिरा पंचायत भवन में पर्यटन प्रबंधन क्लब का गठन

कोलेबिरा। कोलेबिरा पंचायत भवन में पर्यटन प्रबंधन क्लब का गठन हेतु ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई ।जिसमें सर्व समिति से हजरत सईद सूफी शाह कयामुद्दीन अनजान शाह पीर बाबा दरगाह के लिए शहजाद हसन को अध्यक्ष, इम्तियाज आलम को सचिव एवं मोहम्मद काशिफ हसन को कोषाध्यक्ष चयन किया गया जिसमें सदस्य के रूप में हैदर अली ,मुमताज आलम ,वसीम आलम, रिजवान आलम, मेराज हसन एवं बारीक हसन को चयनित किया गया ।वही बूढ़ा महादेव सरना वह डैम पंचायत कोलेबिरा को लेकर सर्वसम्मति से मदन दास को अध्यक्ष, जितेंद्र तिवारी को उपाध्यक्ष एवं सहदेव प्रसाद को कोषाध्यक्ष चयनित किया गया। जिसमें सुजीत प्रसाद, रणधीर कुमार, अभिषेक कुमार, विनोद कुमार, धर्मेंद्र पांडा, संजीत कुमार ,त्रिवेणी कुमार ,अनुपम बेक, गोपाल सिंह, श्यामलाल प्रसाद अमरनाथ सिंह, बलदेव सिंह को सदस्य के रूप में चयनित किया गया एवं निर्देश दिया गया की अध्यक्ष ,सचिव एवं कोषाध्यक्ष संयुक्त रूप से बैंक में खाता खोलते हुए अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा करें।

साहुबेड़ा आर.सी. चर्च में 46 बच्चों ने पहला परम प्रसाद ग्रहण किया

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के साहुबेड़ा स्थित आर.सी. काथोलिक चर्च में रविवार को पहला परम प्रसाद समारोह पूरे धार्मिक उल्लास और भक्ति भाव से संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर चर्च परिसर में भव्य मिस्सा अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया ।धर्मविधि अनुष्ठान का नेतृत्व फादर बिमल जोजो ने किया। उन्होंने विधिवत रूप से 46 बच्चों को पहला परम प्रसाद संस्कार ग्रहण कराया। यह बच्चों के ईसाई धार्मिक जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है, जिसमें वे पहली बार प्रभु यीशु के शरीर और रक्त (रोटी और दाखरस) के रूप में परम प्रसाद प्राप्त करते हैं ।समारोह के उपरांत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महिला मंडलियों की ओर से गीत और नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारंपरिक परिधानों और लोकगीतों की झलक ने समारोह में भव्यता और उत्साह भर दिया ।बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए अभिभावकों ने माला और बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। इस पावन अवसर पर चर्च परिसर पूरी तरह से सुसज्जित था और समुदाय में आनंद का माहौल व्याप्त था ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दोमनिक किड़ो, मरसेल भेंगरा, कामिल डांग, अलविसिया भेंगरा, प्रचारक बिजय कंडुलना और साहुबेड़ा पंचायत की मुखिया सुसाना जड़िया उपस्थित थीं। सभी ने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल धार्मिक जीवन की कामना की।

न्यूज बॉक्स

सिमडेगा में खेल संसाधनों का तेजी से हो रहा है विकास: विधायक भूषण बाड़ा

सिमडेगा। पवित्र मई माह, जो कि माता मरियम को समर्पित महीना माना जाता है। उसके अंतिम दिन के अवसर पर कुरडेग के खालीजोर पारिस मैदान में हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। बालक और बालिका वर्ग के इस फाइनल मुकाबले का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने किया। हॉकी बालिका वर्ग में फाइनल मैच नवापारा और गाम्मैरडीपा के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। लेकिन मुकाबला पेनाल्टी शूटआउट तक पहुंच गया। वहाँ नवापारा की बेटियों ने 5-4 से जीत हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं हॉकी बालक वर्ग में रोमांचक फाइनल मुकाबला सर्फमुंडा और खरवाटोली के बीच हुआ। जहाँ खरवाटोली की टीम ने 1-0 से बाज़ी मार कर विजेता बनी ।विधायक भूषण बाड़ा ने विजेता और उपविजेता टीमों को खस्सी देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेल के मध्यम से हमारी युवा पीढ़ी अनुशासन, एकता और संघर्ष की भावना को आत्मसात कर रही है। हॉकी हमारे क्षेत्र की पहचान है और हमारी सरकार इस खेल को हर स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है ।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से सिमडेगा में खेल संसाधनों का तेजी से विकास हो रहा है। विधायक ने ग्रामीण युवाओं से अपील की कि वे खेल, शिक्षा और संस्कृति में संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभा को उचित मंच देने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं।

शान्तिपूर्ण रूप से मनाएं बकरीद का त्यौहार सोसल मीडिया पर रहेगी कड़ी नजर : थाना प्रभारी

केरसई। बकरीद पर्व को लेकर केरसई थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आज सम्पन्न हुई ।बैठक की अध्यक्षता करते हुए केरसई अंचलाधिकारी देवकांत सिंह ने कहा कि केरसई के इतिहास के अनुरूप ही बकरीद का पर्व शांति से मनाएं, किसी भी तरह के अप्रिय घटना होने पर प्रसाशन को सूचना दें, और मिल जुल कर त्यौहार मनाएं ।थाना प्रभारी रामनाथ राम ने कहा कि पर्व को लेकर केरसई पुलिस अलर्ट रहेगी सोसल मीडिया पर कड़ी नजर रहेगी गलत और भ्रामक सूचना एवं खबर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।मौके पर केरसई पुलिस पदाधिकारी सहित शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

कैथोलिक पल्ली खालीजोर में 111 बालक बालिकाओं ने प्रथम परमप्रसाद ग्रहण

कुरडेग। प्रखण्ड के कैथोलिक पल्ली खालीजोर में रविवार को स्वर्गारोहण पर्व के शुभ अवसर पर 111 बालक - बालिकाओं ने प्रथम परमप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर फादर सुनील तिर्की की अगुवाई में समारोही यूखरिस्तीय बलिदान सम्पन्न किया गया। फादर सुनील तिर्की ने अपने संदेश में कहा कि पवित्र बाईबल में ईसा मसीह का वचन रहता है जो युखरिस्तीय वलिदान में भाग लेता है वह पुनर्जीवित ईश्वर से वात करता है ईश्वर से दर्शन करने का अनुभव प्राप्त करता है, यह पर्व येसु का स्वर्ग में आरोहित किये जाने का पर्व है आज परम प्रसाद ग्रहण वालक बालिकाएं येसू को अपने जीवन में दर्शन का अनुभव कर रहे हैं आगे भी धार्मिक जीवन में ईश्वर से संबंध बनाए रखे । माता पिता धर्म माता पिता एवं कलिसिया के सदस्यों को सहयोग करें । प्रथम परमप्रसाद ग्रहण के पूर्व धर्म शिक्षा देने में ब्रदर मंतियस सुरीन , प्रचारक तेरेस्फोर सोरेंग आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया । भक्ति संगीत का संचालन सर्पमुण्डा के युवक युवतियों ने किया । मौके पर फादर विपिन सोरेंग फादर अलेक्सीयूस टोप्पो फादर मनोज फादर जेम्स मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

प्रसिद्ध हॉकी कोच प्रतिमा बरवा का निधन खेल जगत में शोक की लहर

सिमडेगा। राज्य की प्रसिद्ध हॉकी कोच प्रतिमा बरवा के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन पर सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विधायक ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। शोक व्यक्त करते हुए विधायक ने कहा कि खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों और समाज के लिए यह बहुत ही दुखद क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा बरवा सिर्फ एक कोच नहीं, बल्कि हजारों बेटियों की प्रेरणा थीं। उनका जाना खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। प्रतिमा बरवा ने अपने कोचिंग करियर में हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। उन्होंने ओलंपियन सलीमा टेटे, भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी ब्यूटी डुंगडुंग, संगीता कुमारी, सुषमा कुमारी और महिमा टेटे जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की कई खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर देश का नाम रोशन किया। उनके मार्गदर्शन में न सिर्फ खिलाड़ी बने, बल्कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनने की राह भी मिली।

सिमडेगा एसपी मो. अर्शी ने किया सदर थाना का निरीक्षण

सिमडेगा। सिमडेगा पुलिस अधीक्षक मो. अर्शी ने रविवार को सिमडेगा सदर थाना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर का जायजा लिया और उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।एसपी ने कहा कि थाने में आने वाले नागरिकों से पुलिस का व्यवहार संवेदनशील और सहयोगात्मक होना चाहिए। उन्होंने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए ताकि आम जनता का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हो ।निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ बैजू उरांव और सदर थाना प्रभारी रोहित कुमार रजक भी मौजूद थे। एसपी ने थाना परिसर की साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण एवं अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनता से बेहतर संवाद और त्वरित कार्रवाई ही अच्छी पुलिसिंग की पहचान है।

सिमडेगा एसपी ने कोलेबिरा थाना का किया निरीक्षण

कोलेबिरा। पुलिस अधीक्षक मो अर्शी ने रविवार को कोलेबिरा थाना का औचक निरीक्षण किया ।इससे पूर्व सिमडेगा एसपी सदर थाना, ठेठईटांगर थाना,जलडेगा थाना तत्पश्चात लचरागढ़ जलडेगा रोड स्थित हजारीबेड़ा पुलिस कैंप,लचरागढ़ टीओपी, पुलिस कैंप का निरीक्षण किया इसके बाद देर शाम सिमडेगा एसपी कोलेबिरा थाना पहुंचे ।मौके पर उन्होंने प्रभारी थाना प्रभारी सकलदेव महतो एवं अन्य पुलिस अधिकारियों से थाना क्षेत्र के भौगोलिक स्थिति की जानकारी ली ।इसके अलावा थाना क्षेत्र के संबंध में अन्य जानकारी भी प्राप्त करते हुए एसपी ने कई दिशा निर्देश दिए ।मौके पर एसपी मो अर्शी ने कहा कि वह सभी थाना का निरीक्षण करते हुए थाना क्षेत्र के संबंध में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं,ताकि विधि व्यवस्था एवं अन्य कार्यों के लिए रणनीति बनाई जा सके।

झूलते बिजली तारों की चपेट में आने से महिला की मौत, परिजनों ने मुआवजे की मांग की

ठेठईटांगर। प्रखंड के केरया धुमाटांड़ गांव में रविवार को बिजली विभाग की लापरवाही एक महिला की जान ले गई। गांव की दो महिलाएं जंगल में खुखड़ी चुनने गई थीं। इस दौरान 11000 वोल्ट का झूलता हुआ बिजली तार उनकी राह में आ गया। इसी क्रम में लोतेन लुगुन नामक महिला उसकी चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिजली तार बहुत नीचे तक झूल रहा था और खुले में था, जिससे हादसा हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से तार झूलते हुए हैं, लेकिन बिजली विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है ।केरया पंचायत की मुखिया कृषधानी लकड़ा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक महिला बहुत गरीब परिवार से थी। उन्होंने जिला प्रशासन से अविलंब मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही बिजली विभाग से अपील की है कि क्षेत्र में सभी झूलते तारों को तुरंत दुरुस्त किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं न हों ।ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश है।

कब्र से निकालकर गए 4 साल के बच्चे के शव पोटस्टमार्टम

गड्ढे में गिरने से हुई थी मौत, डायन बिसाही का शक

नवीन मेल संवाददाता। कोडरमा

जिले के कोडरमा थाना क्षेत्र के चांदेडीह में एक बच्चे का शव कब्र से बाहर निकाला गया है. घर निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में बीते 18 मई को प्रतीक का शव बरामद हुआ था. जिसके बाद से पुलिस मामले की जांच कर रही है. वहीं परिजन डायन बिसाही में बच्चे की हत्या का आरोप लगा रहे हैं. दरअसल, पुलिस के पास मामला पहुंचने के बाद एसपी अनुदीप सिंह ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया था. एसपी ने दोनों लोक में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू करने की बात कही थी. जिसके बाद रविवार को कोडरमा अंचलाधिकारी हलधर सेट्ठी को मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त करते हुए थाना प्रभारी अरविंद कुमार की देखरेख में मृतक बच्चे के शव को कब्र से बाहर निकाला गया. हलधर सेट्ठी, मजिस्ट्रेट ने कहा कि बच्चे के शव को कब्र से बाहर निकाला गया है. पोस्टमार्टम के बाद ही साफ हो पाएगा कि बच्चे की हत्या हुई थी या उसकी सामान्य मौत हुई है। बच्चे के शव कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा के सदर अस्पताल भेजा गया है. शव को बाहर निकाले जाने के दौरान घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ रही. इधर ग्रामीण भी बच्चे की मौत की असल वजह जानना चाहते हैं इसलिए ग्रामीण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार कर रहे हैं ताकि बच्चे की मौत के रहस्य से पर्दा उठ सके. आपको बता दें कि बच्चे का शव मिलने के बाद परिजनों ने शव को फिर से दफना दिया था. लेकिन कुछ ही दिन बाद मामले ने काफी तूल पकड़ लिया. जिसके बाद मृत बच्चे के परिजनों ने चांदेडीह निवासी इंद्रदेव साव पर डायन बिसाही के तहत हत्या का आरोप लगाकर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

कॉलेज व कथारा ओपी ने चलाया नशा मुक्ति अभियान

बोकारो। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर केबी कॉलेज बेरमो की राष्ट्रीय सेवा योजना(एनएसएस) इकाई एवं कथारा ओपी पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कथारा चौक से बोरिया बस्ती तक नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान चलाया गया. मौके पर प्राचार्य प्रो लक्ष्मी नारायण राय ने कहा कि कॉलेज की एनएसएस इकाई नागरिकों को हर संभव जागरूक बना रही है. कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रभाकर कुमार एवं ओपी थाना के एएसआइ केएन पाठक ने कहा कि एनएसएस इकाई व कथारा ओपी पुलिस के सहयोग से मादक पदार्थों के प्रयोग से होने वाले स्वास्थ्य एवं परिवार के नुकसान पर लोगों को जागरूक किया. लोगों से यह अपील की गयी है कि यदि आपके आसपास में नशे का व्यापार होने की जानकारी हो तो कथारा पुलिस को सूचित करें. इस अवसर पर स्वयंसेवकों में सुमित कुमार सिंह, पीयूष कुमार मंडल, सुधांशु कुमार, कुमकुम कुमारी, युवांशी कुमारी, सुनैना कुमारी, मोहिनी कुमारी,आंचल कुमारी, तनीषा कुमारी, तनीषा प्रवीण, नीतू कुमारी, जागृति कुमारी, तस्लीम अख्तर, मो दिलबर, सोनिका कुमारी, सूरज देव साव, राजीव बाउरी, सोनू शर्मा, रिचा प्रजापति, सुधांशु कुमार आदि के साथ कथारा ओपी थाना के आरक्षी सुनील कुमार, संजय कुमार आदि उपस्थित थे.

न्यूज बॉक्स

कोडईबांक डैम में डूबने से एक युवती की मौत, पहचान करने में पुलिस जुटी है

तिसरी। तिसरी थाना क्षेत्र के कोडईबांक डैम में डूबने से एक युवती की मौत हो गई है. इस घटना की काफी चर्चा शनिवार से ही थी लेकिन स्पष्ट रूप से कुछ भी पता नहीं चल पाया था. वहीं रविवार की सुबह डैम में तैरती हुई एक युवती की लाश दिखाई दी. जिसके बाद हो हल्ला हुआ और तिसरी पुलिस को मामले की जानकारी दी गई.वहीं भारी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई.इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से निकाला गया.हालांकि पुलिस शव की पहचान में जुटी हुई है। लेकिन अब नहीं हो सका है। मौके पर पहुंचे झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष रिंकू बर्णवाल ने कहा कि मृत युवती आस पास की नहीं लग रही है, हो सकता है यह पास स्थित चिमनी ईंट भट्ठे की मजदूर हो. उन्होंने पुलिस से मामले की जांच करने की मांग की है.मुखिया प्रतिनिधि उमर फारुख और भाजपा चंदौरी मंडल अध्यक्ष सुनील साव ने भी पुलिस से मामले की जांच करने की मांग की है. वहीं इस संबंध में ईंट भट्ठा संचालक प्रदीप साव से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मृतक उनके ईंट भट्ठे की मजदूर नहीं है. बहरहाल तिसरी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, साथ ही शव की पहचान में जुट गई है. बताते चलें कि लगभग एक साल पहले भी इसी डैम में डूबने से गांव के ही शोभन टुडू की मौत हो गई थी.जिसे एनडीआरएफ टीम की मदद से निकाला गया था.

दलित किशोर की पिटाई से हुई मौत

भाग रहे आरोपी को ग्रामीणों ने पिटा, किया पुलिस के सुपूर्द

गिरिडीह। एक दलित किशोर की पिटाई से मौत हो गई. इस घटना से नाराज लोगों ने भाग रहे आरोपी को पकड़ कर पेड़ से बांध दिया. इस दौरान आरोपी की पिटाई भी हुई और बाद में पुलिस के सुपूर्द कर दिया गया. मामला पीरटांड थाना इलाके कठवारा से जुड़ा हुआ है. बताया गया कि कठवारा निवासी लखन रजवार के पुत्र धोनी रजवार की पिटाई गुरुवार की रात को की गई. पिटाई का आरोप उसी गांव के मिथिलेश तिवारी पर लगा. घटना के बाद घायल किशोर को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के क्रम में किशोर ने दम तोड़ दिया। इधर किशोर के दम तोड़ने की जानकारी जैसे ही लोगों को लगी तो आरोपी मिथिलेश तिवारी की खोज शुरू हो गई. इसी बीच शनिवार की सुबह मिथिलेश तिवारी भगाने लगा तो ग्रामीणों ने उसे दबोच लिया. थोड़ी बहुत पिटाई के बाद मिथिलेश को गांव में ही पेड़ से बांध दिया गया.मामले की जानकारी डुमरी एसडीपीओ सुमित कुमार को लगी. सूचना मिलते ही एसडीपीओ के साथ पीरटांड़ बीडीओ मनोज मरांडी, सीओ गिरजानंद किस्कू, मधुबन-खुखरा थाना प्रभारी और पीरटांड़ थाना पुलिस भी साथ पहुंची. वहीं हत्या की जानकारी पर जेकेएलएम के जिलाध्यक्ष रॉकी नवल भी पहुंचे. यहां ग्रामीणों ने पुलिस के सामने पूरी बात रखी और पीरटांड़ थाना पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषी मिथिलेश तिवारी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की.

मनरेगा योजना में बिना काम किए ही निकाल लिए 4 लाख से अधिक रुपए

\गांडेय,गिरिडीह। आए दिन मनरेगा में राशि की गबन का मामला अखबार ओर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित होते आ रहा है। मामले को लेकर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई होना अधिकारियों की उदासीनता और बिचौलियों की मिलीभगत से योजनाएं लगातार सवालों के घेरे में हैं। ताजा मामला चंपापुर पंचायत का है, जहां दो सिंचाई कूप और एक तालाब निर्माण योजना के नाम पर बिना किसी कार्य के ही 4,14,698 की अवैध निकासी कर ली गई। धरातल पर इन योजनाओं का कोई काम नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार, चम्पापुर पंचायत के कुदुस अंसारी के नाम पर सिंचाई कूप निर्माण के लिए 2,42,080,राशि की निकासी की गई। चम्पापुर के जूना मुर्मू के सिंचाई कूप के नाम पर 1,00,912 और जुलेखा बीबी के तालाब निर्माण के नाम पर 71,706 की निकासी की गई। तीनों योजना मिलकर 4 लाख,14 हजार 698 रुपए की अवैध निकासी कर ली गई है । धरातल में इन योजनाओं नाम पर कही कुछ काम नहीं हुआ है। इस पूरे मामले को लेकर प्रमुख राज कुमार पाठक ने कहा कि गांडेय प्रखंड में मनरेगा योजनाओं में काफी लुट खसोट हुआ है । इस मामले की पूरी जांच की मांग करेंगे और संबंधित कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई के लिए उपायुक्त को पत्राचार करेंगे। इस पूरे मामले पर गांडेय प्रमुख राजकुमार पाठक ने गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि गांडेय में बड़े पैमाने पर मनरेगा योजनाओं में लूट खसोट जारी है। हम इस पूरे मामले की जांच की मांग करेंगे और संबंधित कर्मियों पर कार्रवाई को लेकर उपायुक्त को पत्राचार करेंगे।

तिसरी के प्रवासी मजदूर की मैंगलौर में हुई मौत

तिसरी। तिसरी प्रखंड क्षेत्र के बस्तीकुरा के रहने वाले एक प्रवासी मजदूर की मैंगलौर में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है. मृतक का शव रविवार को गांव आते ही चीख पुकार से पुरा गांव दहल गया. परिजनों ने बताया कि बस्तीकुरा के रहने वाले सुशील हांसदा के 30 वर्षीय पुत्र निर्मल हांसदा मैंगलौर स्थित रायता सेवा ग्रामोद्योग नामक फूड प्रोसेसिंग कम्पनी में अनाज डेलिवरी करने का काम करता था. वह एक वाहन में खल्लासी था. इसी दौरान शुक्रवार को वह वाहन से ड्राइवर के साथ अनाज डेलिवरी करने के लिए निकला तभी दुर्घटना हो गई. बताया जाता है कि वाहन पलटने से निर्मल की मौत हो गई. जिसके बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, वहीं उसका पोस्टमार्टम करवाया गया. कम्पनी द्वारा शव को कुरियर कर भिजवाया गया.जहाँ ईसाई रीति रिवाज़ से निर्मल का अंतिम संस्कार किया गया. निर्मल के पिता सुशील हांसदा ने बताया कि उनके पांच पुत्र हैं लेकिन घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य निर्मला ही था.इस घटना से परिजनों पर दुखों का पहाड टूट पडा है. वहीं मामले की जानकारी पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रिंकू बर्णवाल, विक्की सिन्हा आदि भी बस्तीकुरा गांव पहुंचे. जहाँ उन्होंने ने परिजनों का हाल जाना. रिंकू बर्णवाल ने कम्पनी से बात कर उचित मुआवजा और सरकारी लाभ दिलाने के लिए अपने स्तर से प्रयास करने की बात कही.

महासभा का चुनाव 29 को

रांची। अखिल भारतवर्षीय चन्द्रवंशी क्षत्रीय महासभा की बैठक चन्द्रवंशी दुर्गा मंदिर हुई। बैठक में 29 जून होने वाले चुनाव पर चर्चा हुई। चुनाव मे वही लोग उम्मीदवार एवं वोटर हो सकते है जिन्होने महासभा की सदस्या ग्रहण किया हो, सदस्या शुल्क आजीवन सदस्य के लिए 2000 रुपए, सक्रिय सदस्य के लिए 250 रुपए एवं साधारण सदस्य के लिए मात्र 50 रुपए रखी गई है। चुनाव झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रदेश महिला अध्यक्ष एवं महामंत्री , प्रदेश युवा अध्यक्ष एवं महामंत्री के साथ-साथ कुछ जिला मे जिला अध्यक्ष एवं महामंत्री (तीनो विंग) की कराई जाएगी । बैठक मेa राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद , धनंजय कुमार , किशोर वर्मा, जितेन्द्र प्रसाद आदि प्रमुख शामिल थे।

समर कैंप का हुआ समापन

रांची। मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रांची शाखा के तत्वावधान मे शिवनारायण मारवाड़ी कन्या पाठशाला में चल रहे पांच दिवसीय निःशुल्क समर कैंप का समापन रविवार को हुआ। पांचवें दिन कई छात्राओं ने भाग लिया। इस समर कैंप के अंतर्गत बच्चों को योगा, चित्रकला, कराटे, नृत्य, क्रिएटिविटी, पर्सनैलिटी, डेवलपमेंट, वैदिक शिक्षा, सेवा कार्य, देशभक्ति, दैनिक जीवन के श्लोक, सहित अनेक विषयों की शिक्षा दी गई। समर कैंप में सभी बच्चे बहुत उत्साहित थे और बहुत रुचि के साथ सभी ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भाग लेते हुए खूब आनंद उठाया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की ओर से प्रशिक्षण प्राप्त कर लड़कियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने कहा की समर कैंप के

वन रक्षियों पर अबुआ आवास तोड़ने का आरोप, थाने में मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता। बगोदर,गिरिडी

जिला के बगोदर में निर्माणाधीन अबुआ आवास तोड़ने के आरोपी वन रक्षियों के खिलाफ बीडीओ निशा कुमारी के द्वारा बगोदर थाना में मामला दर्ज कराया गया है. जिसमें वन रक्षी आनंद प्रजापति को नामजद एवं दो अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया है. इसको लेकर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है. बीडीओ के द्वारा दर्ज कराए गए एफआईआर में कहा गया है कि खेतको निवासी तारा कुमारी पांडेय को 2024-25 में अबुआ आवास की स्वीकृति हुई है. आवास का निर्माण लिंटल लेबल तक किया जा चुका था. तीन दिन पहले वर्दी पहने तीन लोगों के द्वारा जबरन आवास को गिरा दिया गया है. तीनों हेलमेट में थे, इसमें एक की पहचान आनंद प्रजापति के रूप में की गई है, जो वन रक्षी है. इधर भाकपा माले के द्वारा शनिवार को बगोदर बाजार में प्रतिवाद मार्च निकालकर निर्माणाधीन अबुआ आवास तोड़ने के आरोपी वन रक्षियों को गिरफ्तार किए जाने की मांग की है. गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है. पार्टी नेता पूरन महतो ने आरोपी वन रक्षियों को अविलंब गिरफ्तार किए जाने की मांग की है. महिला को इंसाफ दिलाने के लिए भाकपा माले सड़क पर उतरकर आगे भी आंदोलन करेगी. जब तक इंसाफ नहीं मिल जाता भाकपा माले चुप नहीं बैठेगी. इस मौके पर पूर्व जिप सदस्य सरिता महतो, दूसरी ओर निर्माणाधीन अबुआ आवास तोड़े जाने की सूचना मिलने पर डुमरी विधायक जयराम महतो शनिवार को खेतको पहुंचे. उन्होंने भुक्तभोगी परिजनों से मुलाकात किया. वन रक्षियों के द्वारा तोड़े गए आवास का जायजा लिया. उन्होंने पीड़ित परिजनों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया. उन्होंने वन रक्षियों के इस कार्रवाई की भी आलोचना की एवं मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है.

बोकारो में सामूहिक दुष्कर्म का मामला

पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। बोकारो

जिले के सेक्टर 12 थाना क्षेत्र में पति के सामने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है. बोकारो एसपी हरविंदर सिंह के द्वारा गठित टीम ने 24 घंटे के अंदर सामूहिक दुष्कर्म के चारों आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों का नाम विशाल कुमार, कृष्ण कुमार, अजय कुमार और साहिल कुमार है. बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि महिला और उसका पति मजदूरी का काम करते हैं. 29 मई की रात साढ़े आठ बजे दोनों पति पत्नी बाजार करने दुंदीबाद गए हुए थे. इसी दौरान दोनों पति पत्नी ने शराब का भी सेवन किया था. नशे की हालत में आरोपी विशाल कुमार ने एक टोटो में घर छोड़ने की बात कहकर दोनों को चढ़ा लिया, टोटो कृष्ण कुमार चला रहा था. इसी दौरान घर छोड़ने के बहाने आरोपियों ने दोनों को सेक्टर 12 A स्थित एक खंडहरनुमा स्कूल में ले जाया गया. जहां चारों ने पति के सामने बारी-बारी से महिला के साथ गलत काम किया. घटना को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए थे. घटना को अंजाम देने के बाद महिला की गुहार सुन लोगों ने इसकी सूचना सेक्टर 12 थाने को दी. घटना की जानकारी मिलने पर एसपी ने उद्भेदन के लिए एक टीम का गठन किया था. मामले में महिला की निशानदेही पर विशाल कुमार को गिरफ्तार किया गया. उसके बाद उसके तीनों अन्य साथियों को भी गिरफ्तार किया गया.

प्लास्टिक-मुक्त भविष्य के लिए हम सभी सतत प्रयास कर रहे हैं

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों के अंतर्गत, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के पर्यावरण एवं वन विभाग ने रविवार को रांची स्थित करम टोली तालाब एवं लाइन टैंक क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान इस वर्ष के वैश्विक विषय 'प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' के अनुरूप आयोजित किया गया। अभियान का नेतृत्व महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (पर्यावरण) राजकुमार तथा महाप्रबंधक (वन) पीके सिन्हा, ने किया। इस अवसर पर पर्यावरण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे सीसीएल की पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

हजारीबाग के किसान का बेटा बना स्टेट थर्ड टॉपर

जबकि गिरिडीह की बेटी बनी चौथी टॉपर

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

जिले का बड़कागांव रत्नगर्भा है. एक ओर जहां बड़कागांव देश को कोयला उपलब्ध करा रहा है. वहीं दूसरी ओर यहां के छात्र भी पूरे राज्य भर में अपना परचम लहरा रहे हैं. जिले के एक किसान के बेटा ने पूरे राज्य में विज्ञान संकाय में तीसरा स्थान लाकर पूरे जिले का नाम रोशन किया है. किशोर कुमार ने बड़कागांव प्लस टू हाई स्कूल से पढ़ाई की है. उन्होंने यह साबित कर दिया कि गांव के स्कूल में भी पढ़ाई करके पूरे राज्य भर में कीर्तिमान स्थापित किया जा सकता है. इसके लिए उन्होंने कोचिंग या ट्यूशन भी नहीं ली. कड़ी मेहनत और ईमानदारी से किए गए हर काम का परिणाम सकारात्मक होता है. इस बात को बड़कागांव के रहने वाले किशोर कुमार ने साबित कर दिया है. उसने जैक बोर्ड के इंटरमीडिएट परीक्षा में विज्ञान विषय में राज्य में तीसरा स्थान लाकर इतिहास रच दिया. किशोर कुमार बेहद गरीब परिवार से तालुक रखते हैं. उसके पिता किसान हैं. खेती करके ही पूरे परिवार का भरण पोषण करते हैं. मां घर का काम करती हैं. अभाव भरे जीवन में किशोर कुमार ने यह बता दिया कि ईमानदारी से पढ़ाई किया जाए तो कामयाबी कदम चूमती है. किशोर कुमार की इस उपलब्धि पर बड़कागांव समेत हजारीबाग का नाम राज्य भर में रोशन हो रहा है. किशोर आगे चलकर इंजीनियर बनना चाहते हैं. उन्होंने जेईई मेंस में 96 प्रतिशत अंक भी हासिल किया है. वे जेईई एडवांस परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं. किशोर से एक बड़ी बहन और एक उससे छोटी बहन है. किशोर की सफलता पर परिवार के साथ गांव के लोग भी काफी खुश दिख रहे हैं. किशोर बचपन से ही प्रतिभाशाली रहा है. वो अपनी पढ़ाई-लिखाई में शुरू से अव्वल रहा है. हमेशा स्कूल में पहला स्थान प्राप्त करता था. राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त कर घर परिवार को गौरवान्वित कर दिया है. उनके पिता कहते हैं कि पुत्र के परिश्रम का परिणाम सामने आया है. गिरिडीह की छात्रा साक्षी ने 473 अंक प्राप्त कर पूरे राज्य में चौथा स्थान प्राप्त किया है. इसके साथ ही साक्षी गिरिडीह जिला की टॉपर भी बनी हैं. साक्षी की इस सफलता से उसके परिवार एवं पूरे इलाके में खुशी का माहौल है. साक्षी की इस सफलता पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिका और बच्चे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. रिजल्ट प्रकाशित होने के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। साक्षी गुप्ता जिले के बेंगाबाद प्रखंड अंतर्गत छोटकी खरगडीहा स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय की छात्रा है. उनके पिता एक व्यापारी हैं. साक्षी गुप्ता ने बताया कि वह पढ़ लिख कर आईएएस बनना चाहती हैं. उसका उद्देश्य भविष्य में देश और समाज की सेवा करना है. साक्षी ने बताया कि उसने परीक्षा की तैयारी बहुत मेहनत और लगन से की थी.

जमीन विवाद में समाजसेवी कार्तिक दास की कर दी हत्या

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड में समाजसेवी कार्तिक दास की हत्या कर दी गई. हत्या की वजह जमीन विवाद बताया जा रहा है. घटना को लेकर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है. घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है. पुलिस ने लोगों से शांत रहने की अपील की है. जानकारी के मुताबिक जमीन विवाद को लेकर कार्तिक दास का गोतिया देवनंदन दास से विवाद था. जमीन को लेकर दोनों के बीच मारपीट हो गई, जिसके बाद देवनंदन दास ने कुदाल से कार्तिक रविदास के सर पर हमला कर दिया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई. घटना के बाद परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें जमुआ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. घटना की जानकारी मिलने के बाद भाकपा माले के जिला सचिव कामरेड अशोक पासवान भी पहुंचे और मृतक परिवार को ढांढस देते हुए अपनी संवेदना व्यक्त किया. उन्होंने पुलिस से हत्या के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की.

स्वच्छता अभियान का आयोजन

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों के अंतर्गत, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के पर्यावरण एवं वन विभाग ने रविवार को रांची स्थित करम टोली तालाब एवं लाइन टैंक क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान इस वर्ष के वैश्विक विषय 'प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' के अनुरूप आयोजित किया गया। अभियान का नेतृत्व महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (पर्यावरण) राजकुमार तथा महाप्रबंधक (वन) पीके सिन्हा, ने किया। इस अवसर पर पर्यावरण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे सीसीएल की पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संगीता (महाप्रबंधक, पर्यावरण), जी श्रीनिवास (मुख्य प्रबंधक, पर्यावरण), रजत ठाकुर एवं स्वाति सिंह (प्रबंधक, पर्यावरण), जी विद्या सागर, राजीव कुमार तथा नितेश सिन्हा (उप प्रबंधक, पर्यावरण), शुभम सुयश (सहायक प्रबंधक, पर्यावरण) एवं अन्य कर्मचारियों में इरफान अली खान, पंचम मुंडा, लक्ष्मण, शहनवाज़ आलम एवं संसुन निशा ने भाग लिया। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जलाशयों तथा आस-पास के क्षेत्रों से प्लास्टिक एवं अन्य गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे को हटाया गया। इसका उद्देश्य इन जल स्त्रोतों की पारिस्थितिकीय स्थिति को बहाल करना तथा उनके सौंदर्य को पुनः स्थापित करना रहा।

सुप्रभात | विचार प्रवाह

मेरे मन का राज्य अज्ञान से मलिन है। प्रभु! मुझे आशीर्वाद दें कि आत्मानुशासन के सतत प्रयासों की निरंतर वर्षा द्वारा मैं अपनी आध्यात्मिक लापरवाही के नगरों से, अज्ञान के प्राचीन मलबे को हटाने में समर्थ बन सकूँ। **- श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

राजनीति से अनजान अभिनेता की भाषा राजनीति

पर्दे पर लेखकों की स्क्रिप्ट और निर्देशकों के इशारों पर नाचने वाले कथित हीरो जब नेता बनकर राजनीतिक बयान देते हैं तो विवाद करने वालों को इनकी समझ की समीक्षा करनी चाहिए। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन एक बार फिर गलत वजहों से चर्चा में आ गए हैं। चेन्नई में अपनी नई फिल्म के प्रचार के दौरान कन्नड़ भाषा पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कन्नड़ लोगों में गुस्सा है। विवाद तब हुआ, जब उन्होंने कहा कि कन्नड़ भाषा तमिल से ही पैदा हुई है। इससे भी बदतर बात यह रही कि कमल हासन ने यह बयान मशहूर कन्नड़ अभिनेता शिवा राजकुमार की मौजूदगी में दिया। विडंबना यह है कि शिवा राजकुमार मशहूर कन्नड़ सुपरस्टार दिवंगत डॉ. राजकुमार के पुत्र हैं, जिन्होंने 1980 के दशक में गोकक आंदोलन का नेतृत्व किया था। गोकक आंदोलन कर्नाटक के इतिहास के बेहद चर्चित भाषा अधिकार आंदोलनों में से एक है, जो कन्नड़ को पहली भाषा का दर्जा दिलाने के लिए लड़ा गया था। कमल हासन के बयान के बाद यह मुद्दा राजनीतिक रूप से गर्म हो गया है और कर्नाटक के विपक्षी व सत्तारूढ़ दोनों दलों के नेताओं ने इस मुद्दे को कन्नड़ लोगों के स्वाभिमान से जोड़ते हुए इसकी निंदा की है। अच्छा होता कि कावेरी नदी जल बंटवारे और भाषा संबंधी विवादों को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों के मद्देनजर दिग्गज अभिनेता अपनी सार्वजनिक हैसियत को देखते हुए इस तरह के बयान को देने से पहले थोड़ी सावधानी बरतते। खासकर तब, जब दोनों ही राज्य भाषा के मामले में बेहद संवेदनशील हैं और एक छोटी-सी चिंगारी भी बड़ी आग लगा सकती है। बेलगावी, मैसूर, हुबली और बंगलूरू जैसी कई जगहों पर पहले ही विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। दूसरी तरफ, डीएमके, पीएमके, वीसीके, एनटीके जैसे तमिलनाडु के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों ने कमल हासन का यह कहते हुए खुलकर समर्थन किया कि अभिनेता ने केवल ऐतिहासिक तथ्यों का हवाला दिया है और कुछ पार्टियों ने तो दो कदम और आगे बढ़ते हुए यह दावा भी कर दिया कि 'तमिल सभी द्रविड़ भाषाओं की जननी है।' इसने आग में और घी डालने का काम किया है। इस संदर्भ में यह समझने के लिए कि क्या कमल हासन के बयान का कोई महत्व है या नहीं, इसे इतिहास की कसौटी पर परखना होगा। दशकों तक चले कठिन शोध के बाद भाषाविदों ने पांच द्रविड़ भाषाओं की पहचान की है, जिनमें तमिल, तेलुगू, तुलू, मलयालम और कन्नड़ शामिल हैं। इन्हें 'पंच द्रविड़' कहा जाता है। भाषाविदों के बीच एक बड़ी सहमति है कि लगभग चार हजार वर्ष पूर्व, ये पांच द्रविड़ भाषाएं एक ही भाषा थी, जिसे प्रोटो-द्रविड़ कहा जाता था। हालांकि, इस प्रोटो-द्रविड़ भाषा ने समय के साथ अपना महत्व खो दिया और विलुप्त हो गई। इसकी वजह यह थी कि इस भाषा के बोलने वाले अलग-अलग क्षेत्रों में चले गए और वहां अपनी व्यक्तिगत पहचान स्थापित की। इसी प्रक्रिया में कन्नड़ और तमिल जैसी भाषाएं, जो द्रविड़ परिवार की प्रमुख भाषाएं हैं, एक मूल पूर्वज, यानी प्रोटो-द्रविड़ से अलग शाखाओं के रूप में विकसित हुईं।

चेन्नई में अपनी नई फिल्म के प्रचार के दौरान कन्नड़ भाषा पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कन्नड़ लोगों में गुस्सा है।

जिससे प्रेम हो जाए उससे द्वेष नहीं होता!

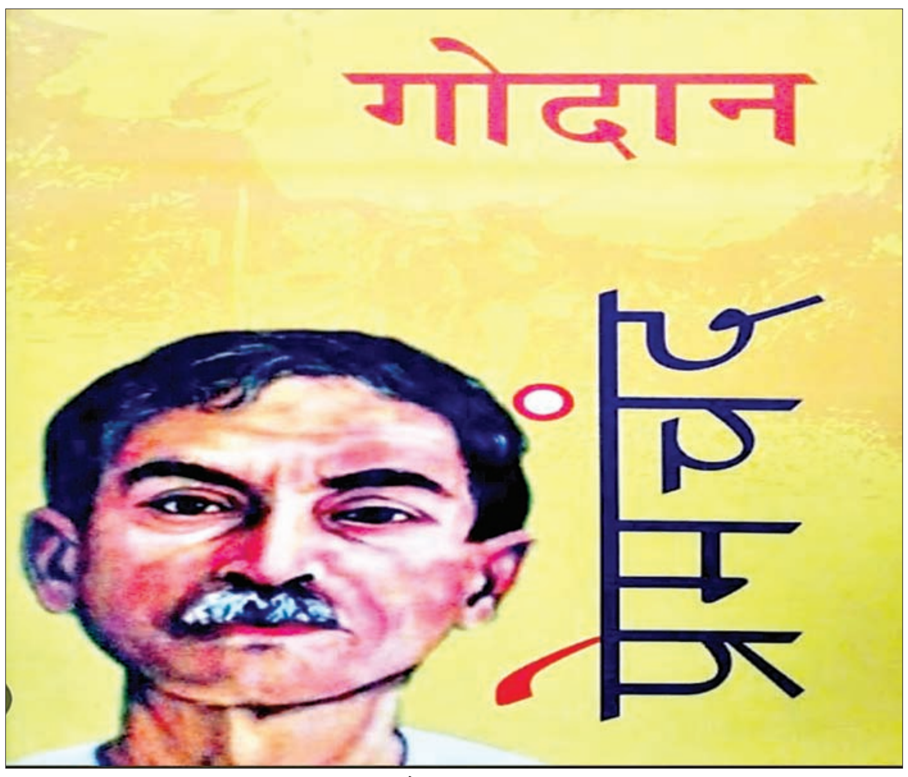

जिससे एक बार प्रेम हो जाए, उससे द्वेष नहीं होता। चाहे वह हमारे साथ कितना ही "अन्याय" क्यों न करें। अस्तित्व में प्रेम एक-दूसरे में खो जाना है। वहां न घटना होती है, न संघर्ष। वह घटना की मृत्यु है और संघर्ष विराम है। प्रेम भी मृत्यु है, एक आनंदपूर्ण मृत्यु। कदाचित इसी कारण प्रेम को अमर माना गया है। सुकरात इस स्थिति के लिए कहता है-नो दाइसेल्फ। भारतीय साहित्य में प्रेमचंद्र का सृजन संसार भी प्रेम की तरह अनूठा और कालजयी है। सुकरात का मानना था कि ज्ञान साक्षात अनुभव से होता है और प्रेमचंद्र का उपन्यास उसी साक्षात अनुभव का जीवंत चित्रण है। एक महान सूक्ति है कि- नदी में दो बार पैर नहीं रखा जा सकता है। वहीं बात प्रेम के लिए है और वही सत्य प्रेमचंद्र के लेखन के लिए है। आप पैर रख दिए, तो प्रेम और सृजन के एक अमिट संसार में चले गये, जहां से वापस आना असंभव नहीं तो कठिन जरूर होता है। यह इसलिए हो सका कि प्रेमचंद के लेखन में यथार्थवाद प्रमुखता से शामिल था। इस यथार्थ में कोई वैचारिक मिलावट नहीं होता है। उनका उपन्यास "गोदान" एक अनूठे प्रेम की गाथा है, जिसमें होरी अपने जीवन की इच्छा को पूरा करने के लिए वह सब कुछ करता है जो वह कर सकता है। यह एक ऐसी पुस्तक है जिसमें कोई इच्छा नहीं है, एक जीवन अनुभव है जिसे आप नहीं जीते हैं। बाद में आप खुद को छोटा और अनुभवी और छोटा और जिम्मेदार महसूस करते हैं। यहां एक दिलचस्प प्रेम की दुनिया है जहां मानव मन कुछ चाहने लगता है तो उसको पाने के लिए हर संभव प्रयास करता है। गाँव की पृष्ठभूमि पर आधारित और ऐसे लोगों के जीवन पर आधारित उपन्यास मेरे लिए पूरी तरह से अपनापन का बोध हैं। गोदान प्रेमचंद का सबसे प्रसिद्ध उपन्यास है। यह एक गरीब किसान और उसके परिवार के अस्तित्व और आत्मसम्मान के संघर्ष की कहानी है। कहानी होरी और उसके परिवार की है। यह उसके पड़ोसियों, नियोक्ताओं, पुजारियों और उसके आस-पास के अन्य लोगों की भी कहानी है। गोदान स्वतंत्रता-पूर्व हिंदी पट्टी का एक जीवंत चित्रण करता है। यह किताब 1936 में प्रकाशित हुई थी, लेकिन आश्चर्यजनक है कि यह आज भी प्रसांगिक है। विगत 90 साल के वही मुद्दे आज भी बहुत गंभीर रूप से मौजूद हैं। कहानी पूरी तरह से गाय की इच्छा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे धन माना जाता है। होरी साहूकारों के भारी कर्ज में है, जो बहुत ऊंची दर पर ब्याज लेते हैं। उसकी सारी कमाई ब्याज चुकाने में चली जाती है और वह कभी भी मूलधन वापस नहीं कर पाता, इस तरह वह कभी भी कर्ज से बाहर नहीं निकल पाता। अमीर और अमीर होते जाते हैं और गरीब और गरीब होते जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में गाय पाना असंभव लगता है। लेकिन हालात होरी को गाय दिलाने की साजिश करते हैं। लेकिन गाय आशीर्वाद से ज्यादा विपत्ति लेकर आती है। इस किताब में दिलचस्प बात यह है कि होरी और उसकी पत्नी धनिया खुद अपराधी और पीड़ित दोनों हैं। वे प्रतिष्ठा और सम्मान की निरर्थक अवधारणाओं से इतने बंधे हुए हैं कि वे कर्ज चुकाने या पैसे का इस तरह से इस्तेमाल करने के बजाय बेमतलब की चीजों पर पैसा बरबाद कर देते हैं जिससे वे दुष्चक्र से बाहर नहीं निकल सकें। यहां तक कि जब उसका बेटा गोबर बैंकों द्वारा ली जाने वाली दर पर पैसे वापस करने की पेशकश करता है, तो होरी ब्राह्मणों के डर को अपने सामान्य ज्ञान पर हावी होने देता है और प्रस्ताव को अस्वीकार कर देता है। इसी तरह, धनिया अपनी बेटी की शादी के लिए दहेज देने पर जोर देती है, भले ही इसकी जरूरत न हो। जब लोगों को गड्ढे से बाहर निकलने की कोशिश करनी होती है तो सामाजिक कंडीशनिंग प्रत्यक्ष उत्पीड़न जितनी ही मजबूत लगती है।

आज की बात

डॉ मयंक मुरारी

गोदान के माध्यम से प्रेम को पुनर्परिभाषित किया गया है। गांव जब घर बन जाए, पड़ोसी जब अपना लगने लगे और उसकी समस्या हमारी समस्या हो जाए। जब कोई भूखे रहे, तो हमको भूख महसूस हो जाए, ठंड की अनुभूति तब हो जब किसी के पास तन ढ़कने का कपड़ा न हो। उस पल में हम अपना गर्म कपड़ा देने को सोचे। यह प्यार ऐसा है, जिसमें हम दूसरे को अपना समझने लगते हैं। प्रेमचंद्र की कहानी हो, उपन्यास हो या अन्य सृजन संसार। उन्होंने समाज को अपनी यथार्थ लेखनी के माध्यम से एक कटु परंतु सार्थक दुनिया से अवगत कराया। क्या इसके पीछे महात्मा गांधी की जीवन प्रेरणा थी ! उनकी लेखनी से यह दिखता है। 1920 के दशक में महात्मा गांधी असहयोग आंदोलन और सामाजिक सुधार के लिए संघर्ष के कार्यक्रम चलाए हुए थे। इस अवधि के दौरान, उनकी रचनाएँ गरीबी, जमींदारी शोषण (प्रेमाश्रम, 1922), दहेज प्रथा (निर्मला ,1925), शैक्षिक सुधार और राजनीतिक उत्पीड़न (कर्मभूमि, 1931) जैसे सामाजिक मुद्दों से निपटती थीं। अपने अंतिम दिनों में, उन्होंने जटिल नाटक के मंच के रूप में ग्राम जीवन पर ध्यान केंद्रित किया, जैसा कि उनके सबसे प्रसिद्ध कार्य गोदान के साथ-साथ लघु-कथा संग्रह कफन (1936) में देखा गया है। उनके साहित्य को केवल ग्राम्य मान लेना ठीक नहीं, क्योंकि जब देश की 90 फीसदी आबादी ग्रामीण थी, तो सृजन का संसार तो ग्रामीण पृष्ठभूमि से रहेगा। गोदान इस बात को अच्छी तरह से दर्शाता है कि प्रेमचंद ने अपने सभी पात्रों के साथ आशा और निराशा, खुशी और दुख, महत्वाकांक्षा और लालच तथा हर संभव मानवीय भावना को बखूबी चित्रित किया है। प्रेमचंदजी ने मनुष्य की आशाओं और चाहतों का जो विवरण दिया, उसमें गोदान रची गई है, वह बिरला भी है। पूरे उपन्यास में एक बार भी ऐसा नहीं लगा कि किसी भी सिद्धांत, नियम, स्थिति, धारणा या सिद्धांत को किसी भी पहलू से देख या बता रहे हैं। भारतीय हिंदी साहित्य में यह बात प्रेमचंद्र को महान और उनके रचना संसार को विराट बनाता है। हिंदी साहित्य की विडंबना यही रही कि हम साहित्य सृजन करते समय यह भूल जाते है कि रचनाकार का कोई विचार नहीं होता है। अगर होता है, तो वह पात्र के माध्यम से भी दृष्टिगोचर नहीं होना चाहिए। प्रेमचंद अपने साहित्य के माध्यम से समय और समाज के चित्र को रखते हैं। जैसा उसका विवरण है वैसा ही उसका आदर्श भी है। हर हिंदी भाषी को यह जरूर जानना चाहिए कि प्रेमचंद हिंदी साहित्य की उत्तम रचना क्यों कर सके। इसके लिए यह किताब एक दस्तावेज है। यह किताब साहित्य का एक शानदार उपहार है। इसके किरदार इतने जीवंत लगते हैं कि हम भूल जाते हैं कि वे किसी किताब से हैं। हम किरदारों के दर्द को महसूस करते हैं, हम उनके साथ आनंद लेते हैं, संक्षेप में आप वही महसूस करते हैं जो वे महसूस करते हैं। एक बेहतरीन दार्शनिक स्पर्श के साथ एक पूरी तरह से ज्ञानवर्द्धक उपन्यास।

(महान साहित्यकार प्रेमचंद्र की कालजयी रचना गोदान पर विचार मीमांसा)

फेसबुक पर फेम का फंदा

लालबाबू का फेसबुक प्रोफ़ाइल देखिए, तो लगेगा जैसे साहित्य अकादमी पुरस्कार उनके ही नाम लिखा हो और गूगल भी इनके स्टेटस अपडेट देखकर हिंदी में सोचने लगा हो। सुबह की शुरुआत ब्रह्ममुहूर्त में नहीं, ब्राउज़मुहूर्त में होती है। आँख खुलते ही स्क्रीन पर अंगुली फिरा कर स्क्रॉल-वंदना करते हैं, जैसे कोई सच्चा भक्त रामचरितमानस खोलकर रामनाम का जप करता हो। हर कमेंट पर "धन्यवाद मित्र" लिखते हैं, जैसे कमेंट नहीं, आशीर्वाद आ रहे हों। और अगर किसी ने 'वाह' के आगे दो एक्सक्लेमेशन लगा दिए, तो समझिए, उस पर तो लालबाबू अगली कविता ही समर्पित कर देंगे। "भाई साहब, साहित्य क्या है?" एक नासमझ ने कभी उनसे पूछ लिया था। लालबाबू ने सीना फुलाते हुए कहा, "साहित्य वही है जो फेसबुक पर 100 लाइक ला सके।" "बाक़ी सब?" "बाक़ी सब खड़िया मिट्टी है। रंग तो बस मेरी पोस्टों में है।" एक दिन किसी ई-पेपर के वार्षिक विशेषांक में छपी उनकी रचना ने तो सोशल मीडिया पर ऐसा धमाका किया, मानो उनकी कविता नहीं, कोई चुनावी घोषणा-पत्र प्रकाशित हुआ हो। हर पोस्ट में, हर जगह, हर कोने में 'बकलोल टाइम्स' का नाम चिपकाया गया। जैसे कोई सास, अपनी बहू को मिस वर्ल्ड जीतने पर पड़ोसियों को बार-बार याद दिलाती है—"हमारी बहू है ये!" वैसे ही लालबाबू भी कहते—"मेरी रचना है ये!" यहाँ तक कि चायवाले को भी उन्होंने स्क्रीनशॉट दिखा दिया—"देख, यही है आज की राष्ट्रीय उपलब्धि!" उनका मानना है कि साहित्य में वही विधा श्रेष्ठ है जिसमें उन्होंने सृजन किया है। बाक़ी सब—"वो सब तो व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के छात्र हैं!" जब शहर में कोई साहित्यिक कार्यक्रम होता है और मंच पर उन्हें जगह नहीं मिलती, तो वह इतना तिलमिला जाते हैं जैसे कोई ताजपोशी उनके सिर की बजाय पड़ोसी की छत पर कर दी गई हो। "हम न बुलाए गए? अच्छा! अब देखिएगा!" और फिर उनके चेले वहाँ जाते हैं, हंगामा करते हैं, मंच गिराते हैं, माइक खड़खड़ाते हैं। इधर मंच गिरता है, उधर लालबाबू पोस्ट करते हैं—"मंचीय भ्रष्टाचार के विरोध में चेलों ने किया विरोध।" पंच लाइन के पिटारे से जब भी कुछ फुरसत मिलती, वह किसी बड़े साहित्यकार के पोस्ट पर जाकर "लाजवाब, उत्कृष्ट" टाइप टिप्पणी कर आते। मतलब—"तेल तो लगा दिया, अब देखो कब हमारी भी बारी आए।" कभी-कभी वह अपनी पुरानी पोस्टों पर खुद ही कमेंट कर देते—"वाह! क्या लिखा है!" फेसबुक को शायद कभी समझ में न आए कि ये कमेंट लेखक का है या पाठक का। लेकिन उन्हें क्या? वो तो स्वयं ही रचयिता, स्वयं ही आलोचक।

आपकी बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सिंदूर सुहाग नहीं बल्कि सुंदरता, सौभाग्य सुख व काम के रंग को भी सुर्ख बनाता है

पहलगाम की घटना के बाद हमारा सिंदूर इन दिनों कहीं अधिक लाल हो गया है। भारतीय संस्कृति के लिए सिंदूर की लाली का कमाल कोई नई बात नहीं है। यह इसी सुर्ख रंग का कमाल है कि इसकी आभा से विश्व का कोना कोना आज लाल होकर रह गया है। इस चर्चा के मूल में भारतीय सैन्य शौर्य की कोख से निकला "ऑपरेशन सिंदूर" जरूर है परन्तु "सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्। सुखदं कामदं चैव सीमन्ते धारयाम्यहम्।" के आलोक में यह ललाट के मध्य भाग को सुशोभित करने की क्षमता के साथ साथ रक्त वर्ण वाला हमारा सिंदूर सुंदरता, सौभाग्य, सुख और काम को बढ़ाने वाला भी बना हुआ है। निसंदेह सुहाग से जुड़ा होने के कारण यह एक पवित्र और महत्वपूर्ण सनातनी प्रतीक है परन्तु भारतीय संस्कृति की खुबी देखिए, यह वही सिंदूर है जिसके बूते हम उस पुरूषार्थ की कामना करते हैं जो खुद में सुख, काम व सौभाग्य की ओर ले जाने की भरपूर क्षमता का रखता है। संदर्भवश दर्शन की दृष्टि से देखें तो सिंदूर की यह लाली केवल श्रृंगार की बस्तु भर नहीं है क्योंकि यदि इतनी सी बात होती तो इसे धर्म (कर्तव्य), अर्थ (समृद्धि), काम (आनंद) व मोक्ष (मुक्ति) प्राप्ति का माध्यम नहीं माना जाता। इसके इस महत्त्व के बावजूद "ऑपरेशन सिंदूर" के आलेक में आजकल मजे से उस सिंदूर को लेकर दुर्भाग्यपूर्ण व उपहास की बातें दर्ज की जा रही हैं जिसे हमने सदैव धर्म व संस्कृति के साथ जोड़कर देखा है। इसे ही तुच्छ राजनीति कहा जाता है और ऐसी गंदी राजनीति के कारण विवाह व परिवार के प्रति समर्पण के इस प्रतीक को आज कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इधर देश के सत्ताधारी दल ने भी घर घर सिंदूर जैसे एक कार्यक्रम की घोषणा की है। इस कार्यक्रम की आलोचना हो सकती है और विपक्ष को इसके विरोध का पूरा अधिकार भी है परन्तु किसी भी दल या नेता को इस बात की इजाजत कतई नहीं दी जा सकती कि वह हमारे धर्म व संस्कृति के महत्वपूर्ण धरोहर के तौर पर स्थापित सिंदूर का माखौल उड़ाने लगे। इस बात की इजाजत इसलिए भी नहीं दी जा सकती क्योंकि हमारे सैन्य बलों के शौर्य का धर्म सिंदूर की उसी लाली के साथ जुड़ा हुआ है जो शौर्य, पुरूषार्थ, धन और समृद्धि के प्रतीक के रूप में सदियों से स्थापित रहा है। हमारा दुर्भाग्य देखिए, बिना समझे बूझे सोशल मीडिया भी बहुत मुखर बना हुआ है और इसे लेकर प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति पर भी व्यक्तिगत हमले किए जा रहे हैं।

देश की बात

केदारनाथ दास

इन हमलों में आपत्ति इस तर्क के साथ किया जा रहा है कि सिंदूर सिर्फ सुहाग का प्रतीक है और इसका उपयोग अपने पति की लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना के लिए किया जाता है। निसंदेह सिंदूर में सुहाग का श्रृंगार भी समायोजित है परन्तु हमारे लिए तो यह मोक्ष का माध्यम भी है और सांसारिक सुख का कारक भी है। इतना ही नहीं, एक चुटकी सिंदूर को अपने कुतर्कों से मलिन करनेवाले तत्वों को यह भी पता नहीं है कि भारतीय संस्कृति में सात जन्मों तक साथ निभाने वाले पति का स्वरूप परमेश्वर का होता है। ऐसे में पीड़ा इस बात को लेकर होती है कि इस तिरस्कार के साथ हम परमेश्वर की पूरी अवधारणा में से प्यार, आनंद, स्नेह, पुरूषार्थ आदि को भी नकाराते चले जा रहे हैं। इन हमलों का उद्देश्य अभी अस्पष्ट है परन्तु इसमें से भारतीय परंपराओं और समग्र सनातनी इतिहास को कठघरे में खड़ा करने की बू जरूर आ रही है। संदर्भवश सैकड़ों उदाहरण गिनाए जा सकते हैं जबकि पुरूषार्थ को समर्पित हमारे इस धरोहर का सुर्ख लाल रंग शुभ है, सौभाग्य का प्रतीक है व देवी देवताओं की आराधना सहित विभिन्न शुभ अवसरों पर पूरे मनोयोग के साथ उपयोगी है। बहरहाल भारतीय सेना का आभार कि उन्होंने आतंकवाद उन्मूलन के अपने संकल्प की मिसाइल के लिए इस पवित्र सिंदूर की लाली वाले लॉंचिंग पैड का चयन किया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

सोचा था, हम वक्त से , खेलेंगे इस बार।
वक्त हमीं से खेलकर, चला गया हर बार।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

व्यक्त करना आभार

एक ही शहर के हम तीन हिंदी साहित्यसेवी एक संध्या संयोग से रामु की पान दूकान पर इकठ्ठे मिल गए। मैं तो नियमित रूप से जाने वाला था और वर्षों हुए, आँधी -पानी भी इसमें व्यवधान डालने में सफल नहीं हुए। लेकिन लेखक, आलोचक और स्तम्भकार (तीनों एक के बाद एक कहलाने वाले) एच एस विद्रोही (एच एस का अर्थ वे हिंदी साहित्यकार बताते हैं , इधर से होकर अपने ससुराल जाते समय अचानक पान खाने रुक गए थे। कवि धुरंधर जी अपनी कुँवारी साली साहिबा से मिलने जा रहे थे , क्योंकि उनकी पत्नी किसी सहेली के घर किट्टी पार्टी में गयी थी। कविवर अपनी साली महोदया के लिए अचानक ही मीठा पान बंधवाने के लिए आए थे। इन दोनों के अलग-अलग गुट हैं और दोनों एक दूसरे के घोर विरोधी भी हैं। अगर मैं नहीं होता तो अश्यम्भावी था कि दोनों एक -दूसरे पर पिल पड़ते। लेकिन मेरी उपस्थिति में वे परस्पर सौहार्द प्रकट करने में असमर्थ हो रहे थे। अपना न कोई गुट है और न राजनैतिक विचारधारा। एकदम सपाट शब्दों में तटस्थ ।इसलिए विवश हो रहे थे एक -दूसरे से बचने के लिए । तभी रामु ने उपस्थित होने के समय के नियम का पालन कर मुझे पहले पान का बीड़ा बढ़ाया। मैंने पान का बीड़ा लिया और सावधानी से दोनों के बीच में अपना हाथ बढ़ाया । दोनों सकुचा गए। मुझे आनंद आने लगा। जान बूझकर मैंने दोनों के मध्य देखकर कहा - पहले आप लीजिए । ताकि दोनों यह समझें कि उन्हें ही विनम्र अनुरोध किया है । दोनों एकसाथ बोल उठे- पहले आप । मैंने पान का बीड़ा अपने मुँह में रखा और धीरे से उसे अंदर गाल के दायीं तरफ जिह्वा से खिसका दिया , जिससे वार्तालाप में व्यवधान न हो । मैंने रामु को संकेत कर दिया कि बाकी दोनों एक साथ । अब दोनों ने एक साथ पान उठाया। अभी तक संतुलन बना हुआ देखकर मैंने बात प्रारम्भ की। मैं - सुना है कि डाक्टर त्रिशंकु जी अपने शहर में आए हुए हैं। पास में ही ठहरे हैं। आप दोनों जानते होंगे उनको । अरे वे वही हैं जो इस वर्ष राजभाषा विभाग द्वारा दिल्ली में सम्मानित हुए हैं। सुना है, बड़े विद्वान् हैं । लोग बताते हैं कि उनके दर्शन मात्र से साहित्य में लोग बहुत कुछ सीख लेते हैं। क्यों न हम तीनों अभी उनसे मिल लें। दोनों मेरे इस अकस्मात दिए गए प्रस्ताव पर सोचने लगे। सोचने में हुए विलम्ब का लाभ मैंने ले लिया। मैं - मौनं सम्मति लक्षणम। चलिए चलते हैं। मैंने उन्हें न कहने का अवसर तक न दिया और इससे पहले वे दोनों विपरीत दिशाओं में फूट लें , मैंने दोनों को अपने दोनों हाथों से पकड़ लिया और फिर मैं दोनों को खींचते हुए बढ़ चला। बचने का कोई विकल्प न देख दोनों साथ चलने लगे। मार्ग में मैंने कहा- देखिए, घनघोर नामी साहित्यकार हैं, तटस्थ हैं। लेकिन अगर विनम्रता दिखाएँगे और वे इससे प्रसन्न हो गए तो किसी राज्य से कोई बड़ा सम्मान दिलवा सकते हैं। इतना सुनकर दोनों के कसे हुए हाथ ढीले हुए। हमलोग डॉ त्रिशंकु के पास आ चुके थे। हमें देखते ही त्रिशंकु जी ने तीव्रता से अपने झोले से पाँच पुस्तकें निकाली और उसे सामने इस प्रकार रखा जिससे हमें लेखक के नाम पढ़ने में कठिनाई न हो। हमलोगों ने डॉ त्रिशंकु को नमस्कार किया। डॉ त्रिशंकु ने प्रणाम करने की मुद्रा बनाई और उनके मुखमंडल को देखकर यह विश्वास हो गया कि वे अभिवादन स्वीकार कर हमलोगों पर असीम कृपा कर रहे हैं। उनका भाव अब तटस्थ हो गया था। परिचय के बाद कवि धुरंधर जी ने नमस्कार की मुद्रा में हाथ जोड़े झुककर कहा- आपके दर्शन से धन्य हुआ। तुरंत ही डॉ विद्रोही जी ने उनके चरण छू लिए और कहा- आपकी चरणधूलि अपने मस्तक धरता हूँ। डॉ त्रिशंकु इस आक्रमण से स्तब्ध दिखे। मैं चुप रहा।अब अकारण ही दोनों के बीच विनम्रता और डॉ त्रिशंकु की प्रशंसा करने की आपसी प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ हो गयी । तभी जजमान , जिनके घर डॉ त्रिशंकु ठहरे थे, चाय नाश्ता लेकर स्वयं उपस्थित होने प्रकट हुए। अब दोनों के आभार का गंगाजल जजमान पर भी छिड़क दिया। डॉ त्रिशंकु की प्रशंसा रुकी नहीं। एक से बढ़कर एक शब्दावली चलने लगी और प्रशंसा करनी की आपसी प्रतिस्पर्धा कल्पना के संसार का विचरण कराने लगी। तभी डॉ त्रिशंकु उठकर बिना कुछ बोले अंदर चले गए और जाते-जाते मुझे अंदर आने का संकेत कर गए। मैं उनके पीछे अंदर चला आया। वे धीरे से बोले- किन बौड़मों को ले आए हो। प्रशंसा ही भी कोई सीमा होती है जी। झूठ बोलने की भी एक कला होती है। बौड़म हैं। मैंने हाथ जोड़ दिए। वे बोले- अब इन दोनों को ले जाइए। रात में अकेले आइए। मैं बाहर आ गया और दोनों को साथ लेकर उनके ठहरने के स्थान से निकल गया। बाहर आते ही दोनों एक साथ बोल पड़े- उन्होंने हमारे बारे में क्या कहा? मैं - आप दोनों के प्रति उन्होंने आभार व्यक्त किया है । फिर दोनों विपरीत दिशाओं में चले गए। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

अलग बात

डॉ प्रशान्त करण

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अयोध्या जाना चाहती हैं मिस वर्ल्ड ओपल सुचाता

ओपल सुचाता ने राम मंदिर के दर्शन की जाहिर की इच्छा

एजेंसी। मुंबई

मिस वर्ल्ड 2025 का खिताब जीतने वाली थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगसरी ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत के कई मंदिरों के दर्शन करने की इच्छा जाहिर की। उनकी इस सूची में अयोध्या का राम मंदिर भी शामिल है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए भारत और थाईलैंड के बीच सांस्कृतिक रिश्तों के बारे में खुलकर बताया। उन्होंने कहा, "मैं भारत के बहुत से मंदिरों को देखना चाहती हूं। मुझे ये जगहें बहुत सुंदर और खास लगती हैं।

जैसे मैंने कहा, भारत और थाईलैंड की संस्कृति और परंपराएं एक-दूसरे से काफी मिलती-जुलती हैं। इसलिए इन जगहों को देखना और जानना बहुत अच्छा अनुभव होगा। मिस वर्ल्ड 2025 में दुनियाभर से करीब 108 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। भारत की ओर से मॉडल नंदिनी गुप्ता ने इसमें हिस्सा लिया। हालांकि, वे मिस वर्ल्ड 2025 के खिताब की दौड़ में टॉप-20 तक ही जगह बना सकीं। चेक गणराज्य की मौजूदा मिस वर्ल्ड क्रिस्टीना पिस्जकोवा ने अपना ताज नई मिस वर्ल्ड चुआंगसरी को सौंपा। यह थाईलैंड की पहली बड़ी ब्यूटी पेजेंट जीत है। अपनी इस जीत पर आईएएनएस से बात करते हुए चुआंगसरी ने कहा, "यह मेरे लिए बहुत बड़ी सफलता है।

तेलंगाना की महिलाओं से प्रेरित हुईं चुआंगसरी

गौरतलब है कि भारत और थाईलैंड के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक रिश्ता काफी पुराना है। थाईलैंड में भारत के प्रसिद्ध ग्रंथ 'रामायण' को 'रामकियेन' कहा जाता है। यह कहानी थाईलैंड की किताबों, कला और राजा-महाराजाओं की परंपराओं पर गहरा असर डालती है। 'रामकियेन' में हनुमान जी को खास जगह दी गई है। उनके चंचल व्यवहार को चित्रित किया गया है। चुआंगसरी ने तेलंगाना की महिलाओं के लिए एक खास संदेश दिया।

भाजपा-टीएमसी हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती है : अधीर रंजन चौधरी

मुर्शिदाबाद (आईएएनएस)

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को यहां की आम जनता के विकास से कुछ भी लेना-देना नहीं है। दोनों पार्टियां सिर्फ सत्ता पाने के लिए हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बंगाल दौरे को लेकर रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पीएम मोदी का चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। जहां पीएम मोदी जाएंगे, वहां जाने से अमित शाह पीछे कैसे रह सकते हैं।

चौधरी ने कहा कि मकसद साफ है कि बंगाल में चुनाव को लेकर जंग शुरू हो गई है। केंद्र और राज्य सरकार में तनातनी शुरू हो गई है। पीएम मोदी के संबोधन का लगातार ममता बनर्जी की ओर से विरोध किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि पीएम मोदी किन-किन मुद्दों पर भाषण देंगे, दीदी को पहले से ही पता चल जाता है। इसीलिए, मीडिया के सामने वह पीएम मोदी के भाषणों में उठाए गए मुद्दों का विरोध जताती हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में आम लोगों की बात नहीं होती है। बंगाल में रोजगार, कारोबार पर चर्चा नहीं होती है।

तेजप्रताप यादव के राजद से आधिकारिक निष्कासन का कार्यालय आदेश जारी

राजद ने तेजप्रताप यादव पर की बड़ी कार्रवाई

पटना (आईएएनएस)

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को तेजप्रताप यादव को आधिकारिक रूप से पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने इस संबंध में एक कार्यालय आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी है। दरअसल, तेजप्रताप यादव को पार्टी से निष्कासित करने का यह आदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी की ओर से जारी किया गया है। आदेश में कहा गया, "राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश के आलोक में तेजप्रताप यादव को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षों के लिए निष्कासित किया जाता है।" इससे पहले, राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के माध्यम से तेजप्रताप यादव को पार्टी से निकाले जाने के बारे में जानकारी दी थी।

लालू प्रसाद ने 25 मई को अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा था, "निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की

अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है।" उन्होंने आगे कहा था, "अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव पहले से शादीशुदा हैं। तेजप्रताप यादव की शादी ऐश्वर्या राय से हुई थी। हालांकि, दोनों के बीच तलाक का मामला अभी कोर्ट में चल रहा है। ऐसे में अचानक एक महिला के साथ तेजप्रताप की तस्वीर वायरल होने के बाद खलबली मच गई थी और उसके बाद लालू ने उन्हें पार्टी और परिवार से बेदखल कर दिया।

नैतिक मूल्यों की अवहेलना का आरोप

- लालू ने कहा कि तेजप्रताप का व्यवहार और लोक आचरण पारिवारिक मूल्यों के खिलाफ है।
- उनके गैर जिम्मेदाराना रवैये से सामाजिक न्याय की लड़ाई कमजोर होती है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

ईओडब्ल्यू और ईसीबी की बड़ी कार्रवाई कारोबारी विजय भाटिया गिरफ्तार

दुर्ग (आईएएनएस)

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू और ईसीबी ने रविवार

को बड़ी कार्रवाई की। ईओडब्ल्यू और ईसीबी के अधिकारियों ने दुर्ग में भिलाई के कारोबारी विजय भाटिया के नेहरू नगर स्थित घर में छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान ईओडब्ल्यू और ईसीबी ने कारोबारी विजय भाटिया को दिल्ली से गिरफ्तार किया। दरअसल, छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित आबकारी घोटाले के मामले में ईओडब्ल्यू और ईसीबी ने रविवार सुबह कारोबारी विजय भाटिया के नेहरू नगर स्थित घर पर छापा मारा। इसके अलावा, विजय भाटिया के मैनेजर संतोष रामटेके के घर में भी छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में कई अधिकारी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि ईओडब्ल्यू और ईसीबी ने छत्तीसगढ़ में हुए कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मामले में ये कार्रवाई की है।

सख्ती : सीबीआई ने रिश्वत मामले में आईआरएस अधिकारी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक वरिष्ठ भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी और एक व्यक्ति को 25 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आईआरएस अधिकारी वर्तमान में करदाता सेवा निदेशालय में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर तैनात हैं। सीबीआई ने रविवार को मामले में एक बयान जारी कर बताया कि सीबीआई ने 2007 बैच के एक वरिष्ठ भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी और एक व्यक्ति को 25 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह अधिकारी वर्तमान में नई दिल्ली में करदाता सेवा निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत है।

आज का राशिफल

मेष : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा।

वृष : अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

मिथुन : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

कर्क : समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह : पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

कन्या : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे।

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं।

धनु : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें।

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा।

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

कोलकाता में अमित शाह ने भरी हुंकार

ममता पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप, मुर्शिदाबाद दंगों पर सवाल

नई दिल्ली । एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विजय संकल्प सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन अधिनियम का 'विरोध' कर रही हैं। इसके अलावा, गृह मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगे 'राज्य प्रायोजित' थे। बनर्जी पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा, 'वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है।

कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।'

शाह ने कहा कि आपने (ममता बनर्जी) ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओं–बहनों के साथ खिलवाड़ किया है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर ममता पर तीखा हमला

- शाह ने कहा कि पाक-प्रेरित आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया।
- ममता बनर्जी ने इसका राजनीतिक बयानबाज़ी के जरिए विरोध किया।

असम में बाढ़ संकट के बीच अमित शाह ने दिया हरसंभव मदद का भरोसा

गुवाहाटी। असम में मूसलधार बारिश से उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन की गंभीर स्थिति के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को बताया कि गृह मंत्री ने उन्हें फोन कर हालात की जानकारी ली और सभी जरूरी मदद देने का वादा किया। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "गृह मंत्री अमित शाह ने थोड़ी देर पहले मुझे फोन कर असम में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मैंने उन्हें अब तक की गई तैयारियों से अवगत कराया। हम उनके संवेदनशील रवैये और सहयोग के लिए आभारी हैं।" राज्य के 12 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन से हालात बेहद खराब हैं। अब तक 58,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

01 जून को ब्रह्मपुत्र नद डिब्रूगढ़ में खतरे के निशान को पार कर गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

1 जून को ब्रह्मपुत्र नद डिब्रूगढ़ में खतरे के निशान को पार कर गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, अबतक आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 175 गांव प्रभावित हुए हैं। जिनमें 3 की मौत बाढ़ में और 5 की भूस्खलन में हुई है। ये मौतें गोलाघाट, लखीमपुर और कामरूप (मेट्रो) जिलों में हुई हैं। गोलाघाट और गुवाहाटी में बच्चों की भी जान गई हैं। सात हजार से अधिक लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। धेमाजी, दक्षिण सालमारा, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, गोलाघाट और कार्बी आंगलोंग के 175 गांव प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने 16 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां 7000 से अधिक लोग शरण लिए हुए हैं।

पूर्वोत्तर भारत में मानसूनी बारिश का कहर

25 से अधिक लोगों की मौत असम सबसे ज्यादा प्रभावित

असम । एजेंसी

रविवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि पूर्वोत्तर भारत में लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण व्यापक भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, असम की राजधानी गुवाहाटी में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। यहां हुए भूस्खलन के कारण कई घर मलबे में दब गए, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह त्रासदी तब हुई जब भारी बारिश ने शहर को पूरी तरह से जलमग्न कर दिया, जिससे पहाड़ियां और ढलानें अत्यधिक कमज़ोर पड़ गईं। स्थानीय अधिकारियों ने नागरिकों को फिर से चेतावनी जारी की है और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

वहीं, भूस्खलन के अलावा, राज्य के अन्य हिस्सों में बाढ़ ने भी तीन और लोगों की जान ले ली। इनमें गोलाघाट जिले में दो और लखीमपुर जिले में एक व्यक्ति की मौत शामिल है। यह प्राकृतिक आपदा पूर्वोत्तर भारत में मानसून के शुरुआती चरणों में ही एक गंभीर चुनौती बन गई है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। बचाव कार्य जारी हैं और प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा रही है।

अरुणाचल प्रदेश में सात की मौत : अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ के कारण सात लोगों की मौत हो गई, जब एक वाहन बाढ़ के पानी में बह गया। इसके अलावा, दो लोग डूब गए, जिससे राज्य में मरने वालों की संख्या नौ हो गई। मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय में भी आठ लोगों की मौत हुई है।

1. **मणिपुर में दैनिक जीवन ठप्प :** मणिपुर में तीन दिनों से हो रही बारिश ने राजधानी इंफाल में दैनिक जीवन को ठप्प कर दिया है। शहर के कई हिस्सों में जलभराव की खबरें हैं, जिसके कारण अधिकारियों ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है और निवासियों को निकालने का आग्रह किया है।
2. **उत्तर सिक्किम में फंसे 1000 से ज्यादा पर्यटक :** उत्तर सिक्किम में लगभग 1,500 पर्यटक फंसे हुए हैं, क्योंकि भूस्खलन के कारण मुख्य सड़क अवरुद्ध हो गई है। इसके अलावा, मंगन जिले में तीस्ता नदी में एक वाहन गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य लापता हो गए।
3. **भारतीय मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की :** भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है। असम के कुछ हिस्सों के लिए लाल और नारंगी अलर्ट जारी किए गए हैं, जबकि बाकी पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए नारंगी और पीले अलर्ट जारी किए गए हैं।

पाक जासूसी रैकेट

एनआईए की 8 राज्यों में बड़ी कार्रवाई, 15 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में देश भर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई। दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में पाकिस्तान खुफिया संचालकों (पीआईओ) से जुड़े संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली गई।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट, तीन बच्चों समेत चार लोग घायल

सुंदर नगरी । एजेंसी

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में शनिवार दोपहर एक गोदाम में सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण तीन नाबालिग भाइयों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विस्फोट शाम करीब साढ़े चार बजे एक भंडारण एवं मरम्मत इकाई में हुआ, जहां मरम्मत कार्य के दौरान कथित तौर पर सिलेंडर फट गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारी ने बताया कि घायलों की पहचान तीन भाइयों

साकिब (7), अब्बास (9) और राजा (3) के अलावा अरशद (22) के रूप में हुई। तीनों बच्चे अफसार नामक व्यक्ति के पुत्र हैं। उन्होंने बताया कि साकिब 90 प्रतिशत, अब्बास और राजा 85 प्रतिशत तथा अरशद 70 प्रतिशत तक झुलस गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय अरशद गोदाम के अंदर काम कर रहा था। विस्फोट की सूचना मिलने पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने बताया, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चार मंजिला आवासीय इमारत के भूतल पर एक दुकान में सीएनजी सिलेंडर रखे जा रहे थे और उनकी मरम्मत की जा रही थी। मरम्मत कार्य के दौरान एक सिलेंडर कथित तौर पर फट गया, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। पुलिस ने बताया कि विस्फोट इतना जोरदार था कि गोदाम का लोहे का गेट टूट गया और इसका मलबा नजदीक में खेल रहे तीन बच्चों पर जा गिरा।

महाराष्ट्र : वीडियो पत्रकार के साथ मारपीट, 4 लोग गिरफ्तार

मुंबई । महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के प्रभादेवी इलाके में एक राष्ट्रीय समाचार चैनल के वीडियो पत्रकार

पर हमला करने के सिलसिले में शनिवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पत्रकार अनिल शिंदे दोपहर में लोअर परेल स्थित अपने कार्यालय जा रहे थे, तभी यह घटना हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''जब अनिल पैदल जा रहे थे, तभी एक मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति ने एक डंडे से शिंदे के सिर पर वार किया। इसके बाद, आरोपी अपने तीन साथियों के साथ वापस आया और शिंदे की पिटाई की।

सैकड़ों कश्मीरी पंडित खीर भवानी मेले के लिए रवाना

कश्मीर । जम्मू से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीरी पंडितों सहित सैकड़ों लोग खीर भवानी मेले में शामिल होने के लिए रविवार सुबह 60 बसों के काफिले में घाटी के लिए रवाना हुए। खीर भवानी मेला मंगलवार को गांदरबल के तुलमुल्ला, कुलगाम के मंजगाम और देवसर, अनंतनाग के लोगरीपुरा और कुपवाड़ा के टिक्कर में पांच रागन्या भगवती मंदिरों में आयोजित किया जाएगा। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई के कारण इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या कम रही है। राहत आयुक्त (प्रवासी) अरविंद करवानी ने जम्मू के उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर आज सुबह जम्मू के बाहरी इलाके नगरोटा से सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) की बसों के काफिले को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

असम में बाल विवाह के खिलाफ एक्शन मोड

अब तक 4 हजार से अधिक लोग हुए गिरफ्तार

2026 तक बाल विवाह खत्म करने का लक्ष्य: सीएम सरमा

गुवाहाटी (आईएएनएस)

असम पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत बड़ी कार्रवाई की है। असम पुलिस ने तीन विशेष अभियानों के तहत 5,000 से अधिक मामले दर्ज किए हैं और 4,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बाल विवाह के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। असम के सीएम ऑफिस ने एक्स पोस्ट करके बताया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बाल विवाह के खिलाफ कड़ा अभियान शुरू किया है।

इस अभियान के तहत असम पुलिस ने अब तक 5,523 मामले दर्ज किए और 4,954 लोगों को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि असम के मुख्यमंत्री सरमा ने पिछले साल दिसंबर में दावा किया था कि 2026 तक राज्य से बाल विवाह खत्म हो जाएगा। उन्होंने एक बयान में कहा था, "मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद मैंने राज्य से बाल विवाह की बुराई को खत्म करने का संकल्प लिया था। शुरुआत में हमने बाल विवाह में शामिल होने के आरोप में करीब 5,000 लोगों को गिरफ्तार किया था। बाद में पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद गिरफ्तारियों की संख्या घटकर 2,000 हो गई थी। बता दें कि असम में बाल विवाह से लड़ने के लिए 'संतुष्ट मोइना योजना' शुरू की गई है। राज्य सरकार की 'संतुष्ट मोइना' पहल का लक्ष्य 1,500 करोड़ रुपए के खर्च के साथ 10 लाख छात्राओं को कवर करना है।

फोर नेशंस टूर्नामेंट : भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में उरुग्वे को हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना)(आईएएनएस)

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे को शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत की उप-कप्तान हिना (10') और लालरिनपुई (24') ने शुरुआती पलों में ही मैच भारत की पकड़ में ला दिया, जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। भारत ने मजबूत शुरुआत की। हिना ने 10वें मिनट में गोल किया, इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफटाइम तक भारत के पास 2-0 की बढ़त थी। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल दागा। इसके तीन मिनट बाद मिलाग्रोस सीगल ने गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने संयम बनाए रखा और गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे को केवल एक गोल करने का मौका मिला। इससे पहले, भारत की इस जूनियर टीम को अपने चौथे मैच में 2-2 से ड्रॉ के बाद चिली के खिलाफ शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

उरुग्वे की वापसी

- **54वें मिनट:** इनेस डी पोसादास ने पहला गोल करके स्कोर 2-1 किया।
- **57वें मिनट:** मिलाग्रोस सीगल ने गोल दागा और मैच को 2-2 से बराबर कर दिया

इंटर मिलान को 5-0 से रौंदकर पीएसजी ने पहली बार जीता यूएफा चैंपियंस लीग खिताब

बर्लिन (आईएएनएस)

पेरिस सेंट-जर्मेन ने इंटर मिलान पर 5-0 की शानदार जीत के साथ अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीता लिया है। म्यूनिख में पीएसजी की जीत रिकॉर्ड तोड़ अंदाज में हुई। किसी भी टीम ने इससे पहले चार गोल से अधिक के अंतर से यूरोपीय कप फाइनल नहीं जीता था। फ्रांसीसी चैंपियन ने मजबूत शुरुआत की। अचरफ हकीमी ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ 12वें मिनट में गोल करके शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके ठीक सात मिनट बाद 19 वर्षीय डेजायर डू ने दूसरे हाफ के बीच में एक और गोल करने से पहले संयमित फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया। इस उपलब्धि ने उन्हें 1962 में बेनफिका के यूसेबियो के बाद चैंपियंस लीग फाइनल में दो बार गोल करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना दिया। पीएसजी की आक्रमण शैली ने इंटर को परेशान कर दिया। मिलान मौके बनाने के लिए संघर्ष करती नजर आई। पीएसजी ने पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। ख्विचा क्वारत्सखेलिया ने 73वें मिनट में एक शानदार जवाबी हमले के बाद चौथा गोल किया और और सब्सिट्यूट सेनी मयुलु ने पांचवां गोल दागा। पीएसजी ने न केवल चैंपियंस लीग फाइनल में सबसे अधिक जीत हासिल की।

कोच लुइस एनरिक की उपलब्धि

- दूसरे कोच बने जिन्होंने दो अलग क्लबों (बार्सिलोना और पीएसजी) के साथ चैंपियंस लीग जीती। पहले कोच थे: पेप गार्डियोला।

रोलां गैरो में जोकोविच ने रचा इतिहास, 99वीं जीत के साथ किया आगे का सफर तय

पेरिस (आईएएनएस)

तीन बार के रोलां गैरो चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस क्ले पर अपने करियर की 99वीं जीत दर्ज की है। जोकोविच ने ऑस्ट्रियाई क्वालीफायर फिलिप मिसोलिक को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। रोलां गैरो से ठीक पहले जिनेवा में अपने 100वें टूर लेवल सिंगल्स खिताब के बाद जोकोविच अब पहली बार एक ही टूर्नामेंट में 100 मैच जीतने की उपलब्धि हासिल करने से महज एक कदम दूर हैं। अगर जोकोविच सोमवार को पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी कैमरन नोरी को हरा दें, तो उनके नाम ये उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं। जोकोविच ने जीत का शतक पूरा करने की संभावना पर बात करते हुए कहा, "99 अच्छा है, लेकिन 100 बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि मैं और जीतूंगा। मैं अपने करियर, अपने जीवन के ऐसे दौर में हूं, जब मैं बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं, क्योंकि हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता हूं, तो इतिहास की किताबों के लिए खेल रहा होता हूं। यह अविश्वसनीय है। रोलां गैरो में जोकोविच से ज्यादा जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी 14 बार के चैंपियन राफेल नडाल हैं।

जोकोविच उपलब्धि के करीब

- जिनेवा ओपन जीतकर जोकोविच ने अपने करियर का 100वां टूर लेवल सिंगल्स खिताब हासिल किया।
- जोकोविच अब किसी एक टूर्नामेंट में 100 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बनने से महज एक जीत दूर हैं।

पीएम का सपना होगा पूरा, भारत में कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल : योगेश्वर

नई दिल्ली (आईएएनएस)

मशहूर पहलवान योगेश्वर दत्त का मानना है कि भारत में कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल होने जा रहा है। नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में रविवार को 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें खेल मंत्री मनसुख मांडविया समेत कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में साल 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त भी पहुंचे। योगेश्वर दत्त ने आईएएनएस से कहा, "आज फिट इंडिया मुहिम के तहत साइकिल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मेरा मानना है कि ये यात्रा हमारे सैनिकों के सम्मान के लिए निकाली गई है। उसके लिए मैं शुभकामनाएं देता हूं। जिस तरीके से पाकिस्तान ने पहलगाम में कायराना हरकत की थी।

हमारे निर्दोष लोगों को उन्होंने मारा था और उसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। हमारी सेना ने वो काम किया। दत्त ने आगे कहा, "नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया। 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए, उसके बाद 2-3 दिन युद्ध चला, जिसमें हमने पाकिस्तान के 11 एयरबेस ध्वस्त किए। उनके ड्रोन्स को हमने मार गिराया। उनके दो फाइटर जेट को हमने मार गिराया। ये हमारे लिए गर्व की बात है। सीमाओं पर जो हमारे जवान दिन-रात पहरा देते हैं, जिनकी वजह से हम सुख-चैन से सो पाते हैं, उनके लिए हमेशा सम्मान रहेगा। इसी साल मार्च में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से बैन हटा लिया गया था।

मेरे लिए रजत पाटीदार सबसे बड़े 'आई ओपनर' हैं : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली (आईएएनएस) । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मेंटर दिनेश कार्तिक ने टीम के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर तारीफ की है। कार्तिक के अनुसार, पाटीदार ने कप्तान बनने के बाद भी अपना व्यवहार बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि 32 वर्षीय पाटीदार बिल्कुल वैसे ही हैं, जैसे कप्तान बनने से पहले थे। आईपीएल 2025 से पहले आरसीबी ने पाटीदार को कप्तान बनाकर सभी को चौंकाया। वह पहली बार आईपीएल टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। इससे पहले पाटीदार अपनी कप्तानी में मध्य प्रदेश को 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा चुके हैं। कार्तिक ने आरसीबी की 'जर्नी टू द फिनाले' के दूसरे एपिसोड में कहा, "रजत पाटीदार मेरे लिए जीवन के सबसे बड़े 'आई ओपनर' रहे हैं।

आईपीएल में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस हुई तगड़ी

किसके सिर सजेगा रन मशीन और विकेट किंग का ताज?

एजेंसी। गुवाहाटी

(इंडियन प्रीमियर लीग) 2025 अब टूर्नामेंट के फाइनल की ओर आगे बढ़ रहा है. रविवार(1 जून) को होने वाले मुकाबले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स की टीमें क्वालफायर-2 में आमने-सामने हैं. जो भी मुकाबला जीतेगा, वो 3 जून को होने वाले फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम से भिड़ेगा. क्वालफायर-2 और IPL फाइनल मुकाबला एक ही वेन्यू अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है।
बहरहाल, अब टूर्नामेंट के जब केवल दो ही मैच रह गए हैं, तो ऑरेन्ज कैप और पर्पल कैप की रेस भी तगड़ी हो गई है. पछिले कुछ मैचों में आंकड़े बदल रहे हैं. ऐसे में सवाल यही है किसके सिर सजेगा रन मशीन और विकेट किंग का ताज? ऑरेन्ज कैप टूर्नामेंट में उस खलिाड़ी को मिलती है, जो सबसे ज्यादा रन बनाता है. वहीं पर्पल उस खलिाड़ी के सरि पर सजती है, जो सबसे ज्यादा विकेट लेता है।

ऑरेन्ज कैप के दावेदार

इस समय ऑरेन्ज कैप होल्डर साई सुदर्शन (15 मैच 759 रन) हैं. उनके फलिहाल आईपीएल के इस सीजन में सबसे ज्यादा रन हैं. लेकिन एलमिनिटर में उनकी टीम 30 मई को मुंबई से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है. दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव (15 मैच 673 रन हैं). इसके बाद शुभमन गिल (15 मैच 650 रन), मचिल मार्श (15 मैच 627 रन), वरिाट कोहली (14 मैच 614) हैं।

पर्पल कैप के दावेदार

पर्पल कैप होल्डर यानी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला आईपीएल के इस सीजन में लेने वाले खलाड़ी गुजरात टाइटन्स के प्रसद्धि कृष्णा हैं. उन्होंने 15 मैचों में 25 विकेट लिए हैं. दूसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स नूर अहमद (14 मैच 24 विकेट) हैं. इसके बाद RCB के जोश हेजलवुड (11 मैच 21 विकेट), MI के ट्रेंट बोल्ट (15 मैच 21 विकेट), आर साई किशोर (15 मैच 19 विकेट) हैं।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन गुवाहाटी में खोलेंगी बॉक्सिंग अकादमी

एजेंसी। गुवाहाटी

भारत को ओलंपिक में गौरव दिलाने वाली बॉक्सिंग स्टार लवलीना बोरगोहेन अब खेल के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने असम की राजधानी गुवाहाटी में 'लवलीना बॉक्सिंग अकादमी' की स्थापना की है, जिसका उद्घाटन 03 जून को होगा। इस भव्य उद्घाटन समारोह में असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा और स्वयं लवलीना बोरगोहेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। अपने विजन को साझा करते हुए लवलीना ने कहा, "यह अकादमी केवल एक प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि मेरा सपना है जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। असम के उन अनगिनत बच्चों के लिए यह एक अवसर है जो बॉक्सिंग में करियर बनाना चाहते हैं।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम पर लगाया धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

दुबई (आईएएनएस)

आईसीसी ने बर्मिंघम के एजबेस्टन में गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में स्लो ओवर रेट के लिए वेस्टइंडीज पर जुर्माना लगाया है। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और मार्टिन सैगर्स, थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और फोर्थ अंपायर ग्राहम लॉयड ने ये आरोप तय किए थे। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने अपराध के लिए सजा स्वीकार कर ली। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।आईसीसी ने एक बयान में कहा, "आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने प्रत्येक खिलाड़ी पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया है। होप की टीम पारी के अंत में जरूरी टारगेट से एक ओवर पीछे रह गई थी, जिसमें समय की छूट को ध्यान में रखा गया था।

यह जुर्माना आईसीसी खिलाड़ी और खिलाड़ी सहायक कर्मचारी आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के अनुरूप है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से जुड़ा है। आईसीसी नियमों के अनुसार, खिलाड़ियों पर उनकी टीम द्वारा तय समय के अंदर गेंदबाजी न कर पाने वाले प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

सगाई समारोह : क्रिकेटर रिंकू सिंह-सपा सांसद प्रिया की सगाई 8 जून को

लखनऊ । जौनपुर की मछलीशहर से सपा सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू सिंह जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। 8 जून को लखनऊ के सेवन स्टार होटल में रिंग सेरेमनी होगी। शादी करीब 6 महीने बाद 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी। यह जानकारी प्रिया के विधायक पिता तूफानी सरोज ने दी। उन्होंने बताया- रिंग सेरेमनी में रिंकू और मेरे परिवार के करीबी लोग मौजूद रहेंगे। जबकि शादी में राजनेता, फिल्म स्टार और उद्योगपतियों को निमंत्रण भेजा जाएगा। शादी पारंपरिक तरीके से होगी। जनवरी, 2025 में रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के रोके की खबर सामने आई थी। पिता तूफानी सरोज ने कहा था- बेटी की शादी रिंकू सिंह से तय हुई है और जल्द ही रिंग सेरेमनी की जाएगी।

व्यापार/लाइफ व साइंस

अदाणी का खावड़ा प्रोजेक्ट देख दंग रह गए डेनमार्क के पूर्व राजदूत

कोपेनहेगन/नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत में डेनमार्क के पूर्व राजदूत फ्रेडी स्वेन ने रविवार को कहा कि वह गुजरात के खावड़ा में अदाणी समूह के मेगा रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) पार्क की विशालता से 'हैरान' हैं। अनुभवी राजनयिक में से एक फ्रेडी स्वेन ने पिछले साल नवंबर में यूरोपीय संघ (ईयू), बेल्जियम और जर्मनी के राजदूतों के साथ, दुनिया के सबसे बड़े खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क का दौरा किया था। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए स्वेन ने कहा, "मैं इसके पीछे की रणनीति और इसकी विशालता से बहुत हैरान था। यह एक आंख खोलने वाला अनुभव था और दिखाता है कि ग्रीन ट्रांजिशन, ग्रीन स्ट्रेटेजिक कॉरपोरेशन कितना महत्वपूर्ण है। स्वेन ने आगे कहा कि इस तरह के ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए अच्छे हैं, बल्कि मानवता के लिए भी आवश्यक हैं, क्योंकि "हमें एक बेहतर और अधिक सस्टेनेबल वर्ल्ड की आवश्यकता है। आईएएनएस से पूर्व राजदूत ने कहा, "अगर हम इस जलवायु संकट का समाधान नहीं करेंगे तो हमारी अगली पीढ़ियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। राजदूतों की खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क यात्रा पर अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि उनकी मेजबानी करना सौभाग्य की बात है।

आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए पीयूष गोयल ने फ्रांस, इटली की आधिकारिक यात्रा शुरू की

नई दिल्ली (आईएएनएस)

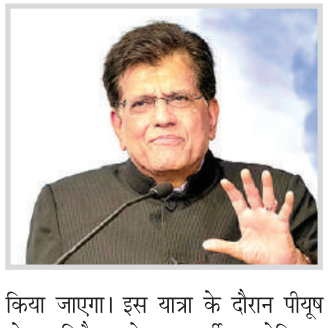

1. **प्रमुख कंपनियों से मुलाकात :** विकैट, टोटल एनर्जीज, लोरियल, रेनो, वेलियो, ईडीएफ और एटीआर जैसी फ्रांसीसी कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे।
2. **बिजनेस मीटिंग्स में भागीदारी :** 'भारत-फ्रांस बिजनेस राउंड टेबल' और 'भारत-फ्रांस सीईओ फोरम' में शामिल होंगे।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को फ्रांस और इटली की अपनी आधिकारिक यात्रा शुरू की, जो प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने और लचीले तथा समावेशी वैश्विक विकास के लिए साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, फ्रांस में अपने तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जिनमें अर्थव्यवस्था मंत्री एरिक लोम्बार्ड और फ्रांसीसी व्यापार मंत्री लॉरेंट सेंट-मार्टिन के साथ बैठकें शामिल हैं। चर्चा में भारत-फ्रांस आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने तथा व्यापार एवं निवेश सहयोग बढ़ाने के लिए नए रास्ते तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस यात्रा के दौरान पीयूष गोयल विकैट, टोटल एनर्जीज, लोरियल, रेनो, वेलियो, ईडीएफ और एटीआर जैसी प्रमुख फ्रांसीसी कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, इस यात्रा के दौरान वह 'भारत-फ्रांस बिजनेस राउंड टेबल' और 'भारत-फ्रांस सीईओ फोरम' में शामिल होंगे, जिससे दोनों देशों के प्रमुख उद्योग हितधारकों के बीच संवाद को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ओईसीडी मंत्रिस्तरीय परिषद की बैठक के दौरान डब्ल्यूटीओ मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में भी भाग लेंगे। इस महत्वपूर्ण मंच पर वह प्रमुख बहुपक्षीय व्यापार मुद्दों पर वैश्विक समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे और देश के दृष्टिकोण तथा प्राथमिकताओं को स्पष्ट करेंगे। इस फोरम में वाणिज्य मंत्री प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ कई उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इनमें ब्रिटेन के कारोबार एवं व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स, सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग और सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद बिन अब्दुल्ला अल-कसाबी शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि वह इजरायल के व्यापार एवं निवेश मंत्री नीर बरकत, नाइजीरिया के व्यापार, उद्योग एवं निवेश मंत्री डॉ. जुमोके ओडुवोले ओओएन तथा ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो लुइस इकेर विएरा के साथ भी बातचीत करेंगे। मंत्रालय ने कहा, "इन वार्ताओं का उद्देश्य रणनीतिक आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी को बढ़ावा देना है। इनसे भारत-यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता को भी महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिलेगा।

शीर्ष 10 में से 4 कंपनियों की मार्केटकैप 1 लाख करोड़ रुपए बढ़ी, एलआईसी को हुआ सबसे अधिक फायदा

मुंबई (आईएएनएस)

देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से 4 का बाजार पूंजीकरण बीते हफ्ते 1,01,370 करोड़ रुपए बढ़ा है। इस दौरान लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) के मार्केटकैप में सबसे अधिक इजाफा हुआ है। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक के मार्केटकैप में इजाफा हुआ है।

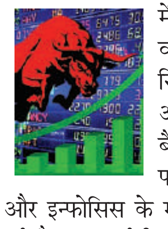

वहीं, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और इन्फोसिस के मार्केटकैप में गिरावट हुई है। एलआईसी का मार्केटकैप सबसे अधिक 59,223.61 करोड़ रुपए बढ़कर 6,03,120.16 करोड़ रुपए हो गया है। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 19,589.54 करोड़ रुपए बढ़कर 7,25,036.13 करोड़ रुपए हो गया है। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 14,084.20 करोड़ रुपए बढ़कर 10,58,766.92 करोड़ रुपए हो गया है। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण

एडीबी ने भारत को दिया 10 अरब डॉलर का इंफ्रा बूस्ट

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की। इस बैठक में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में 10 अरब डॉलर के निवेश को लेकर बातचीत की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एडीबी अध्यक्ष की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, "मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई।

क्रेडिट कार्ड से लेकर एलपीजी में होंगे ये बदलाव

एक जून से बदल गया नियम, आम आदमी की जेब पर होगा असर

नई दिल्ली । एजेंसी

हर महीने की पहली तारीख को जनता एलपीजी सिलेंडर की कीमत में होने वाले बदलाव पर चर्चा करती है। महीने की पहली तारीख को इसमें बदलाव होता है। जून की शुरुआत में एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव हो सकता है। इससे पहले ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मई के महीने में 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं किया था। मई का महीना शनिवार को खत्म हो जाएगा। अब एक दिन के बाद जून का महीना शुरू हो जाएगा।

जून की शुरुआत होते ही हर महीने की तरह अलगा महीना भी कई तरह के बदलाव के साथ शुरू होगा। इन बदलावों का असर घर और आम जनता की जेब पर देखने को मिलेगा। एक तरफ घर की रसोई में उपयोग होने वाला एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव हो सकता है। क्रेडिट कार्ज से संबंधित नियमों में भी बदलाव होगा। जून के महीने में कई बदलाव होने वाले है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम : हर महीने की पहली तारीख को जनता एलपीजी सिलेंडर की कीमत में होने वाले बदलाव पर चर्चा करती है। महीने की पहली तारीख को इसमें बदलाव होता है। जून की शुरुआत में एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव हो सकता है।

इससे पहले ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मई के महीने में 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं किया था। वहीं 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर में 17 रुपये प्रति सिलेंडर तक कटौती की थी।

सीएनजी-पीएनजी-एटीएफ ईंधन की कीमत

वहीं हवाई यात्रियों के लिए भी एक जून 2025 को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव कर सकती है। एयर टर्बाइन फ्यूल के दाम में भी बदलाव हो सकता है। मई के महीने में इसकी कीमत में कटौती हुई है। जून की शुरुआत में बदलाव होगा। सीएनजी और पीएनजी की कीमत भी बदल सकती है।

बरवाटोली के बेतर में नये ओपी का उद्घाटन

ओपी खुलने से अपराध पर लगेगा अंकुश ग्रामीणों को मिलेगी सहूलियत : डीआईजी

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। थाना क्षेत्र के अति सुदूरवर्ती उग्रवाद प्रभावित पंचायत बरवाटोली के बेतर ग्राम में रविवार को कानून व्यवस्था के सफल संचालन के लिए बड़े धूमधाम से नये ओपी का उद्घाटन किया गया। बताते चलें कि बेतर ग्राम चंदवा थाना के अंतर्गत आता है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण कानून व्यवस्था के संचालन में काफी कठिनाई होती थी। यह इलाका रांची जिले से सटा है। चंदवा थाना से इसकी दूरी लगभग 45 किलोमीटर हो जाती है। जिसके कारण कानून व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाई होती थी। लम्बे समय से यहां पर ओपी निर्माण की मांग ग्रामीणों द्वारा की जा रही थी। सरकार द्वारा ओपी खोलने का निर्णय लिया गया। रविवार को पलामू पुलिस उप महानिरीक्षक नौशाद आलम, लातेहार उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के उपस्थिती में बेतर ओपी का शुभारम्भ किया गया। इससे पूर्व अतिथियों के यहां पहुंचने पर पारंपरिक रीति रिवाज से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद उन्हें गार्ड आफ ऑनर दिया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने फीता काटकर व द्वीप प्रज्जवलित कर ओपी का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि सरकार की स्वीकृति के बाद क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए इस पंचायत के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को तत्काल पुलिस सेवा प्राप्त हो सके और आसामाजिक तत्वों को दूर रखना ही इस ओपी का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यह इलाका काफी उग्रवाद प्रभावित रहा है। सरकार की उग्रवाद नियंत्रण नीति से प्रभावित हो कर लोग अब उग्रवाद का रास्ता छोड़कर समाज के मुख्य धारा में जुड़ भी रहे हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यहां के लोगों को शीघ्र न्याय मिलेगा। ओपी अपने उद्देश्यों में पूरी तरह जनता के आकांक्षाओं में खरा उतरेगी। यहां ओपी के खुलने से ग्रामीणों को सहूलियत होगी। कहा कि बेतर ओपी प्रभारी के रूप में किशोर मुंडा को पदस्थापित किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि यहां के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। शीघ्र यहां पर भवन निर्माण कार्य भी आरंभ होंगे। प्रशासनिक रूप से भी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह ओपी मिल का पत्थर साबित होगा। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि चंदवा थाना क्षेत्र का एरिया बहुत बड़ा है। अब ओपी खुलने से यहां के लोगों को काफी सहूलियत होगी। उम्मीद करता हूं कि यहां के लोग इसे सही रूप में उपयोग करेंगे। ओपी जन आकांक्षाओं पर खड़ा उतरेगी ऐसा मेरा विश्वास है। मौके पर एसडीपीओ बालूमाथ विनोद रवानी, एसडीपीओ लातेहार अरविंद कुमार, पुलिस निरीक्षक रणधीर कुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख मनीषा उंराव, चंदवा प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद, अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक, विधायक प्रतिनिधि (आइटीडीए) राजु उंराव, बरवाटोली मुखिया शकुंतला देवी, सअनि सरोज सिंह, भीम सिंह, सअनि अजीत कुमार, राकेश महतो, रविंद्र कुमार सिंह समेत पुलिसकर्मी व जनप्रतिनिधि के अलावे बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रखंड नीलांबर-पीतांबरपुर में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी विधानसभा क्षेत्र के प्रखंड नीलांबर-पीतांबरपुर के ग्राम हरसंघरा व चनैगिर में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का विराट आयोजन संपन्न हुआ। यज्ञ समिति के सदस्यों और ग्रामवासियों ने श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया।

यह धार्मिक अनुष्ठान सनातन परंपरा की गौरवशाली झलक के साथ-साथ क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द, आस्था और समृद्धि का प्रतीक भी है। इस अवसर पर हरसंघरा, चनैगिर, किरतो, गेठा, बांसदोहर, पिपरा, पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामों से भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

यज्ञ समिति अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, संयोजक मयंक कुमार मेहता, उप सचिव नीलम मेहता, जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, पूर्व मुखिया पुष्पा देवी, वीरेंद्र पासवान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। समारोह में सभी ने क्षेत्र की खुशहाली, शांति और समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। यज्ञ आयोजन ने सामाजिक सौहार्द और आस्था को और मजबूत करने का कार्य किया।

पाटन थाना क्षेत्र में चोरी हुई पिकअप बरामद, तीन वाहन चोर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पाटन थाना क्षेत्र के केल्हार गांव से चोरी हुई बोलेरो पिकअप वाहन को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर लिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

जानकारी के अनुसार, 26 मई 2025 की रात्रि में राजेन्द्र कुमार सिंह, निवासी केल्हार, पाटन की पिकअप (रजिस्ट्रेशन नंबर JH03Q-9974) अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर के समीप से चोरी कर ली गई थी। शिकायत के आधार पर 29 मई को पाटन थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच पुलिस अधीनस्थ अधिकारी मिथुन कुमार रवि को सौंपी गई।

जांच के दौरान पता चला कि चोरी की रात तीन व्यक्ति दो वाहनों से एक कार एवं एक पिकअप से पड़वा पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने आए थे। पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज और फोन-पे भुगतान रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने आरोपितों की पहचान कर छापेमारी की।

पुलिस ने मुकेश प्रसाद उर्फ मुकेश जसवाल (पंचशील नगर, रांची), रंजीत प्रसाद (छतरपुर, पलामू) एवं विजय मुंडा (रामदगा, रांची) को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप और एक लाल रंग की केयूवी कार बरामद हुई। दोनों वाहनों की संख्या-पट्टियाँ फर्जी पाई गईं।

इसके साथ ही एक बैंगनी रंग का सैमसंग स्मार्टफोन भी जब्त किया गया। चोरी की पिकअप जिला सिमडेगा के कोलेबिरा से बरामद की गई है।

पुलिस ने आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत कर हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई के लिए पाटन पुलिस की सराहना की जा रही है, जिससे वाहन चोरी का यह मामला जल्द ही सुलझ गया।

12वीं बोर्ड परीक्षा में द एकेडमी गुरु के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कोचिंग संस्थान 'द एकेडमी गुरु' के विद्यार्थियों ने जैक की 12वीं बोर्ड परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। संस्थान के संचालक डॉ. एस.पी. दुबे ने बताया कि सत्र 2024-25 में लगभग 1000 विद्यार्थियों ने अध्ययन किया, जिनमें से 85 छात्रों ने 80% से अधिक, 400 ने 70% से अधिक और अधिकांश छात्रों ने 60% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।संस्थान के तीन केंद्र — पांकी रोड, बारालोटा और अबादगंज में संचालित हैं, जहाँ अनुभवी शिक्षकों की टीम छात्रों को मार्गदर्शन देती है। मुख्य शिक्षकों में डॉ. एस.पी. दुबे (रसायन शास्त्र), धीरज कुमार उपाध्याय (गणित), संजीव तिवारी (भौतिकी), देवल सरकार (अंग्रेज़ी), नागेंद्र कुमार व सिद्धार्थ गौतम (जीवविज्ञान) शामिल हैं।उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रमुख छात्रों में रोहित कुमार (90%), दिवाकर कुमार चौधरी (88%), सुरेंद्र यादव (87%), पंकज यादव, राहुल कुमार, प्रशांत कुमार (86%), काजल कुमारी, रंजन चौधरी, राजू कुमार (85%) समेत कई अन्य छात्रों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।डॉ. दुबे ने बताया कि संस्थान में आधुनिक व वैज्ञानिक पद्धति से शिक्षा दी जाती है, जिससे हर छात्र बेहतर प्रदर्शन करता है। शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समृद्धि की रोटी जरूरतमंदों तक पहुंचाने का मिशन समृद्धि का अभूतपूर्व अभियान

- निष्ठा और सेवा भाव से होता है भोजन का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित "समृद्धि की रोटी" अभियान लगातार अपनी सेवा के जज़्बे के चलते कभी थमता नहीं। यह अभियान न केवल भोजन इकट्ठा करने का काम करता है, बल्कि इसे जरूरतमंदों तक पहुंचाने में भी पूरी निष्ठा और समर्पण दिखाता है। इस कार्य में "नर में होता नारायण का वास" जैसा भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है।

अम्बेडकर पार्क के सामने, जहाँ दाना-पानी, पत्तल और दातून बेचने वाले लोग नियमित रूप से आते हैं, वहाँ रोटी और सब्जी का वितरण किया गया। इसके साथ ही आसपास के विकलांग और वृद्धजनों के बीच भी भोजन पहुँचाया गया। पिछले नौ वर्षों से निरंतर जारी इस सेवा कार्य को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति का रूप है। मिशन समृद्धि की टीम इस कठिन कार्य को पूरी मेहनत और लगन के साथ संचालित करती है। भोजन वितरण की प्रक्रिया को वे सरल और सुचारु बनाते हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंच सके। इस अभियान में बैजन्ती गुप्ता, वीणा राज, आशा शर्मा, शिल्पी गोस्वामी, रंजीता, ममता और अन्य सदस्यों का योगदान अविस्मरणीय है।

सड़क के ऊपर झूल रहा नंगा तार, हादसे की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या सात अंतर्गत कृष्णापुरी रोड नंबर एक में बिजली का नंगा तार सड़क के ऊपर झूल रहा है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्षों पूर्व इस मोहल्ले के अधिकांश इलाकों में पुराने नंगे तारों को हटाकर कवर तार बिछाए गए थे, लेकिन इस गली में अब तक नंगा तार ही लटका हुआ है। यह तार सड़क पर इतनी नीचे लटकता है कि कोई भी व्यक्ति हाथ से इसे आसानी से छू सकता है।मुहल्ले वासियों के अनुसार यह स्थिति दशकों से बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद तार को बदला नहीं गया है।

सड़क, पानी व बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं केचकी पंचायत के ग्रामीण

- सरईडीह का आंगनबाड़ी भवन 20 साल से अधूरा, अब जर्जर स्थिति में

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड अंतर्गत केचकी पंचायत के ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। सड़क, पानी, बिजली, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याएं आज भी यहां के लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनी हुई हैं। लगभग पांच हजार की आबादी वाले इस पंचायत में विकास कार्यों की रफ्तार बेहद धीमी है।

पंचायत के केचकी, कंचनपुर, सरईडीह, हड़पड़वा सहित कई गांवों7 में सड़क नहीं होने से लोगों को आवाजाही में कठिनाई होती है। ग्रामीणों ने बताया कि सरईडीह के भुइयां टोला, केचकी पेट्रोल पंप से महुरामटोला तक, रेलवे स्टेशन मार्ग, त्रिवेणी चौक से कंचनपुर और सरईडीह मस्जिद तक की सड़क वर्षों से अधूरी या खराब हालत में है। सरईडीह निवासी सदीक अंसारी ने कहा कि मस्जिद तक सड़क नहीं होने से नमाजियों को परेशानी होती है, खासकर बरसात में पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

सिंचाई की सुविधा का भी घोर अभाव है। कंचनपुर निवासी जिबोध सिंह ने कहा कि अगर सरकार पानी की व्यवस्था करे तो यह क्षेत्र कृषि के लिए बेहतर बन सकता है। इसी गांव के मनोज ठाकुर ने बताया कि पंचायत में एक बड़ा जलस्त्रोत 'दनदहा' मौजूद है, जिसमें सालभर पानी रहता है, लेकिन रखरखाव के अभाव में वह जर्जर हो चुका है।

सरईडीह गांव में 20 वर्षों से अधूरा आंगनबाड़ी भवन अब जर्जर हो चुका है। सेविका के घर से ही बच्चों को संचालित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

पंचायत के मुखिया बुद्धेश्वर सिंह ने कहा कि पूरे क्षेत्र में सड़क और सिंचाई सबसे बड़ी समस्याएं हैं। अगर खेतों तक पानी पहुंच जाए और आवागमन की सुविधा सुधरे, तो यह पंचायत आत्मनिर्भर बन सकती है।

स्थानीय निवासी प्रमोद सिंह ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए आज भी मेदनीनगर जाना पड़ता है, जबकि शिक्षा की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। वहीं सरईडीह के संजय कुमार संजू ने रोजगार को अहम बताते हुए कहा कि काम की कमी से लोग पलायन कर रहे हैं। यदि रोजगार की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर हो, तो गांव की आर्थिक स्थिति सुधर सकती है। औरंगा और कोयल नदी के संगम पर स्थित यह पंचायत राज्य के पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थल है, लेकिन बुनियादी जरूरतों के अभाव में यहां के ग्रामीण आज भी उपेक्षित हैं।

वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की तीसरी वर्षगांठ पर भोजन वितरण

मेदिनीनगर। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट अपनी तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर 2 जून को एक खास आयोजन कर रहा है। इस मौके पर स्टेशन परिसर के पार्किंग एरिया में जरूरतमंदों के बीच 101 पैकेट भोजन का वितरण किया जाएगा। यह आयोजन ट्रस्ट की सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भाव को दर्शाता है। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने पिछले वर्षों में भी समाज के कमजोर वर्गों की मदद के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इस वर्षगांठ पर भोजन वितरण के माध्यम से जरूरतमंदों को राहत देने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्यों के साथ स्थानीय लोग भी हिस्सा लेकर इसे सफल बनाने में योगदान देंगे।

शांति समिति की बैठक आज

लातेहार। आगामी 7 जून को होने वाला ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर्व में शांति व्यवस्था बनाए रखने और विधि व्यवस्था संधारत को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सोमवार को समाहरणालय सभागार में 11बजे आयोजित की गई हैं।

जलता हाई स्कूल की स्नेहा बनी स्कूल टॉपर

लातेहार। जैक द्वारा 12वीं विज्ञान व कला संकाय का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। इसमें उत्कमृत उच्च विद्यालय जलता लातेहार का शानदार प्रदर्शन रहा। विज्ञान संकाय में 387 अंक लातेहर स्नेहा पांडेय स्कूल टॉपर रही। दूसरे स्थान पर अर्चना कुमार और तीसरे स्थान पर उज्जवल कुमार रहें। इस विद्यालय से 12वीं विज्ञान संकाय की परीक्षा में कुल 18 बच्चे शामिल हुए थे, जिसमें 17 बच्चों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छा आने पर विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार ने सभी बच्चों को बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि ऐसे ही बच्चे कठिन मेहनत करें ताकि भविष्य में स्कूल, अपने अभिभावक और जिले का नाम रौशन कर सकें।

चौक के पास एम्बीशन कंप्यूटर सेंटर का हुआ उद्घाटन

बेतला (लातेहार)। बेतला नेशनल पार्क के पास कुटमू चौक (हड़पड़वा) स्थित एम्बीशन कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन सेंटर डायरेक्टर चंदन कुमार द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना और फीता काट कर किया गया।इस अवसर पर चंदन कुमार ने बताया कि यह सेंटर मैट्रिक और इंटर पास छात्र-छात्राओं के लिए तकनीकी शिक्षा का अच्छा माध्यम बनेगा। सेंटर में एडीसीए, डीसीए, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, डीटीपी, वीडियो मिक्सिंग जैसे कोर्स संचालित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थी अपने कौशल को निखारकर बेहतर भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज के समय में कंप्यूटर ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। इसको ध्यान में रखते हुए 10 जून तक निःशुल्क नामांकन की सुविधा दी गई है। संस्थान में केवल 48 सीटें ही निर्धारित हैं, इसलिए इच्छुक अभ्यर्थी समय रहते प्रवेश ले सकते हैं। चंदन कुमार ने बताया कि बेतला, पोखरी कला, केचकी और आसपास के गांवों के छात्र-छात्राओं को अब कंप्यूटर शिक्षा के लिए मेदिनीनगर या अन्य शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना ही इस संस्थान की प्राथमिकता है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। उद्घाटन के मौके पर शिक्षक सुमित कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रोजगार सेवक व जेई को बचाने की रक्षा कवच बन गया है सोशल ऑडिट : अयुब खान

चंदवा। प्रखंड के कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने एक बयान जारी कर कहा है कि ग्रामीण विकास विभाग झारखण्ड सोशल ऑडिट सोसायटी के निर्देश पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत मनरेगा की सोशल ऑडिट टीम पंचायतों में 27 मई से योजनाओं की जांच कर रही है। 2 जून को पूरे प्रखंड के सभी पंचायतों में एक साथ पंचायत स्तरीय जन सुनवाई का आयोजन किया जायेगा। इस जनसुनवाई में सोशल ऑडिट टीम वित्तीय वर्ष 2023-24 व 2024- 25, 2025-26 की मनरेगा से संचालित पूर्ण, अपूर्ण, चालू योजनाओं की कार्य स्थल पर जाकर जांच करती है। प्रखंड कार्यालय से मिले रेकड़ अभिलेख का मिलान भी टीम द्वारा किया जाता है। अभिलेख में कोई तकनीकी खामी रह गई हो उसकी मुआयना करती है। मनरेगा सोशल ऑडिट की टीम जांच कर बिचौलियों से भयादोहन कर मामले को रफा दफा कर लेती है।

पेज एक के शेष

स्वास्थ्य विभाग तैयार...

जानकारी के अनुसार, राज्य के अस्पतालों में आने वाले पांच प्रतिशत इन्फ्लुएंजा और शत-प्रतिशत गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी से संबंधित मरीजों की कोरोना जांच कराने का निर्देश दिया गया है। यह रिपोर्ट भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) को भेजी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य की जनता से कहा है कि यदि किसी को सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द आदि जैसे लक्षण महसूस होते हैं, तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों में रिपोर्ट करें।

कोरोना के 4...

ज्यादा सैंपल में मिला है। यह ओमिक्रॉन के बीए.2.86 का स्ट्रेन है और इम्यूनिटी को कमजोर करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि इसे 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' की श्रेणी में रखा है, लेकिन इस वैरिएंट को बहुत चिंताजनक नहीं माना है।

आप सतर्क और...

जब भी कोरोना के मामले बढ़ते हैं, तो तीन कारकों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है- पहला वायरस की संक्रामकता, दूसरा मामले कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं और तीसरा गंभीर मामलों का प्रतिशत। वर्तमान में मामले तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं और नए वैरिएंट पिछली प्रतिरक्षा को चकमा देने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिसंख्य मामलों में गंभीरता कम है और अन्य बीमारी से पीड़ित लोगों में ही गंभीरता देखी जा रही है। डॉ बहल ने सतर्क रहने और तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

गुमला के भरनो...

घटनास्थल पर पहुंचे मारासिली पंचायत के मुखिया सुकेश उरांव ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि पंचायत क्षेत्र में इन दिनों अपराधियों का आतंक बढ़ गया है और पुलिस प्रशासन पूरी तरह निष्क्रिय है। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले गांव में हथियारबंद अपराधी खुलेआम घूमते देखे गए थे, उनके पास से देसी पिस्टल और गोली बरामद भी हुई थी। 27 मई 2025 को गांव में हवाई फायरिंग हुई थी। अब एक युवक की हत्या हो गई है। यह दर्शाता है कि क्षेत्र में गुंडों का राज कायम हो गया है। आम लोग दहशत में जी रहे हैं।

जोनल रेलवे उपयोगकर्ता...

प्रफुल सिंह वर्तमान में भूमि विकास बैंक (बिहार-झारखंड) और बिहार स्टेट हाउसिंग को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड में निदेशक पद पर कार्यरत हैं। साथ ही वे झारखंड को-ऑपरेटिव बैंक और बिस्कोमान (पलामू) से भी जुड़े हुए हैं। सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में उनकी भूमिका लंबे समय से उल्लेखनीय रही है। वे पूर्व में छात्र राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं। ज़ोनल रेलवे यूज़र कंसल्टेटिव कमिटी, रेल मंत्रालय की एक अहम सलाहकार इकाई है, जो क्षेत्रीय स्तर पर रेलवे संचालन, यात्री सुविधाओं, नीति निर्माण और सुधारों में सलाह देने का कार्य करती है। इसका उद्देश्य रेलवे सेवाओं को अधिक सुगम, सुरक्षित और जनोपयोगी बनाना है। प्रफुल सिंह ने अपनी नियुक्ति पर सांसद विष्णु दयाल राम और भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वे जनहित में ईमानदारी और प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे।

पाकिस्तान के साथ...

आतंकवादी हमले के बारे में जानकारी दी। कुआलालंपुर स्थित भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रवासी समुदाय के सदस्यों को भारत के संदेश को विभिन्न समुदायों और मंचों पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस संवाद में भारतीय प्रवासी सदस्यों के विचार भी सुने गए, जिनमें मलेशियाई भारतीय मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल थे, जिन्होंने सीमा पार आतंकवादी हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा की। बनर्जी ने कहा कि 22 अप्रैल के हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के न्याय करने और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए दो सप्ताह तक इंतजार किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 14 दिन बाद, भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया और सीमा पार नौ आतंकी ठिकाने नष्ट कर दिए। बनर्जी ने पूछा, हम सभी सबूतों को सार्वजनिक रूप से पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीरें हैं कि पाकिस्तानी सेना के उच्च पदस्थ अधिकारी आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होते देखे गए। भारत दुनिया को इससे ज्यादा क्या सबूत दे सकता है? उन्होंने प्रवासी सदस्यों से अनुरोध किया कि जब वे भारत आएं, तो कश्मीर में तीन-चार दिन बिताएं।

पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जाए : डेनमार्क के पूर्व राजदूत

कोपेनहेगन/नई दिल्ली (आईएएनएस)

डेनमार्क के एक अनुभवी राजनयिक ने रविवार को भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' और कूटनीतिक प्रयासों की सराहना की है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की वकालत की। इसके तहत आतंकवाद के वित्तपोषण और वैश्विक आतंकी संगठनों का सपोर्ट करने में लगातार भूमिका के लिए पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की 'ग्रे लिस्ट' में वापस डालना भी शामिल है। भारत में डेनमार्क के पूर्व राजदूत फ्रेडी स्वेन ने 'आईएएनएस' से खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए यह मानने का सही समय है कि पाकिस्तान इस क्षेत्र में आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। स्वेन ने आईएएनएस से कहा, "आतंकवाद अपने आप पैदा नहीं होता।

इसके पीछे पैसा, ढांचा और एक लंबी सोची-समझी योजना होती है। इसलिए आपको वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर भी जो हर संभव प्रयास करने की जरूरत है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसा कोई फंडिंग सोर्स न हो जो आतंकियों के पोषण में काम आ सके। हमें इसे रोकना होगा। पाकिस्तान को उस जगह रखा जाना चाहिए, जहां वह वास्तव में मौजूद है। इसलिए पाकिस्तान को उसी लिस्ट में रखा जाना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं है। फ्रेडी स्वेन एक बहुत ही अनुभवी राजनयिक हैं। उन्होंने भारत, भूटान, श्रीलंका और मालदीव में दो बार राजदूत के रूप में काम किया है। उनका पहला कार्यकाल 2010 से 2015 तक रहा और दूसरा कार्यकाल दिसंबर 2024 में समाप्त हुआ। भारत में इतना समय बिताने के बाद उन्होंने कई मौकों पर पाकिस्तान को भारत की जमीन पर आतंक फैलाते देखा। उन्होंने कहा, "जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मैं दो अवधियों में 10 साल तक भारत में रहा हूं। हम आतंक को देखते रहे और उसका असर महसूस किया। जाहिर है, हम सभी जानते थे कि पाकिस्तान किसी न किसी तरह से आतंक के पीछे था। आप तर्क दे सकते हैं कि पाकिस्तान में अलग-अलग चेहरे हैं, राजनीतिक और सैन्य भी। लेकिन, जब बात आतंक की आती है, तो दो चेहरे नहीं हो सकते।

भारत ने दिखाया वैश्विक नेतृत्व, आतंक के खिलाफ खड़ा हुआ : स्वेन

स्वेन ने कहा, "तथ्य ये है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 'ऑपरेशन सिंदूर' और आतंक के बारे में बात करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे गए हैं। यह साबित करता है कि आतंकवाद के खिलाफ खड़े होने का समय आ गया है। जिस तरह से पाकिस्तान ने हमेशा ही आतंकवादी हमलों को उकसाया है, उसके खिलाफ आवाज उठाई जाए। भारत ने दिखाया है कि वह ग्लोबल प्लेयर के तौर पर आगे बढ़ चुका है। पूर्व राजनयिक ने रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की। ये प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत के अडिग रुख और इसके हर रूप को मिटाने के उसके संकल्प को व्यक्त करने के लिए 29-31 मई तक कोपेनहेगन में था।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक नेतृत्व के लिए ठाना संकल्प

हम सभी को वास्तव में शब्दों से हटकर काम करने की जरूरत है। इसलिए भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दुनिया भर में सांसदों के एक ग्रुप को इस बारे में बात करने के लिए भेजने का फैसला बहुत महत्वपूर्ण है। इसे डेनमार्क में भी बहुत अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है। मैंने कुछ भारतीय सांसदों से पूछा कि क्या यह कोई नई बात है? क्योंकि मैंने अपने जीवन में कभी यह अनुभव नहीं किया था कि भारत आतंकवाद और आतंकवाद के प्रभाव के बारे में अपनी चिंताओं को जाहिर करने के लिए दुनिया भर में ऐसे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। स्वेन ने कहा, "मुझे बताया गया कि दशकों पहले भी कुछ ऐसा ही किया गया था। लेकिन सच यह है कि भारत अब इस पर डटा है। ये महत्वपूर्ण है।

कर्ज वसूली में चीन सबसे बड़ा देश

बीआरए के कर्ज जाल में 150 देश, गरीब देशों पर 94 लाख करोड़ बकाया

बीजिंग । चीन दुनिया में सबसे बड़ा ऋण वसूलने वाला देश बन गया है। ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के मुताबिक 2025 में विकासशील देशों से चीन रिकॉर्ड 3 लाख करोड़ रु. वसूलेगा। 1.9 लाख करोड़ तो 75 सबसे गरीब देश देंगे। विकासशील देशों पर चीन के कुल 94 लाख करोड़ रु. बकाया हैं। ये कर्ज एक दशक पहले बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत दिए थे। चीनी दबाव के चलते इन देशों में स्वास्थ्य और शिक्षा बजट पर खतरा मंडरा रहा है। 46 गरीब देशों ने 2023 में अपने टैक्स का 20% हिस्सा कर्ज चुकाने पर खर्च किया। विकासशील देश चीन को कर्ज अदायगी और ब्याज भुगतान की लहर से जूझ रहे हैं।

फ्रांस में जश्न के दौरान भीड़ बेकाबू, 2 की मौत, पुलिस ने 559 लोगों को हिरासत में लिया

पेरिस । फ्रांस में शनिवार को पेरिस सेंट-जर्मेन की पहली बार चैंपियंस लीग जीतने की खुशी में पूरे जमकर जश्न मनाया गया। इस दौरान कई जगहों पर भीड़ बेकाबू हो गई जिसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं, सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। फ्रांस 24 के मुताबिक पुलिस ने पेरिस में 491 लोगों को गिरफ्तार किया गया और पूरे फ्रांस में कुल 559 लोगों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में से ज्यादातर पर पटाखे रखने और गड़बड़ी फैलाने का आरोप है। पुलिस ने कहा कि 2 लोगों की मौत सड़क हादसे में हुई है। दूसरी घटना डैक्स शहर में हुई, जहां 17 साल के एक लड़के को चाकू मार दिया गया। यह हत्या मैच के तुरंत बाद और जश्न के दौरान हुई, लेकिन अधिकारियों को नहीं पता कि इसका सीधा संबंध पीएसजी की जीत से है या नहीं। हमलावर अभी फरार है।इसके अलावा, नॉरमैंडी में एक पुलिसकर्मी को आतिशबाजी लगने से गंभीर चोट आई और उसे कोमा में रखा गया है।

यूक्रेन का दावा

रूस के 40 एयरक्राफ्ट तबाह किए 4 एयरबेस को निशाना बनाया, 17 हजार करोड़ रुपए का नुकसान

कीव । यूक्रेन ने रूस के 40 लड़ाकू विमानों को तबाह करने का दावा किया है। यूक्रेनी वेबसाइट कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूस के मरमंस्क में ओलेन्या एयर बेस, इरकुत्स्क में बेलाया एयर बेस, इवानोवो में इवानोवो एयर बेस और डायगिलेवो एयर बेस को निशाना बनाया है। रूस का बेलाया एयरबेस यूक्रेनी सीमा से लगभग 4 हजार किमी और ओलेन्या एयरबेस करीब 1800 किमी दूर हैं। इस हमले में A-50, TU-95 और TU-22 जैसे स्ट्रैटजिक बॉम्बर्स तबाह हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी (SBU) ने इस हमले को अंजाम दिया, जिसमें FPV (फर्स्ट-पर्सन-व्यू) ड्रोन्स का इस्तेमाल किया गया। SBU के एक अधिकारी ने कहा कि यह हमला उन्होंने खुद के बचाव में किया है, क्योंकि ये रूसी विमान अक्सर यूक्रेनी शहरों को निशाना बनाते हैं।

चार प्रवृत्तियां तय करेंगी भविष्य के युद्ध की रणनीति : सीडीएस

हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां बढ़ेंगी प्रभावशाली

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां। तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र की बुद्धिमत्ता। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी रविवार को सिंगापुर में दी। वह यहां आयोजित प्रतिष्ठित 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' में 'भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान' विषय पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जनरल अनिल चौहान ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।

1. **प्रौद्योगिकी लोकतंत्रीकरण :** गैर-राज्य तत्वों (नॉन-स्टेट एक्टर्स) को सशक्त बना कर प्रॉक्सी युद्ध और अस्थिरता बढ़ी।
2. **क्षमताओं का विकास :** अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया गया।
3. **रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र :** भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग कर एक संयुक्त प्रणाली विकसित की।
4. **रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण:** युद्धक प्रणालियां स्थानीय और परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार विकसित।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने क्षमताओं के विकास के लिए अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया। भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग करते हुए एक संयुक्त रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। उन्होंने बताया कि भारत ने 'रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण' को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें। जनरल चौहान ने कहा कि वर्तमान में चल रहा परिवर्तन सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन का भी कायाकल्प शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं इसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। अपने संबोधन के अंत में, जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और उत्तरदायी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' को वैश्विक स्थिरता हेतु संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बताया। 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' के दौरान भारत और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और फिलीपींस के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो एस ब्रावनर जूनियर के बीच यह महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस दौरान सैन्य सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग और क्षमता संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

डच सांसद गीर्ट वाइल्डर्स ने शर्मिष्ठा पनोली के लिए पीएम से अपील की

कोलकाता । एजेंसी

कोलकाता पुलिस द्वारा सांप्रदायिक रूप से आरोपित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए गिरफ्तार की गई 22 वर्षीय प्रभावशाली शर्मिष्ठा पनोली को लगभग 7,000 किलोमीटर दूर से समर्थन मिला है। डच संसद के सदस्य और दक्षिणपंथी पार्टी फॉर फ्रीडम के नेता गीर्ट वाइल्डर्स ने शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि यह 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अपमान' है। वाइल्डर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शर्मिष्ठा को रिहा करने का आग्रह किया है। वाइल्डर्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'बहादुर शर्मिष्ठा पनोली को रिहा करो! यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अपमान की बात है। पाकिस्तान और मुहम्मद के बारे में सच बोलने के लिए उसे दंडित न करें। उसकी मदद करें @narendramodi।' पोस्ट के साथ फोटो में लिखा है, 'सभी की निगाहें शर्मिष्ठा पर हैं। कोलकाता पुलिस ने कल 22 वर्षीय लॉ छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को सोशल मीडिया वीडियो के लिए गिरफ्तार किया, जिसमें उसने अपमानजनक और सांप्रदायिक भाषा का इस्तेमाल किया था।

बंगाल को उत्तर कोरिया न बनाएं, शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर कंगना रनौत

कोलकाता । कोलकाता पुलिस द्वारा गुरुग्राम से इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद, भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार से आग्रह किया है कि वे राज्य को उत्तर कोरिया बनाने की कोशिश न करें। पनोली की गिरफ्तारी के संबंध में मीडिया से बात करते हुए, रनौत ने कहा कि कानून और व्यवस्था के नाम पर किसी को परेशान करना सही नहीं है, क्योंकि सभी के पास लोकतांत्रिक अधिकार हैं। रनौत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'कानून-व्यवस्था के नाम पर किसी को परेशान करना ठीक नहीं है। जब कोई माफी मांग लेता है और पोस्ट डिलीट कर देता है, लेकिन उसे जेल में डालना, उसे प्रताड़ित करना, उसका करियर खत्म करना और उसके चरित्र पर सवाल उठाना बहुत गलत है। किसी भी बेटी के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए।

पाकिस्तान को मिलेगा सख्त जवाब: बृजलाल

कुआलालंपुर (आईएएनएस)

इंडोनेशिया की सफल यात्रा के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मलेशिया के कुआलालंपुर पहुंच चुका है। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भाजपा सांसद बृजलाल ने कहा कि पाकिस्तान ने नापाक हरकत की तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हमने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की है और यहां हमें जो मुख्य बात कहनी है, वह यह है कि हमें आतंकवाद से लड़ना है। जब तक आतंकवाद है, कोई भी देश विकास नहीं कर सकता। विकास बहुत जरूरी है इसके लिए शांति जरूरी है। भारत में शांति है और विकास हो रहा है। 2014 में 11वीं अर्थव्यवस्था थे, आज हम चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। पीएम मोदी का संकल्प 2047 तक विकसित भारत का है।

गाजा में खाना बांटते समय फिर गोलीबारी, 32 मौतें, 232 लोग घायल, अस्पतालों में जगह कम पड़ी

गाजा । एजेंसी

दक्षिणी गाजा में रविवार को खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी हुई जिसमें 32 फिलिस्तीनी लोगों की मौत हो गई है। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने कहा है कि दक्षिणी गाजा के राफा शहर में रविवार को एक सहायता वितरण केंद्र के पास इजराइली सेना ने गोलीबारी की। इसमें 31 लोगों की मौत हो गई वहीं, 200 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा मध्य गाजा के नेत्जारिम कॉरिडोर में भी एक सहायता केंद्र पर गोलीबारी की गई। इसमें 1 फिलिस्तीनी शख्स की मौत हो गई है, जबकि 32 लोग घायल हैं। गाजा में खाना बांटने का काम एक अमेरिकी एजेंसी जीएचएफ चला रही है। हालांकि इजराइली सेना ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सहायता वितरण केंद्र के पास उनके सैनिकों की गोलीबारी से कोई घायल हुआ हो। सेना ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में 27 मई से 1 जून तक खाना बांटने के दौरान हुई गोलीबारी में 49 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

आर माधवन फिल्मी करियर में अब तक कई हिट फिल्में दी हैं। वहीं अभिनेता की जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 8वीं फेल और 10वीं में सप्लीमेंट्री लेने वाले आर माधवन विदेशों में भी नौकरी कर चुके हैं। इसके अलावा वह इंग्लैंड की रॉयल आर्मी का भी हिस्सा रहे हैं। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेता आर माधवन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

8वीं में फेल और 10वीं सप्लीमेंट्री, आज एक्टिंग में बादशाह है आर माधवन

झारखंड में 01 जून 1970 को रंगनाथन माधवन का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम आर अयंगर और उनकी मां का नाम आर सरोजा था। वह एक तमिल परिवार से ताल्लुक रखते थे। वहीं 18 साल की उम्र में आर माधवन के कॉलेज ने उनको कनाडा में सांस्कृतिक राजदूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी। वहीं एक साल बाद माधवन और उनके कॉलेज के तीन अन्य लोगों को सेना के कैडेट के तौर पर ब्रिटेन भेजा गया। जहां पर उन्होंने नौसेना, शाही सेना और वायु सेना में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। वहीं सार्वजनिक भाषण पर उनकी मुलाकात एयर होस्टेस सरिता से मुलाकात हुई। जिसके बाद दोनों में दोस्ती हुई और फिर यह दोस्ती प्यार में बदल गई। वहीं करीब 7 साल बाद माधवन और सरिता ने शादी कर ली। कपल का एक बेटा वेदांत है। आर माधवन ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 1997 में की थी। इसके बाद वह कई टीवी शो में नजर आए थे। फिर साल 1998 में माधवन ने फिल्मी डेब्यू किया था। वह एक इंग्लिश फिल्म इन्फर्नो में इंडियन पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आए थे। हालांकि इस फिल्म से अभिनेता को कोई खास पहचान नहीं मिली थी। बॉलीवुड फिल्मों के अलावा अभिनेता ने कई साउथ फिल्मों में भी काम किया है। इसके लिए आर माधवन को साउथ फिल्म फेयर अवॉर्ड से नवाजा गया था। अभिनेता ने फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से हिंदी फिल्मों में एंट्री की थी। इस फिल्म में अभिनेता का किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया था। इस फिल्म में अभिनेता के अपोजिट दिया मिर्जा थीं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। इसके बाद उन्होंने अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय स्टारर फिल्म गुरु में भी काम किया। साल 2010 में आई फिल्म थ्री इडियट्स में माधवन ने फरहान का किरदार निभाया था। यह किरदार काफी ज्यादा फेमस हुआ था और यह फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई थी।